जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 29 संख्याः 328 प्रभात अजमेर, रविवार 29 जून, 2025 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

'चुनाव आयोग भाजपा का ''ब्रॉंच ऑफिस'' हो गया है'

कांग्रेस के पद चिन्हों पर चलते हुए तृणमूल कांग्रेस ने भी चुनाव आयोग पर चढ़ाई की

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 जून। कांग्रेस के बाद, तृणमूल कांग्रेस ने आज चुनाव आयोग पर भाजपा का शाखा कार्यालय होने का आरोप लगाया, क्योंकि ऐसा प्रतीत हो रहा है कि वह पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ पार्टी के चुनावी अवसरों को मजबूत करने के लिए काम कर रहा है।

दिल्ली में एक प्रैस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए राज्यसभा में टीएमसी के नेता डेरेक ओ'ब्रायन ने कहा कि अगली साल होने वाले बंगाल विधानसभा चुनावों में भाजपा की संभावनाओं के बारे में पार्टी के आंतरिक आकलन के कारण ही चुनाव आयोग मतदाता सूची के विशेष सघन पुनरीक्षण को आगे बढ़ा रहा है।

डेरेक ओ' ब्रायन ने कहा, ''भाजपा के नवीनतम आंतरिक सर्वेक्षण ने पार्टी को बंगाल में 46-49 सीटें दी हैं। यह (विशेष सघन पुनरीक्षण) उनकी तरफ से मामलों को अपने पक्ष में करने का एक हताशापूर्ण प्रयास है।''

तृणमूल महासचिव अभिषेक बनर्जी ने इस सप्ताह एक सार्वजनिक भाषण में बंगाल में भाजपा की 50 सीटों से कम की भविष्यवाणी की थी।

- राज्यसभा में तृणमूल कांग्रेस के नेता डैरेक ओ ब्रॉयन ने कहा कि ''भाजपा के आंतरिक सर्वे व आंकलन के अनुसार, अगले साल बंगाल में होने वाले विधानसभा चुनाव में भाजपा की 46-49 सीटें आने वाली हैं।
- ''अतः चुनाव आयोग द्वारा बंगाल में मतदाता सूची बनाने की प्रक्रिया में विशेष व गहरा परिवर्तन करना एक मजबूरी है भाजपा की, जिसमें चुनाव आयोग पूरा सहयोग कर रहा है।''
- नई प्रक्रिया के अनुसार, उन मतदाताओं को, जिनका जन्म 1987 से पहले हुआ, मतदान से पूर्व अपना बर्थ सर्टिफिकेट दिखाना होगा। जिनका जन्म 1987 व 2004 के बीच हुआ है, उन्हें न केवल अपना ''बर्थ सर्टिफिकेट'' बल्कि अपने माता-पिता का ''बर्थ सर्टिफिकेट'' भी दिखाना होगा।
- ''क्या आप अपने माँ-बाप का बर्थ सर्टिफिकेट रखते हैं?'' अतः यह तृणमूल की एक साजिश है, जिसमें ''माइग्रैंट लेबर'' आदि का मतदान का अधिकार खत्म करना है।
- डैरेक ओ ब्रायन का यह भी कहना है कि मतदान की प्रक्रिया में यह सघन परिवर्तन नाज़ी जर्मनी द्वारा 1935 में जारी किये ''पूर्वज पास'' (एन्सैस्टर पास) का नया रूप है, हम कहाँ जा रहे हैं।''

डेरेक ओ' ब्रायन ने जोर देकर कहा, ''हमारे महासचिव ने जो कहा, वह इन आंकड़ों पर आधारित था। हमें इस जानकारी की जानकारी है।''

चुनाव आयोग ने बिहार के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को एक पत्र लिखकर, मतदाता सूची के विशेष सघन पुनरीक्षण के लिए कहा था, जिससे नैशनल रजिस्टर ऑफ सिटिज़न्स (एनआरसी) को किसी अन्य रास्ते से लागू किए जाने का डर उत्पन्न हो गया है।

बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस मुद्दे को तुरंत झपटा और दावा किया कि इसका लक्ष्य बंगाल है, जहाँ अगले वर्ष चुनाव होने हैं।

चुनाव आयोग ने नागरिकता अधिनियम, 1955 के आधार पर विभिन्न स्तरों पर दस्तावेज़ सत्यापन का आदेश दिया है। बूथ स्तर के अधिकारियों को पूर्व-भरे हुए गणना फॉर्म दिए जाएंगे, जिनमें मतदाताओं को अतिरिक्त जानकारी प्रदान करनी होगी, जिसमें उनके माता-पिता की जन्म तिथि और जन्म स्थान के दस्तावेजी प्रमाण शामिल होंगे।

यह 1 जुलाई 1987 के बाद जन्मे लोगों के लिए अनिवार्य है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कोलकाता गैंग रेप की जाँच के लिए भाजपा ने पैनल बनाया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 जून। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने शनिवार को कोलकाता के एक लॉ कॉलेज की छात्रा के गैंग रेप की घटना की निंदा की और इस घिनौनी घटना, जो पश्चिम बंगाल की कानून व्यवस्था की दयनीय स्थिति को उजागर करती है, की जाँच के लिए पार्टी का एक चार सदस्यीय पैनल गठित किया।

- भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा द्वारा गठित इस चार सदस्यीय पैनल में पूर्व केन्द्रीय मंत्री व पूर्व पुलिस कमिश्नर सतपाल सिंह के साथ मीनाक्षी लेखी और विपुल कुमार देव व मनन कुमार मिश्रा शामिल हैं।

पैनल के सदस्य हैं, पूर्व केन्द्रीय मंत्री और पूर्व मुंबई पुलिस आयुक्त सतपाल सिंह, पूर्व केन्द्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी, सांसद विपल कुमार देव और मनन कुमार मिश्रा।

यह पैनल घटना स्थल का दौरा करेगा और रिपोर्ट नड्डा को सौंपेगा।

पंजाब कैडर के 1989 बैच के आईपीएस अफसर ''रॉ'' के चीफ नियुक्त

''ऑपरेशन सिंदूर'' में जैन ने प्रमुख भूमिका निभाई थी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 जून। वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी पराग जैन को भारत की एक्सटर्नल इन्टैलीजैंस एजेंसी, रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (आरएडब्ल्यू-रॉ) का नया प्रमुख नियुक्त किया गया है। जैन वर्तमान रॉ प्रमुख रवि सिन्हा से कार्यभार ग्रहण करेंगे, जिनका कार्यकाल 30 जून को समाप्त हो रहा है।

पराग जैन 1989 बैच के पंजाब कैडर के आईपीएस अधिकारी हैं। वे एक जुलाई को दो साल के निश्चित कार्यकाल के लिए पदभार ग्रहण करेंगे। खुफिया ऑपरेशन्स के संचालन, रणनीतिक निगरानी और क्षेत्रीय भू-राजनीति में गहरी विशेषज्ञता के लिए प्रसिद्ध, जैन वर्तमान में रॉ के दूसरे नम्बर के सबसे वरिष्ठ अधिकारी हैं और इसके एविएशन रिसर्च सेंटर (एआरसी), जो हवाई निगरानी और टोही कार्य के लिए जिम्मेदार एक महत्वपूर्ण विंग है-के प्रमुख हैं। वे ऑपरेशन सिंदूर के मुख्य संचालन अधिकारी थे।

पराग जैन के पास रॉ में दो दशकों से अधिक का अनुभव है। इस अवधि में उन्होंने कई संवेदनशील विभागों का प्रभार संभाला, जिसमें पाकिस्तान डेस्क का लंबा कार्यकाल शामिल है। उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा के महत्वपूर्ण घटनाक्रमों में अहम ऑपरेशनल भूमिका निभाई है, जिसमें जम्मू -कश्मीर में अनुच्छेद 370 की समाप्ति भी शामिल है।

रॉ के भीतर, पराग जैन को उनके तीव्र ऑपरेशनल अन्तर्दृष्टि एवं सूझ-बूझ और गहरी संस्थागत समझ के लिए व्यापक रूप से सराहा जाता है। उनकी नियुक्ति को भारत की बाहरी खुफिया तंत्र में निरंतरता और रणनीतिक गहराई सुनिश्चित करने की दिशा में उठाये गये एक कदम के रूप में देखा जा रहा है।

रॉ में शामिल होने से पहले, जैन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- लगभग दो दशकों से उनकी सेवाएं ''रॉ'' को समर्पित थीं और लंबे समय तक वे ''रॉ'' में पाकिस्तान डेस्क के इन्जार्च रहे हैं।
- जैन ने श्रीलंका व कैनडा में ''डिप्लोमैटिक इंटैलिजैंस ऑपरेशन'' की जिम्मेवारी संभाली थी। विशेषकर कैनडा में उन्हें खालिस्तानी आतंकवादी मॉड्यूल पर निगाह रखने की जिम्मेवारी सौंपी गई थी। यह जिम्मेवारी संभालते हुए उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय एक्सपोज़र पाया, ग्लोबल टैररिज़्म(अंतर्राष्ट्रीय आंतकवाद) के बारे में।
- उन्होंने पंजाब में भी एसएसपी व डीआईजी के रूप में आतंकवादी गतिविधियों का ग्राउण्ड लैवल का अनुभव भी पाया, क्योंकि उस समय पंजाब में आतंकवाद चरम पर था।

राज्य सेवा के अधिकारियों पर भ्रष्टाचार व अनुशासन के 38 प्रकरणों का निस्तारण

मुख्यमंत्री भजनलाल ने इन लंबित मामलों पर प्राथमिकता देते हुए निर्णय लिए

जयपुर, 28 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने संवेदनशील, भ्रष्टाचार मुक्त एवं पारदर्शी सुशासन की नीति अपनाते हुए राज्य सेवा के अधिकारियों के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही, अभियोजन स्वीकृति एवं 17-ए के विचाराधीन 38 प्रकरणों का निस्तारण किया है।

मुख्यमंत्री ने सेवारत अधिकारियों के विरूद्ध लंबी अनाधिकृत अनुपस्थिति एवं भ्रष्टाचार के 2 प्रकरणों में सेवा से हटाने एवं पदच्युत् करने का निर्णय लिया है। वहीं अभियोजन स्वीकृति के लंबित प्रकरणों के निस्तारण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए 7 अधिकारियों के विरूद्ध अभियोजन चलाने की मंजूरी दी है। भ्रष्टाचार निवारण (संशोधन) अधिनियम 2018 की धारा 17-ए के 05 प्रकरणों में भी विस्तृत जांच एवं अनुसंधान करने की अनुमति भी प्रदान की है। इसी तरह 11 सेवारत अधिकारियों के विरूद्ध सीसीए नियम-16 तथा 2 अधिकारियों के विरूद्ध सीसीए नियम-17 के तहत कार्यवाही करते हुए वार्षिक वेतन वृद्धियां संचयी/असंचयी प्रभाव से रोके जाने के निर्णय किया है। इसके अतिरिक्त, सेवानिवृत्त अधिकारियों के पुराने प्रकरणों का निस्तारण करते हुए 9 अधिकारियों की पूर्ण अथवा आंशिक पेंशन रोके जाने की कार्यवाही की गई है। वहीं 4 सेवानिवृत्त अधिकारियों के विरूद्ध प्रमाणित आरोपों के जांच निष्कर्ष का अनुमोदन किया गया है। साथ ही, भारतीय प्रशासनिक सेवा के 1 सेवानिवृत अधिकारी के विरूद्ध अखिल भारतीय सेवाएं (अनुशासन एवं अपील) नियम, 1969 के नियम 08 में प्रमाणित आरोपों हेतु पेंशन रोकने के दण्ड की अभिशंसा भारत सरकार को भिजवाई गई है। इसी तरह 2 प्रकरणों में सीसीए नियम 34 के तहत अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत पुनर्विलोकन याचिकाओं को निरस्त करते हुए दण्ड को यथावत रखा गया है तथा विभागीय जांच के 2 प्रकरणों में आरोपित अधिकारियों को राहत दी गई है।

- राज्य सरकार ने 7 अधिकारियों के विरूद्ध अभियोजन चलाने की अनुमति दी। धारा 17-ए के 5 प्रकरणों में विस्तृत जाँच की अनुमति प्रदान की। नौ सेवानिवृत्त अधिकारियों की पूर्ण आंशिक पेंशन रोके जाने की कार्यवाही की।

मोदी ने शुभांशु शुक्ला से बात की

नयी दिल्ली, 28 जून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि मिशन गगनयान को आगे बढ़ ाने के साथ ही भारत को अंतरिक्ष में अपना स्टेशन बनाना है और यह सुनिश्चित करना है कि भारतीय अंतरिक्ष यात्री चंद्रमा पर उतरे।

मोदी ने 41 साल के अंतराल के बाद अंतरिक्ष में गये दूसरे भारतीय नागरिक ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला से बात करते हुए कहा चंद्रयान की सफलता

- प्रधानमंत्री ने ग्रुप कैप्टन शुक्ला से कहा कि चंद्रयान की सफलता के बाद देश के युवाओं में विज्ञान के प्रति नई रूचि विकसित हुई है।

के बाद देश के युवाओं ने विज्ञान के प्रति एक नई रुचि विकसित की है।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक्स पर अपनी एक पोस्ट में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला से बातचीत की। प्रधानमंत्री मोदी ने ग्रुप कैप्टन शुक्ला से कहा, आज आप हमारी मातृभूमि से दूर हैं, लेकिन आप भारतीयों के दिलों के सबसे करीब हैं। आपके नाम

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

गहलोत खुद ही मुख्यमंत्री के खिलाफ षड्यंत्र रच रहे होंगे : हनुमान बेनीवाल

बेनीवाल ने कहा कि प्रेमचन्द बैरवा व मदन राठौड़ ने धरना हटवाया था, पर परीक्षा नहीं टली

जोधपुर, 28 जून (कासं)। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के सुप्रीमो और नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के वर्तमान मुख्यमंत्री के खिलाफ षडयंत्र वाले दावे पर कहा कि अशोक गहलोत खुद ही षड्यंत्र रच रहे होंगे। बिना गहलोत के भाजपा षड्यंत्र नहीं रच सकती। अगर मुख्यमंत्री को हटाने के लिए भाजपा के विधायक तैयार होते हैं, इसका मतलब गहलोत साहब से कोई बात हुई होगी। पहले वसुंधरा ने गहलोत साहब को विधायक दिए थे। यह तो राजस्थान में होता आया है। कोई नई बात नहीं है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा खुद कहते हैं कि कांग्रेस के नेता रात के अंधेरे में उनसे मिलते हैं।

सांसद हनुमान बेनीवाल ने पत्रकारों से वार्ता करते हुए यह बात कही। वे शनिवार को जोधपुर आए हुए थे। इस दौरान, उन्होंने मीडिया से एसआई भर्ती, प्रदेश में भ्रष्टाचार, गहलोत-शेखावत की लड़ाई और मुख्यमंत्री के खिलाफ षड्यंत्र जैसे मुद्दों पर बातचीत की। बेनीवाल ने कहा कि सरकार गिराने में गहलोत खुद शामिल होंगे, क्योंकि जिन बीजेपी वालों से उनकी बात हुई होगी, उनको एमएलए वे ही देंगे। वे ऐसा पहले भी कर चुके हैं, इसलिए यह कोई अचरज वाली बात नहीं है।

शेखावत और गहलोत के बीच बयानबाजी पर चुटकी लेते हुए बेनीवाल ने कहा कि दोनों एक ही हैं, पहले बात हो गई होगी आपस में, इसलिए अब बयानबाजी कर रहे हैं। मिलीभगत के खेल से प्रदेश का बंटाधार हो रहा है। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान भाजपा ने कहा था कि वह एसआई भर्ती रद्द करेगी, आरपीएससी का पुनर्गठन होगा। इसके झांसे में युवा आ गए थे, लेकिन अब पार्टी मुकर रही है। पिछले 66 दिन से धरना चल रहा है। कोई सुनवाई नहीं है। एक तारीख को मामले की सुनवाई है, अगर सरकार ने हमारे पक्ष में परिणाम नहीं दिया तो हम दिल्ली कूच करेंगे। बेनीवाल ने कहा कि आरएएस की मुख्य परीक्षा टालने के लिए उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा व भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने धरना हटवाया था, लेकिन बाद में क्या हुआ कि परीक्षा नहीं टाली गई।

बेनीवाल ने कहा कि पूर्वी राजस्थान के जाट समाज को केन्द्र में आरक्षण दिलाने के लिए फिर से आंदोलन किया जाएगा। इसके लिए वे कल भरतपुर जा रहे हैं। भरतपुर के डेहरा मोड़ पर कार्यक्रम रखा गया है। वहां बड़ा निर्णय किया जाएगा। उन्होंने कहा कि देश के नौ राज्यों में जाट समाज को केन्द्र में ओबीसी आरक्षण से वंचित रखा गया है। इनमें राजस्थान में धौलपुर व भरतपुर शामिल हैं। राजस्थान में राज्य स्तर पर तो इन जिलों के जाट समाज को आरक्षण दे दिया गया, लेकिन केन्द्र के आरक्षण से वे आज भी वंचित हैं। इसको लेकर जाट आरक्षण संघर्ष समिति बनी हैं।

नागौर सांसद बेनीवाल ने आरोप लगाते हुए कहा कि एसीबी में वे ही अफसर लिए जा रहे हैं, जो पहले से जमकर भ्रष्टाचार करते रहे हैं। इसे बंद कर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि एसओजी के भी यही हालात हैं। वहां पर तीन के साथ एक फ्री है। तीन मुल्जिम ले जाओ,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के प्रमुख हनुमान बेनीवाल ने कहा कि पूर्वी राजस्थान के जाट समाज को आरक्षण दिलाने के लिए फिर से आंदोलन होगा। इसके लिए वे रविवार को भरतपुर जा रहे हैं।

कोलकाता गैंग रेप में एक और गिरफ्तार

कोलकाता, 28 जून। दक्षिण कोलकाता में पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से सहायता प्राप्त लॉ कॉलेज में कानून की छात्रा से कथित सामूहिक दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने शनिवार को एक और संदिग्ध को गिरफ्तार किया। इसके साथ ही इस मामले में पकड़े गये कुल संदिग्धों की संख्या चार हो गयी। कॉलेज परिसर के सुरक्षा गार्ड पिनाकी बनर्जी (55) को 25 जून की शाम को परिसर में हुए अपराध की जानकारी होने के बावजूद, पीड़िता की मदद नहीं करने के आरोप में शनिवार सुबह गिरफ्तार किया गया। वहीं, तीन आरोपियों - कॉलेज के पूर्व छात्र एवं अब एड-हॉक कर्मचारी मनोजीत मिश्रा (31), प्रमित मुखर्जी (20) और जैब अहमद (19) को गुरुवार को गिरफ्तार किया गया था।

- मामले में अब तक चार गिरफ्तारियां हो चुकी हैं।

मुख्य आरोपी मनोजीत ने 2022 में कानून की उपाधि हासिल की थी और फिर एक गैर-शिक्षण कर्मचारी की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या है युवा अभिनेत्री शेफाली ज़रीवाला की आकस्मिक मौत का कारण

कुछ फिज़ीशियन्स का मत है कि वे 8 साल से एंटी एजिंग ट्रीटमैंट ले रही थीं, संभवतया इसी वजह से उनकी मौत हुई है

मुंबई, 28 जून। बॉलीवुड अभिनेत्री शेफाली ज़रीवाला का निधन हो गया है। वह 42 वर्ष की थी। बताया जा रहा है कि 27 जून की रात शेफाली को अचानक सीने में तेज दर्द हुआ। उनके पति पराग त्यागी उन्हें तुरंत मुंबई मे एक अस्पताल में लेकर पहुंचे, जहा चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

अभिनेत्री से जुड़े सूत्रों ने बताया कि शेफाली ज़रीवाला एक एंटी-एजिंग ट्रीटमेंट ले रही थीं। यह उपचार आमतौर पर त्वचा की बनावट में सुधार लाने और अधिक युवा दिखाने के उद्देश्य से किया जाता है। इस प्रक्रिया में उपयोग की जाने वाली दवाओं में मुख्य रूप से विटामिन सी और ग्लूटाथायोन शामिल थे।

सूत्रों से पता चला है कि शुक्रवार को शेफाली का व्रत था और उसने देर शाम खाली पेट एंटी एजिंग इंजैक्शन लिया था, जिसके बाद उसका सारा शरीर कांपने लगा था। फिर उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई।

- सूत्रों से पता चला है कि शेफाली ने शुक्रवार को व्रत रखा था और देर शाम उसने खाली पेट एंटी एजिंग इंज़ैक्शन लिया था, उसके बाद उसकी तबियत बिगड़ गई थी।
- शेफाली किशोरावस्था से मिर्गी से भी पीड़ित थीं, संभावना है कि शायद मिर्गी के दौरे का असर हृदय पर पड़ा हो।
- शेफाली ज़रीवाला की मात्र 42 वर्ष की उम्र में हुई असामयिक मौत ने एंटी एजिंग ट्रीटमैंट और उसके साइड इफैक्ट्स को चर्चा के केन्द्र में ला दिया है। इन दिनों कई सैलिब्रिटीज़ जवान बने रहने के लिए यह ट्रीटमैंट ले रहे हैं।

एक डॉक्टर ने बताया, ''ग्लूटाथायोन एक ऐसी दवा है जिसका उपयोग त्वचा को गोरा बनाने और शरीर के डीटॉक्सीफिकेशन के लिए किया जाता है।''

चिकित्सा साहित्य के अनुसार, अधिकांश सौंदर्य प्रक्रियाएं - जैसे फिलर्स, त्वचा कसने वाले ट्रीटमेंट्स और इंजेक्टेबल्स -प्रमाणित विशेषज्ञों द्वारा किए जाने पर सुरक्षित मानी जाती हैं। लेकिन कुछ दुर्लभ मामलों में एलर्जिक रिएक्शन, संक्रमण और रक्तवाहिनी संबंधी जटिलताएं हो सकती हैं। ऐसा कम होता है, लेकिन किसी अप्रत्याशित और अस्पष्ट मेडिकल घटना की स्थिति में इन पर संदेह बढ़ जाता है। हालांकि आजकल कई सैलेब्रिटीज़ यह ट्रीटमैंट लेते हैं।

शेफाली फिटनेस को लेकर बहुत सजग थीं कि लेकिन बताया जाता है कि 15 साल की उम्र से उन्हें (एपिलैप्सी) मिर्गी की बीमारी थी, जिसका खुलासा खुद उन्होंने 2021 के एक इंटरव्यू में किया था।

उन्होंने खुद इस बीमारी को तनाव और एंग्ज़ायटी से जोड़ा था और कहा था कि प्रसिद्धी और मीडिया की चकाचौंध के बीच भी यह समस्या उनके जीवन का हिस्सा रही है लेकिन सही इलाज से उन्होंने इसे नियंत्रित कर लिया था। चिकित्सकों का कहना है कि कुछ दुर्लभ मामलों में मिर्गी का दौरा हृदय या सांस सम्बंधी जानलेवा समस्याएं पैदा कर सकता है।

शेफाली पहले भी मानसिक स्वास्थ्य और डिप्रेशन से संघर्ष के बारे में सार्वजनिक रुप से बोल चुकी थीं- ये ऐसे कारक हैं जो मिर्गी को और अधिक गंभीर बना सकते हैं। हालांकि उनकी बेहोशी से पहले मिर्गी के दौरे की पुष्टि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

इटली में हुआ ''शोले'' का प्रीमियर

इटली, 28 जून। बॉलीवुड फिल्मकार रमेश सिप्पी की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'शोले' का विश्व प्रीमियर इटली में बोलोग्ना के प्रतिष्ठित इल सिनेमा रिट्रोवाटो फेस्टिवल में किया गया। इसमें फिल्म का अनकट वर्ज़न दिखाया गया है।

फिल्म शोले की 50वीं वर्षगांठ मनाने के लिए यह स्क्रीनिंग 27 जून को ओपन-एयर पियाज़ा मैगीगोर में हुई।

- इटली में हुए एक प्रतिष्ठित फिल्म फैस्टिवल में शोले का ''अनकट वर्ज़न'' दिखाया गया।

इस अवसर पर 'शोले' के निर्देशक रमेश सिप्पी ने कहा, क्या मैंने कभी सोचा था कि शोले इतनी दूर तक जाएगी। बिल्कुल नहीं! मुझे याद है कि जब हम इसे बना रहे थे तो हमें विश्वास था कि हम एक अच्छी फिल्म बना रहे हैं। लेकिन एक ऐसी फिल्म जो सभी रिकॉर्ड तोड़ देगी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

वृक्ष खुद गर्मी सहन कर शरण में आये राहगीर को गर्मी से बचाता है। –कालिदास

वर्षाकाल में आयुर्वेद ऋतुचर्या

आयुर्वेद में दिनचर्या, रात्रिचर्या, ऋतुचर्या, रतिचर्या, स्वस्थवृत्त, सद्वृत्त, आहार, विहार आदि स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा के उपयोगी और रणनीतिक उपाय हैं। पर्यावरण और पारिस्थिक तंत्र के साथ हमारे रिश्तों की अनवरत सार-संभाल या अनुकूलन ही ऋतुचर्या है। यह अनुकूलन ही धातुसाम्य और दोष साम्य रखता है। यही हमें रोगों से बचाता है या आयुर्वेद की भाषा में कहें तो अनागत रोगों का प्रतिकार या विकार-अनुत्पत्ति में सहायक है। आज की चर्चा वर्षाऋतु में स्वास्थ्य रक्षा के विविध उपायों पर केन्द्रित है, जिसके मुख्य शास्त्रीय स्त्रोत चरकसंहिता (च.सू.6.33-40), सुश्रुतसंहिता (सु.उ.64.46-55) एवं अष्टांगहृदय (अ.हृ.सू.3.42-48)हैं। ऋतुसंहार (2.1-29) में वर्षाऋतु का आँखों-देखा हाल रोचक है। स्वस्थवृत्त पर प्रकाशित समकालीन वैज्ञानिक शोध, जो लगभग नगण्य है, का भी सहारा लिया गया है। आयुर्वेदाचार्यों के अनुभवजन्य ज्ञान भी यहाँ समाहित है। एक महत्वपूर्ण बात प्रारंभ में ही बताना उपयोगी रहेगा कि संहिताओं में उपलब्ध जानकारी का मूल स्त्रोत लगभग आठवीं शताब्दी ईसापूर्व से लेकर सातवीं शताब्दी के मध्य का है। अत: ऋतुचर्या पर उपलब्ध कुछ सलाह या निर्देश ऐसे भी हैं जिनकी समकालीन सार्थकता को आधुनिक वैज्ञानिक अध्ययनों के सन्दर्भ में सावधानीपूर्वक समझते हुये उपयोग में लेना ठीक रहेगा।

वर्षा ऋतु आते-आते, शिशिर, बसंत एवं ग्रीष्म ऋतु के प्रभाव से कमजोर हुये शरीर की अग्नि या भूख वात आदि दोषों से मंद पडती जाती है। प्राय: बादलों की छाया, नमी के कारण शीतल हुई हवा, मिट्टी में पानी पडने पर निकलने वाली शुरुआती भाप, भोजन का अम्लविपाक होना और सतही जल में प्रदूषण बढ जाने से जठराग्नि मंद हो जाती है। वात कुपित होकर अन्य दोषों पर भी प्रभाव पडता है। इस कारण वर्षा ऋतु में आहार-विहार में बडी सावधानी रखना आवश्यक है। आहार-विहार ऐसा हो जिसमे मुख्यतया वात के शमन के साथ ही कफ और पित्त का शमन भी हो। जठराग्नि चूँकि मंद रहती है, अत: भोजन का अग्निवर्धक होना आवश्यक है। सूत्र रूप में कहें तो वात शमन एवं जठराग्नि को दीप्त किये बिना वर्षा ऋतु में बीमारी से बच पाना संभव नहीं है। वर्षा ऋतु के प्रारम्भ में ही, अपने आयुर्वेदाचार्यों की सलाह से समुचित वमन, विरेचन, स्वेदन, मर्दन आदि से शरीर में संचित दोषों का शोधन करते हुये आस्थापन या निरूहणबस्ति का प्रयोग करना चाहिये।

खान-पान में यह ध्यान रखना आवश्यक है कि जब तक पहले खाया हुआ भोजन ठीक से पच न जाये, तब तक पुन: भोजन नहीं करना चाहिये। वर्षा ऋतु में आराम से पच जाने वाले खाद्य पदार्थ लेना स्वास्थ्यकर रहता है। मधुर, अम्ल एवं लवण रसों का सेवन, हलका गरम दूध, घी, पुराने जौ, गेहूं व चावल, विशेष कर साठी के चावल लेना लाभकारी होता है। मूंग की दाल का जूस, पुराना शहद, पुराने आसव व अरिष्ट, मस्तु या दही का पानी, सौवर्चल या काला नमक, सैन्धव नमक, पंचपोल (पिप्पली, पीपलामूल, चव्य, चीता, नागरमोथा) का चूर्ण वर्षा ऋतु में बहुत उपयोगी रहते हैं। जिस दिन आकाश में बादल छाये हों, उस दिन खट्टे, नमकीन व स्निग्ध खाद्य पदार्थों के साथ सूखे चने-चबैने का आनंद लिया जा सकता है। ये सब लघु होने से जल्दी पच जाते हैं। रुक्ष व उष्ण खाद्य पदार्थ, नये अन्न, बहुत ठंडा पानी आदि का प्रयोग नहीं करना चाहिये। छाछ या मठा, सत्तूके घोल आदि से बचना ही श्रेयस्कर है।

वर्षा ऋतु में नदियों, तालाबों और पोखरों में सिमट-सिमट कर आने वाला सतही जल अपने साथ बडी गन्दगी बहाकर लाता है। भारत में तीव्र आर्थिक विकास, साक्षरता दर में सुधार, और बेहतर जल स्त्रोतों की व्यापक पहुंच के बावज़ूद वर्ष 2011 की जनगणना में यह पाया गया कि 70 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों में शौचालय नहीं है। स्वाभाविक है कि पूरे देश के नदी-नाले, तालाब, पोखर और यहाँ तक कि कुओं के पानी में कॉलिफोर्म बैक्टीरिया भारी संख्या में पाये जाते हैं। वर्षानादेयमुदकानाम् (च.सू. 25.39) के द्वारा चरक ने स्पष्ट किया है कि बरसात के दिनों में नदियों का जल प्रकृति से ही अहितकर होता है। देश भर के प्रदूषण नियंत्रण मंडलों के आंकडे और वैज्ञानिक अध्ययनों के आधार पर देश की नदियों के प्रदूषण पर प्रकाशित 2000 शोधपत्र एवं भारत के जल प्रदूषण पर 7500 शोधपत्र गवाह हैं कि महर्षि चरक तब तो सही थे ही, आज 3000 साल बाद तो उनका कथन हर ऋतु के लिये सही है। भारत में आज कोई ऐसी नदी नहीं है जो नगरीय मल-जल या औद्योगिक प्रदूषण से प्रदूषित न हो। उपचार के बिना कोई सतही जल पीने योग्य नहीं बचा है। यहाँ तक कि भारत की सबसे पूज्य और पवित्र नदी का जल भी आज समुचित उपचार के बिना पीने के पूर्णत: अयोग्य है। अत: बिल्कुल साफ़ पानी ही पीने में प्रयोग करना चाहिये। नहाने के लिये भी नदी, नालों, तालाब या पोखर के पानी का प्रयोग नहीं करना चाहिये, क्योंकि दूषित पानी में ऋतु-जन्य, परिस्थिति-जन्य एवं पर्यावरण-जन्य संक्रमणकारी और प्रदूषणकारी तत्व मिले रहते हैं। अत: स्वस्थ रहने के लिये दिनचर्या, ऋतु चर्या, स्वस्थवृत्त आदि जैसे सभी साधारण उपाय करना चाहिये।

खान-पान में यह ध्यान रखना आवश्यक है कि जब तक पहले खाया हुआ भोजन ठीक से पच न जाये, तब तक पुनः भोजन नहीं करना चाहिये। वर्षा ऋतु में आराम से पच जाने वाले खाद्य पदार्थ लेना स्वास्थ्यकर रहता है। मधुर, अम्ल एवं लवण रसों का सेवन, हलका गरम दूध, घी, पुराने जौ, गेहूं व चावल, विशेष कर साठी के चावल लेना लाभकारी होता है।

बिना जूते पहने नंगे पैर कीचड या गीली मिट्टी में चलना ठीक नहीं होता। गीले कपडे नहीं पहनना चाहिये। वस्त्रों को समय-समय पर धूप में डालते रहना चाहिये या धोकर और सुखाकर अच्छी तरह प्रेस करने के बाद पहनने चाहिये। रहने की जगह भी ऐसी हो जहाँ सीलन या वर्षा की बौछारें न पहुँचती हों। वर्षा ऋतु में दिन में नहीं सोना चाहिये। अधिक परिश्रम करना, या धूप या ओस में बहुत ज्यादा समय तक रहना भी स्वास्थ्य के लिये हानिकारक है। बहुत अधिक व्यायाम या सेक्स भी वर्षा ऋतु में ठीक नहीं होता, हालाँकि आत्रेय विरचित सारसंग्रह में उपवन में टहलना और नियमित व्यायाम शक्ति संचय के लिये कल्याणकारी माना गया है। वर्षाऋतु के अन्त में जब शरदऋतु आने वाली होती है तब तक शरीर में पित्त का संचय होता रहता है और शरद ऋतु के आते ही संचित पित्त कुपित होने लगता है। अत: वर्षाऋतु के अन्त में अपने आयुर्वेदाचार्य की सलाह से तिक्तघृत या महातिक्तघृत का प्रयोग लाभकारी होता है।

भारत में छह प्रमुख वेक्टर जनित रोगों का भारी प्रकोप है। इनमें मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया, फाइलेरिएसिस, जापानी एन्सेफलाइटिस और विसरललि शमानियासिस शामिल हैं जो जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव से बढ सकते हैं। वर्षा ऋतु में तापमान की अधिकता के साथ ही जल की प्रचुरता से बैक्टीरिया, वायरस, मच्छर, मक्खी आदि का प्रकोप भी बढ जाता है। अध्ययन बताते हैं कि वर्षाऋतु में डेंगू-संक्रमित मच्छरों का प्रतिशत बढ जाने से आगे चलकर उनकी संक्रामकता बढ जाती है। साथ ही सर्दी, खांसी, जुखाम, बुखार, अपच, डायरिया आदि का प्रकोप भी बढ जाता है। ऐसी दशा में बीमार पडने पर प्राय: आयुर्वेद की वे औषधियां जो एन्टी-वायरल, एन्टी-बैक्टेरियल व एन्टी-इन्फेक्टिव प्रभाव वाली होती हैं उनसे शीघ्रता से लाभ मिलता है। विविध प्रकार के वायरल संक्रमण के कारण रक्त में प्लेटलेट्स की संख्या में भारी कमी जानलेवा हो सकती है। अत: तुलसी, गुडूची, कालमेघ जैसे औषधीय पौधों से प्राप्त मानकीकृत औषधियाँ लाभकारी हो सकती हैं। इन प्रजातियों को घरों के आसपास उगाकर रखना और आयुर्वेदाचार्यों की सलाह से चिकित्सकीय उपयोग जीवन-रक्षा में मददगार हो सकता है।

इस सब चर्चा का हमारे लिये महत्व यह है कि यदि स्वास्थ्य के साथ खिलवाड नहीं करना है तो समुचित ऋतुचर्या का पालन करना चाहिये। इससे अनावश्यक बीमार पडने से होने वालीधन की बर्बादी से बचा जा सकता है। दूसरी बात यह भी है कि ऋतुचर्या के पालन का अर्थ यह नहीं है कि आयुर्वेदोक्त दिनचर्या, रात्रिचर्या, स्वस्थवृत्त या सद्वृत्त आदि से छुटकारा मिल गया। सारांशत: देखें तो वर्षाऋतु में चार बातें सम्भालना आवश्यक है: प्रकुपित वात का शमन, मंद पडी जठराग्नि का प्रज्वलन, प्रदूषित जल व खाद्य सामग्री से पूर्ण बचाव, और वेक्टर-बॉर्न बीमारियों से बचाव व चिकित्सा। आचार्य चरक, सुश्रुत एवं वाग्भट आदि ने हालांकि यह स्पष्ट किया है कि वर्षा ऋतु में वात का प्रकोप बढता है किन्तु समकालीन वैज्ञानिक अध्ययन और अनुभवजन्य ज्ञान स्पष्ट करता है कि आज दिनचर्या, रात्रिचर्या या ऋतुचर्या गडुमडु होने के साथ ही प्रज्ञापराध या असात्म्येन्द्रियार्थ संयोग से मुक्त जीवन जीना दूभर हो रहा है। ऐसी स्थिति में वर्षा ऋतु में केवल वात ही नहीं, बल्कि पित्त व कफ भी ठिकाने से भडके रहते हैं। इसलिये वर्षाकाल में शरीर को स्वस्थ रखने के लिये केवल वात-नियामक, अग्नि-उद्दीपक और संक्रमण-मुक्त जीवनशैली नहीं बल्कि आयुर्वेदाचार्यों की सलाह से त्रिदोष-नियामक आहार-विहार और रसायन ही हमारा कल्याण कर सकते हैं।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय,
(भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त तथा वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं)

थक हार के इजरायल-ईरान की लड़ाई बंद हुई- आओ वर्तमान इजरायल के बारे में कुछ जानें

महावीर सिंह

(यह लेख इजरायल, अरब देशों के तनाव से संबंधित, केवल कुछ बहुत सामान्य, ऐतिहासिक तथ्य पाठकों तक पहुंचने के लिए है)

बात 1917 की है। संसार प्रथम विश्वयुद्ध में उलझा था। वस्तुत यह युद्ध विशुद्ध रूप से उपनिवेशवादी ताकतों के बीच अपने-अपने प्रभाव क्षेत्र सुरक्षित रखने और विस्तार देने का था। भारत जैसे गरीब परतंत्र देशों का इस से कोई लेना-देना नहीं था, सिवाय इसके कि अंग्रेजों की भारतीय सेनाओं को भी युद्ध में झोंका गया। इस युद्ध में ब्रिटेन, फ्रांस, अमरीका, रूस, इटली, जापान इत्यादि देश एक तरफ थे और जर्मनी, ऑस्ट्रिया-हंगरी, ऑटोमन साम्राज्य (तुर्क) आदि दूसरी ओर थे। युद्ध सभी देशों की आर्थिक हालत पतली कर देता है। ब्रिटेन, अमरीका को भी जन सहयोग से धन प्राप्ति व अन्य प्रकार से सहयोग की आवश्यकता थी। समृद्ध यहूदी व्यवसायों में और आम यहूदियों ने हर प्रकार से इनकी सहायता की।

इस विविध प्रकार के सहयोग के फलस्वरूप ब्रिटेन ने पूरे संसार में बिखरे यहूदियों को उपकृत किया। 2 नवंबर 1917 में ब्रिटेन के विदेश मंत्री बालफोर ने एक आधिकारिक वक्तव्य दिया जिसे बालफोर घोषणा के रूप में जाना जाता है। इसका सार था कि फिलिस्तीन में यहूदियों के लिए एक राष्ट्रीय घर स्थापना के प्रति ब्रिटेन का समर्थन था। महत्वपूर्ण यह है कि यह पत्र एक प्रसिद्ध व्यवसाई व जियोनी संघ के अध्यक्ष वाल्टर रोथ्सचाइल्ड को लिखा गया। यह मात्र एक घोषणा थी। इजरायल देश की स्थापना तो कालांतर में 1948 में संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रस्ताव के जरिए हुई। बालफोर घोषणा का असर यह हुआ कि जिन-जिन मध्यपूर्व यूरोपियन देश, जिनमें यहूदी विरोधी भावनाएं थी वहां से व अन्य पश्चिमी देशों से यहूदी इस क्षेत्र में आकर बसने लगे। 1900-17 के बीच, अनुमानत, जहां 50 हजार से भी कम यहूदी फिलिस्तीन क्षेत्र में थे, 1948 तक इनकी संख्या बढ कर 6-7 लाख हो गई। अनुमान है कि 2-ढाई लाख यहूदी तो वे थे जो नाजी लहर के चलते जर्मनी छोड़ कर इधर-उधर हो गए थे।

विश्वयुद्ध समाप्ति पर विजय शक्तियों ने पराजित ऑटोमन साम्राज्य के भूभाग का विभाजन विभिन्न अरब मुल्कों में कर दिया। नए बने देश फिलिस्तीन, जॉर्डन, सीरिया व इराक पर फ्रांस, ब्रिटेन का कब्जा हो गया जिसका गुप्त समझौता, युद्ध समाप्ति के काफी पहले 1916 में ही दोनों देश कर चुके थे। विश्व युद्ध की समाप्ति के बाद गठित लीग आफ नेशन्स ने कुछ भूभागों का सामान्य प्रशासन चलाने के लिए अलग-अलग विजेता राष्ट्रों को अधिकृत किया। इन्हें मैनडेटेड क्षेत्र कहा गया। फिलिस्तीन का मैंडेट ब्रिटेन को सौंपा गया। फिर आ गया सेकेंड वर्ल्ड वार। नाजीवाद के अत्याचारों, नरसंहार आदि के चलते बहुत बड़ी संख्या में यहूदी जर्मनी छोड़ अन्य देशों में चले गए और यह अलग यहूदी राज्य की स्थापन की मांग का प्रमुख कारण बन गया। विश्व युद्ध की समाप्ति पर विश्व के देशों के बीच शांति स्थापित रखने, उनकी समस्याओं को निपटाने के लिए लीग आफ नेशन्स के स्थान पर, संयुक्त राष्ट्र के नाम के नए संगठन की स्थापना की जो अब इस कार्य के लिए लगभग 100 प्रतिशत असफल सिद्ध हो चुका है। ब्रिटेन में फिलिस्तीन क्षेत्र को, आगे के फैसलों के लिए, यूएनओ से अनुरोध किया। यूएनओ ने विभिन्न देशों की एक समिति गठित कर विचार मांगे। समिति में दो विकल्प सामने आए। एक था कि यहूदियों के लिए व फिलिस्तीनियों के लिए दो अलग-अलग देश बनाए जाए और दूसरा था कि दो स्वायत शासन क्षेत्र स्थापित किए जाएं जिन में से एक में फिलिस्तीनियों की व दूसरे में यहूदियों की अधिसंख्या हो और इन दोनों का एक संघ हो।

इस्लामिक अरब राष्ट्रों को दोनों नामंजूर थे और यहूदियों के नेताओं को स्वायत क्षेत्रों वाला प्रस्ताव अस्वीकार था। अंतत: 29 नवंबर 1947 को बहुमत से यूएनओ का प्रस्ताव संख्या 181 पारित हुआ और स्वतंत्र यहूदी राज्य इजरायल की स्थापना हुई। मई 1948 में अमरीका, सोवियत संघ व उससे संबद्ध पोलैंड आदि में इजरायल को मान्यता दे दी। अमरीका, रूस के अतिरिक्त ईरान जो अब इजरायल का सबसे बड़ा दुश्मन है और तुर्क इजरायल की स्थापना के तत्काल बाद मान्यता देने वाले देश थे।

यूएनओ प्रस्ताव के बाद भी अरब देशों-मिश्र, सीरिया, जॉर्डन, इराक, लेबनान ने स्वतंत्र इजरायल को मान्यता न देकर, 1948 में उसके हिस्से वाले फिलिस्तीन में अरब वॉलंटियर्स के रूप में लड़ाई जारी रखी। इजरायल की भी कोई संगठित सेना नहीं थी। फिलिस्तीन में बसे यहूदियों के विभिन्न हथियार बंद संगठन बने हुए थे, उन्होंने अरब लीग वॉलंटियर्स या सैनिकों के साथ युद्ध किया। अंतत: 1949 में यूएनओ के प्रयासों से, इजरायल वो सभी लड़ने वाले अरब स्टेट्स में अलग अलग युद्ध विराम हुआ और युद्धविराम रेखा बतौर अस्थाई सीमा रेखा कायम हुई।

इसके बाद भी इजरायल व पड़ोसी देशों या स्वतंत्रता चाहने वाले संगठनों अथवा इजरायल के गठन को अस्वीकार करने वाले समूहों में युद्धों का सिलसिला जारी रहा। 1967 में 8 अरब देशों में इजरायल का रिकॉग्निशन समाप्त किया। बाद में धीरे-धीरे वापिस भी राजनयिक संबंध बनाए। 1973 में फिर एक युद्ध हुआ जो योमकिप्पुर युद्ध के नाम से जाना जाता है। यह युद्ध सिनाय प्रायद्वीप और गोलन हाइटस, जो 1967 के युद्ध में इजरायल ने कब्जा ली थी, उनका कब्जा पुन: इजरायल से पाने के लिए लड़ा गया।

इस प्रकार स्पष्ट होता है कि इजरायल अरब देशों के बीच लगातार संघर्ष चलता आ रहा है, अब भी विभिन्न प्रकार से यह चल रहा है।

यहां यह स्मरण रखना भी बड़ा ही दिलचस्प है कि फिलिस्तीन का क्षेत्र यहूदियों, मुसलमानों व ईसाईयों सभी के लिए मायने रखता है। येरुशलम यही है जो तीनों धर्मों के लिए पवित्र है। इन तीनों धर्मों के धर्मावलंबियों में संघर्षों का इतिहास भी लंबा है। यह ओर भी दिलचस्प है कि तीनों धर्मों का आदिपुरुष या भगवान एक ही है। मोटे रूप से, कुछ भिन्नताएं को छोड़ कर तीनों ही एकेशवरवादी धर्म है। पाठकों के लिए इस संबंध में कुछ जानना रुचिकर होगा। अगले किसी अंक में इस पर मोटामोटी रूप से विचार करेंगे।

अब चलते चलते इस पर विचार करना कि विश्व में जहां भी देशों, संगठनों में जो तनाव चल रहे है उनके पीछे वैश्विक किरदार जो दिखते हैं वही हैं कोई पर्दे के पीछे कोई ओर होते हैं? ओर इन सारे संघर्षों में, आम आदमी की क्या हैसियत सिवाय आग्नेय अस्त्रों का चारा बनने के या किसी के पक्ष विपक्ष में जुलूस निकालने, नारे लगाने के!!!! गाजा में या अन्यत्र मारे जा रहे निहत्थों का, प्रताड़ितों क्या दोष?

–महावीर सिंह, पूर्व आईएएस

अपशिष्ट पदार्थ डालने की वजह से नहर का अस्तित्व खतरे में पड़ा

देश की आजादी से पहले पावटा कस्बे में सिंचाई एवं पेयजल व्यवस्था दुरुस्त रखने के लिए नहर का निर्माण करवाया था

पावटा, (निसं)। कस्बे की पुरा महत्व की नहर में अपशिष्ट पदार्थ डालने की वजह से नहर का अस्तित्व खतरे में पड़ गया है। हालात ये हैं कि नहर से उठने वाली दुर्गंध के कारण लोगों को नाक पर रूमाल या हाथ रखकर गुजरना पड़ता है, जिससे आम-आदमी परेशान हैं, लेकिन जिम्मेदारों को इसकी परवाह नहीं है।

स्थानीय बाशिंदों ने बताया कि पावटा कस्बे में सिंचाई एवं पेयजल व्यवस्था दुरुस्त रखने के लिए नहर का निर्माण करवाया था। देश की आजादी के बाद तक इसका उपयोग हुआ, लेकिन बढ़ती आबादी एवं पेयजल के अन्यस्त्रोत विकसित होने के बाद इस नहर की उपेक्षा शुरू हो गई। नतीजतन, वर्तमान में यह नहर न सिर्फ अतिक्रमण का शिकार हो गई, बल्कि आसपास के लोगों द्वारा इसमें कचरा डाला जा रहा है, जिसके चलते इसने नहर के बदले कचरागाह का रूप ले लिया है। जानकारों की मानें तो यदि जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों और नगरपालिका व प्रशासन ने इसकी सुध नहीं ली तो नहर का अस्तित्व मिट जाएगा। यहां नहर होना बीते दिनों की बात हो जाएगी और इसके स्थान पर पक्के निर्माण हो जाएंगे। नहर में डाले जाने वाले कचरे से उठने वाली सड़ांध हवा के रुख बदलते रहने पर आसपास क्षेत्र में फैलती है, जो नहर के आसपास के दुकानदारों, बाशिंदों, ग्राहकों, राहगीरों एवं वाहन चालकों को तकलीफदेय साबित हो रही है।

नहर से चंद मीटर दूरी पर ही विद्यालय एवं लोकल बस स्टैण्ड बना हुआ है। नहर से उठने वाले दुर्गंध से बस यात्री व विद्यार्थी एवं राहगीर भी परेशान रहते हैं। नहर को कचरागाह बनाने के बावजूद शासन-प्रशासन को इसकी अनदेखी कर ही रहा है, लेकिन शहर के पर्यावरण प्रेमी भी मौन है।

पावटा कस्बे की पुरा महत्व की नहर में अपशिष्ट पदार्थ डालने से नहर का अस्तित्व खतरे में पड़ गया है।

- नहर से चंद मीटर दूरी पर ही विद्यालय एवं लोकल बस स्टैण्ड बना हुआ है
- नहर से उठने वाले दुर्गंध से बस यात्री, विद्यार्थी एवं राहगीर भी परेशान रहते हैं

यही कारण है कि कुछ लोग स्वयं की सुविधा के लिए नहर में कचरा डालते रहते हैं, जो इसमें सड़ता रहता है। जानकारों का कहना है कि इस नहर का भी सौन्दर्यीकरण किया जा सकता है।

सिंचाई विभाग एईएन शैलेन्द्र गढ़वाल ने बताया कि विभाग को बिना सूचित किए नगरपालिका द्वारा नहर की खुदाई व सफाई करवाई गई है। खुदाई करवाकर नहर के किनारों पर ही गंदगी छोड़ दी गई ज्योंकि गलत है। नया टेंडर करवाकर नहर पर हो रहे अतिक्रमण व उसकी साफ सफाई करवाई जाएगी।

अंत्योदय संबल शिविर का लोगों को मिल रहा लाभ

आसीन्द, (निसं)। राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल, नेगड़िया में पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़े का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को एक ही स्थान पर विभिन्न विभागीय समस्याओं का समाधान उपलब्ध कराना था। राजस्व, बिजली विभाग, पंचायती राज, चिकित्सा और जल विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। कई समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया गया। नामांतरण और पट्टे जारी करने के साथ खाद्य सुरक्षा संबंधी कार्यों का भी निपटारा हुआ।

अतिरिक्त जिला कलेक्टर ओमप्रकाश मेहरा ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल शिविर का नेगड़िया में अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने जनसुनवाई कर आमजन के आवश्यक कार्यों का त्वरित निस्तारण किया और विभिन्न विभागों की प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मेहरा ने राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नेगड़िया में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। वहीं खातोंला गांव के ग्रामीणों ने बिजली, पानी की समस्या को लेकर अतिरिक्त जिला कलेक्टर ओम प्रकाश मेहरा को ज्ञापन सौंपा। चिकित्सा विभाग ने दिव्यगजनों आयुष्मान कार्ड गर्भवती महिलाओं के टीकाकरण, बच्चों के टीकाकरण, टीबी रोगियों की जांच, निशुल्क दवा, प्रधानमंत्री आयुष्मान कार्ड का वितरण किया गया। ग्राम पंचायत की नेगडिया सरपंच ने ग्रामीणों से शिविर का लाभ लेने की अपील की थी। ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना की। परिवार को नि:शुल्क पट्टा प्रदान किया गया। कार्यक्रम में उपखंड अधिकारी रोहित सिंह, तहसीलदार जयसिंह, ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रीतम गुप्ता, डॉ. राजेंद्र मीणा, विकास अधिकारी भंवरसिंह, चिकित्सा विभाग से श्याम सिंह चुंडावत, आशा बैरवा, महेंद्र कुमार, पटवारी भूपेंद्र सिंह, सरस्वती प्रजापत, शबाना बानो, ललित जायसवाल, पारस देवी, सुगना बलाई, आशा सहयोगिनी उपस्थित थी वहीं सभी विभागों की अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। इस शिविर में क्षय रोग पीड़ित रोगियों को महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता आशा बैरवा और पंचायती शिक्षक सुरेश चंद खटीक ने पोषण किट प्रदान किया।

गोविंदगढ़ के वार्ड सात के लोग बूंद-बूंद पानी को तरसे

गोविन्दगढ़/अलवर, (निसं)। गोविंदगढ़ कस्बे के वार्ड नंबर सात गांधी पार्क के पीछे के हालात इतने खराब है कि आए दिन पानी की समस्या से लोग जूझ रहे है। तीन से चार दिन में पानी की सप्लाई दी जाती है। पांच दिन बीत जाने के बाद भी 28 जून को भी पानी की सप्लाई वार्ड नंबर सात के ग्राम वासियों को नहीं मिल पाई। पानी की सप्लाई का भी कोई टाइम टेबल निर्धारित नहीं है, जिससे उपभोक्ताओं को काफी समस्या होती है। कई बार तो रात को पानी की सप्लाई दी जाती है जिससे उपभोक्ताओं को चोरी एवं अन्य घटनाओं का भी डर बना रहता है। रात्रि के समय सप्लाई देने पर जिसकी शिकायत 181 राजस्थान पोर्टल पर भी की गई एवं संबंधित विभाग के कनिष्ठ अभियंता निशा मीणा, सहायक अभियंता जैकी शर्मा, अधिशासी अभियंता महेंद्र कुमार मीणा को दूरभाष के जरिए दी गई। परंतु समस्या का समाधान नहीं किया गया और एक दूसरे पर टालते हुए नजर आए।

- पांच सौ रुपये में टैंकर मंगवा रहे हैं

अधिकारी उपभोक्ताओं की पानी की समस्या को हल करने में नाकाम दिखाई दे रहे हैं। लोगों को पानी के लिए तरसना पड़ रहा है। 500 रुपये देकर टैंकरों द्वारा पानी डलवाकर अपनी पूर्ति कर रहे हैं। वार्ड नंबर सात गांधी पार्क के पीछे में ज्यादातर उपभोक्ता सेवानिवृत्त हैं, जिन्हें हर तीसरे दिन 500 रुपये का टैंकर डलवाना पड़ता है।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

रविवार 29 जून, 2025

आषाढ़ मास, शुक्ल पक्ष, चतुरथी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2082, आश्लेषा नक्षत्र प्रात: 6:34 तक, वज्र योग सायं 5:58 तक, विष्टि करण प्रात: 9:15 तक, चन्द्रमा आज प्रात: 6:34 से सिंह राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-कर्क, मंगल-सिंह, बुध-कर्क, गुरू-मिथुन, शुक्र-मेष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज रवियोग प्रात: 6:34 तक है। यमघट योग प्रात: 6:34 से सूर्यास्त तक है। आज भद्रा प्रात: 9:15 तक है। शुक्र वृष दिन 2:09 तक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 7:22 से 9:05 तक, लाभ-अमृत 9:05 से 12:30 तक, शुभ 2:12 से 3:55 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 5:40, सूर्यास्त 7:20

मेष

आवश्यक कार्यों के कारण बाहर जाना पड़ सकता है। आज परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। आज नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

वृष

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

मिथुन

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है।

कर्क

धार्मिक-सामाजिक समारोह में भाग ले सकते हैं। शुभ कार्यों पर धन खर्च हो सकता है। आवश्यक कार्यों के लिए यात्रा संभव है। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

सिंह

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। आज परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

कन्या

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। आज मन में असंतोष बना रहेगा। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

तुला

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। आवश्यक कार्यों में प्रगति होगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

वृश्चिक

अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

धनु

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आज धार्मिक-मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

मकर

परिवार कार्य योजना को सीमित रखें। नवीन कार्यों में परेशानी हो सकती है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कुंभ

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

मीन

अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। विवादित मामलों से राहत मिलेगी। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

सार-समाचार

क्रिकेट प्रतियोगता का शुभारंभ

मदनगंज-किशनगढ़, (निस)। राज. ब्राह्मण महासभा की और से पृथ्वीराज चौहान स्टेडियम में भगवान परशुराम प्रीमियर लिग क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ काचरिया पीठ के नटवर श्याम महाराज के सानिध्य में हुआ। पं राजेश काकडा ने मंत्रोच्चार के बिच बालाजी महाराज की तस्वीर के समक्ष माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलन कराया। महामंत्री बालमुकुंद शर्मा ने बताया की समारोह में अजय शर्मा सेवानिवृत जिला एवं सत्र न्यायाधीश अजय शर्मा, पार्षद शंकर शर्मा, आचार्य यशवंत पारीक, डॉ कुलदीप शर्मा, डॉ अभिषेक दाधीच, पत्रकार शिवकुमार शर्मा, अतिथि रूप में मौजूद रहे। अध्यक्ष राधेश्याम बड़गांव, युवाध्यक्ष राजेश शर्मा, जिला युवाध्यक्ष नरेश प्रधान ने अतिथियों का स्वागत किया।संरक्षक चन्द्रशेखर शर्मा ने प्रतियोगिता को खेल की भावना से खेलने के साथ व आपसी भाई चारे को बढ़ावा देने पर बल दिया। इस अवसर पर प्रदेश महिला मंत्री लीना सारस्वत, वरिष्ठ उपाध्यक्ष गोपाल प्रधान, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनमोहन शर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष पवन प्रधान, सुशील दाधीच तिलोनिया, नीरज काकडा, मनोज दाधीच, जयप्रकाश,पुष्पा तिवाड़ी, रामचंद्र रिणवा, सुरेश जोशी, अशोक शर्मा खांडल, शंभु शर्मा, अनुपम रतावा सहित कई गणमान्य जन मौजूद रहे। प्रथम मैच नवग्रह वर्सेज राधे क्लब के मध्य हुआ। जिसमें राधे क्लब ने बल्लेबाजी कर दस ओवर में 102 रन का लक्ष्य दिया।दीपक शर्मा ने 53 रन बनाए। नवग्रह क्लब विजयी रहा।जिसमे गोकुल पुरोहित मेन ऑफ दा मैच रहे। द्वितीय मैच ब्राह्मण विनर्स व श्याम क्लब के बीच हुआ। श्याम क्लब ने बलेबाजी करते हुए 109 रन का लक्ष्य दिया। ब्राह्मण विनर्स विजेता रहा। मेन ऑफ दा मैच मनमोहन उपाध्याय रहे। तीसरा मैच परशुराम वॉरियर्स व ब्रह्मास्त्र के बीच रहा, पहले बल्लेबाजी करते हुए ब्रह्मास्त्र ने 38 का लक्ष्य दिया। परशुराम वॉरियर्स विजयी रहा। मेन ऑफ दा मैच केदार दाधीच रहे। चौथा मैच मथुराधीश व परशुराम योद्धा के बीच हुआ, पहले बल्लेबाजी करते हुए मथुराधीश ने 132 का लक्ष्य दिया जिसमे 2 रन से मथुराधीश ने मैच जीता मेन ऑफ दा मैच नितिन काकड़ा रहे।

ग्रामीणों की समस्याएं सुनी और शीघ्र निस्तारण के लिए किया आश्वस्त

अरांई,(निसं)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी शनिवार को अराई दौरे पर रहे। कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने अराई क्षेत्र के मोतीपुरा, भामोलाव, डांग, कालातालाब, दादिया, बालापुरा सहित अनेक गांवो का दौरा कर क्षेत्र में विभिन्न परिवारों में गत दिनों दिवगंत हुए परिवारजनों से की मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया और दिवंगतों को श्रद्धासुमन अर्पित कर नमन किया। केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री एवं सांसद भागीरथ चौधरी के अराई पहुँचने पर ग्रामीणों ने अपनी जनसमस्याओं से अवगत करवाया इस दौरान केंद्रीय राज्य मंत्री चौधरी ने ग्रामीणों की विभिन्न समस्याओं के जल्द निस्तारण हेतु आमजन को आश्वस्त किया साथ ही आमजन की समस्याओं का समयबद्ध तरीके से समाधान हो इसके लिए केंद्र और राज्य सरकार संकल्पबद्ध है । इस दौरान अराई मण्डल अध्यक्ष शिवरतन सिंह राठौड़, मण्डल महामंत्री जतन चौधरी, सांवरलाल चौधरी डांग सहित अनेक कार्यकर्ता, ग्रामीणजन उपस्थित रहें।

गौरव अभिमान पुरस्कार 2025 से सम्मानित

ब्यावर (निसं) फ्रेंड्स महिला क्लब कोटा बारां द्वारा आयोजित सम्मान समारोह कार्यक्रम में राजस्थान हरियाणा उत्तर प्रदेश मध्य प्रदेश झारखंड महाराष्ट्र पंजाब उत्तराखंड छत्तीसगढ़ आदि राज्यों के देश भर से आई हुई विभिन्न क्षेत्रों मैं उल्लेखनीय कार्य करने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। जिसमें पुरुष और महिलाएं दोनों ही शामिल थे। सभी को अपने-अपने क्षेत्रों मैं किए गए उनके विशिष्ट कार्यों के लिए,अनवरत सेवा कार्यों और समाज सेवा में किए गए उत्कृष्ट कार्य हेतु सम्मानित किया गया। देशभर से सम्मानित होने वालों मेंब्यावर निवासी पूर्व पार्षद समाजसेवी मनीष व्यास को सम्मान समारोह में उनके द्वारा सामाजिक क्षेत्रों में किए गए उल्लेखनीय कार्यों व रक्तदान के लिए मेडल,प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह देकर अंतर्राष्ट्रीय गौरव अभिमान पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष-अंतर्राष्ट्रीय अठावाल चेतना शक्ति सम्मेलन मथुरा उत्तर प्रदेश, अजय मेहरा जिला उपाध्यक्ष अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ कोटा, फ्रेंड्स महिला क्लब अध्यक्ष सपना गोयल आदि उपस्थित थे।

विजयगाथा गौरव की तिरंगा वाहन रैली आज

मदनगंज-किशनगढ़,(निस)। लॉयन्स क्लब क्लासिक की और से रविवार को प्रात: 8 बजे आर के कम्युनिटी सेंटर से महेश विहार तक तिरंगा रैली निकाली जायेगी। लॉयन्स क्लब इंटरनेशनल प्रान्तपाल लॉयन श्यामसुन्दर मंत्री ने बताया कि वर्तमान सत्र 30 जून को समाप्त हो रहा है, प्रान्त का ध्येय सेवा और संस्कार है। 29 जून तिरंगा रैली के साथ इस वर्ष में सेवा और संस्कार के अधिक कार्य करने वाले क्लब सहित लॉयन बन्धुओं को सम्मानित करने के लिये अवार्ड समारोह 29 जून को महेश विहार में आयोजित किया जायेगा।अतिरिक्त सचिव मनोहर पारीक ने बताया की क्लब का मुख्य सेवा कार्य नेत्र रोगियों का उपचार, स्वास्थ्य शिविर, मधुमेह जागरूकता, पर्यावरण संरक्षण, पीस पोस्टर प्रतियोगिता, आपदा राहत, भूखमरी से राहत मातृशक्ति को प्रोत्साहन, बच्चों के केन्सर का संरक्षण आदि है।संयोजक अमित अग्रवाल ने बताया कि प्रान्तपाल श्यामसुन्दर मंत्री ने इस सत्र में भारतीय संस्कृति एवं संस्कार निर्माण के कार्यों को प्रमुखता दी। प्रेस वार्ता में सचिव रमाकान्त काबरा, रोहीत मेहता, पदम जैन उपस्थित रहे।

बामणिया बालाजी धाम में राज्य मंत्री ओमप्रकाश भडाणा ने किया वृक्षारोपण

नसीराबाद, (निसं)। भाजपा के पर्यावरण संरक्षण अभियान के तहत बामणिया बालाजी धाम मंदिर परिसर में भव्य वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष और राज्य मंत्री ओमप्रकाश भडाणा ने बालाजी महाराज के दर्शन कर तालाब की पाल पर पौधारोपण किया और उपस्थित श्रद्धालुओं तथा कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक वृक्ष लगाने का आ ान किया। मंत्री भडाणा ने कहा कि वृक्ष हमारी धरती के फेफड़े हैं। तेजी से घटते वन क्षेत्र और बढ़ते प्रदूषण के बीच हर नागरिक की जिम्मेदारी हैं।

MANAPPURAM FINANCE LTD.
CIN : L65910KL1992PLC006623
Registered Office: W - 4/ 638A, Manappuram House, P.O. Valapad, Thrissur - 680 567, Kerala, India

निलामी सूचना

विशेषकर गिरवीकर्ताओं और सामान्य रूप में जनता को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अकाउंट्स में रखे गए सोने के आभूषणों की सार्वजनिक नीलामी निम्नलिखित शाखाओं पर दिनांक 16.07.2025 को सुबह 10.00 बजे से किया जाएगा. हम ऐसे डिफॉल्टर ग्राहकों के सोने के आभूषणों की नीलामी करने जा रहे हैं जिन्होंने रजिस्टर्ड पत्र द्वारा सूचित किए जाने के बावजूद अपने लोन की रकम नहीं चुकाई है. जिन आयटम्स की नीलामी नहीं हो पाएगी, उनकी नीलामी किसी अन्य दिन बिना पुन: सूचना दिए की जाएगी. नीलामी के स्थान व तिथि (अगर कोई हो) में परिवर्तनों की कोई सूचना नीलामी केन्द्र या वेबसाइट पर लगाई जाएगी तथा इस बारे में कोई अन्य सूचना नहीं दी जाएगी.

गिरवियों की सूची :
अजमेर, मदनगंज कृष्णगढ़, 111760700024586, 4613, 4627, 4628, 111760730066075, 6077, 6103, 6107, 6135, 6178, 6179, 6194, 6195, 6196, 6197, 6198, 6199, 6200, 6209, 6271, 6277, 6278, पीआर मार्ग अजमेर, 125030730031618, 1644, 1648, 1665, 1667, 1677, 1681, 1702, रामगंज अजमेर, 111700700022106, 2142, 111700730033258, 3423, 3425, 3426, 3436, 3481, 3489, 3513, 3532, 3533, 3535, ब्यावर, ब्यावर, 135510730043295, 3358, 3364, 3365, 3366, 3379, 3450, 3451, 3456, 3478, 3508, 3509, 3510, भीलवाडा, गांधी नगर भीलवाडा, 116480730021250, 1285, 1389, 1407, 1410, 1416, 1471, 1473, 1502, 1667, 1693, 1775, 1796, 1859, 1863, 1867, 1868, 1869, 1907, 1966, 2014, 2021, 2051, 2131, 2147, शास्त्री नगर भीलवाड़ा, 116360700019745, 9753, 9796, 9799, 9816, 116360730018661, 8753, 8794, 8808, 8828, 8879, 8932, 9079, 9105, 9117, 9121, 9145, 9147, 9156, 9160, 9161, 9189, 9204, 9205, 9206, 9208, 9214, 9216, 9249, 9255, 9258, 9260, 9275, 9280, 9295, 9331, 9345, 9347, 9349, सुभाष नगर भीलवाडा, 116390700027020, 116390730041323, 1367, 1421, 1451, 1466, 1480, 1515, 1516, 1517, 1518, 1519, 1520, 1522, 1541, 1564, 1589, 1612, 1637, 1646, 1785, 1818,

उपरोक्त नीलामी में भाग लेने के इच्छुक व्यक्तियों को निम्नलिखित का पालन करना होगा:- इच्छुक बोलीकर्ताओं को ईएमडी के रूप में रू.10,000/- नीलामी के दिन नकद जमा कराना होगा (असफल बोलीकर्ताओं को बाद में लौटा दिया जाएगा). बोलीकर्ता को वैध पहचना प्रमाण/पैन कार्ड साथ लेकर आना होगा. अधिक जानकारी के लिए कृपया 8089292353 पर संपर्क करें.

अधिकृत अधिकारी
मणप्पुरम फायनेंस लि. हेतु.

देवनानी के निर्देश, नगर निगम होटलों और गेस्ट हाऊस की सूची तुरंत वेबसाईट पर जारी करें

- नए व्यवसायिक निर्माणों के पूर्ण होने पर ही अब मिलेंगे बिजली-पानी के कनेक्शन
- गांधी भवन सार्वजनिक पुस्तकालय के उन्नयन के लिए विभाग को भेजा प्रस्ताव
- देवनानी ने निगम और एडीए अधिकारियों की समीक्षा बैठक

अजमेर, (कासं)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने होटल अग्निकांड के बाद नगर निगम को दिएनिर्देश के मुताबिक अब शहर के होटलों व गेस्ट हाऊस की सूची को अविलम्ब ऑनलाइन जारी करने के सख्त निर्देश दिए। साथ ही अब शहरी क्षेत्र में नए व्यवसायिक निर्माणों के पूर्ण होने पर ही बिजली व पानी के कनेक्शन जारी करने के निर्देश दिए। गांधी भवन सार्वजनिक पुस्तकालय के उन्नयन के लिए प्रस्ताव भी विभाग को भेज दिया गया है।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शनिवार को सर्किट हाउस में नगर निगम और अजमेर विकास प्राधिकरण के अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने होटल नाज अग्निकांड के बाद हुए सर्वे के आधार पर होटलों व गेस्ट हाउस की सूची अविलम्ब ऑनलाइन जारी करने के निर्देश दिए। जिससे की पारदर्शिता के साथ ही सुरक्षा मानकों के मापदण्डों की जानकारी सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हो सके। इसके अलावा उन्होंने निर्देश दिए कि परकोटा क्षेत्र एवं इसके बाहर बन रहे नए होटल निर्माण, गेस्ट हाउस व व्यवसायिक निर्माण को बिजली-पानी कनेक्शन तभी दिए जाए जब नगर निगम से पूर्णतया प्रमाण पत्र जारी हो।

उन्होंने बताया कि गांधी भवन में लाइब्रेरी उन्नयन का प्रस्ताव भी संबंधित विभाग को भेज दिया गया है और जल्द ही इस पर काम शुरू हो जाएगा। इसकी डिजाइन इस तरह बनाई जाएगी कि सैकड़ों विद्यार्थी एक साथ बैठकर वहां अध्ययन कर सकें। बच्चों, युवाओ और बुजुर्गों के लिए अध्ययन की पूर्ण व्यवस्था हो। लोगों में रीडिंग हैबिट विकसित करने के लिए काम किया जाए।

देवनानी ने शहर के सभी नालों की सफाई सहित निर्माणाधीन नालों के कार्य प्रगति की भी समीक्षा की। शहर में कई जगहों पर सीवरेज के ओवरफ्लो होने की शिकायत पर अधिकारियों को सख्त लहजे में निर्देश दिए कि इस तरह की शिकायतें अब नहीं आनी चाहिए क्योंकि बारिश का दौर शुरू हो चुका है और इस तरह की लापरवाहियां बडे हादसे का कारण बन सकती है।

इस अवसर पर जिला प्रशासन, नगर निगम एवं एडीए के अधिकारी उपस्थित रहे। विधानसभा अध्यक्ष ने रेजीडेंट चिकित्सकों से मुलाकत कर उचित कार्यवाही का दिया आश्वासन - उदयपुर मेडिकल कॉलेज में हादसे का शिकार हुए डॉ. रवि शर्मा के परिजनों को आर्थिक सहायता व अन्य मांगों को लेकर कार्य बहिष्कार पर चल रहे अजमेर के रेजीडेंट चिकित्सकों के दल ने जेएलएन प्राचार्य डॉ. अनिल सामरिया की उपस्थिति में विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से मुलाकात की। देवनानी ने पूरी घटना की विस्तृत जानकारी लेने के बाद रेजीडेंट चिकित्सकों के दल को आश्वासत किया कि वे इस पूरे प्रकरण में न्यायसंगत कार्यवाही के लिए मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा से बात करेंगे। उन्होंने इस प्रकरण में उदयपुर कलेक्टर से भी बात कर पूरी घटना की जानकारी ली। अजमेर के रेजीडेंट चिकित्सकों ने देवनानी से मुलाकात के बाद विश्वास दिलाया कि वे शनिवार शाम से ही लौट जाएंगे।

गुरूवर्या पुष्प-राज का मणिपुंज में हुआ भव्य मंगल प्रवेश

अजमेर, (कासं)। शताब्दी गौरवान्विता राजस्थान सिंहनी महाश्रमणी गुरूमाता महासती श्री पुष्पवती जी (माताजी) म.सा., उपप्रवर्तिनी मरूधरा शिरोमणि सदगुरूवर्या डॉ. श्री राजमती जी म.सा. आदि ठाणा-7 का चातुर्मास के लिए भव्य मंगल प्रवेश मणिपुंज सेवा संस्थान, बी के कौल नगर में हुआ। महासती वृन्द ने सज्जन राज कांठेड के निवास स्थान से सैकड़ों श्रावक-श्राविकाओं एवं गुरू भक्तो के साथ अहिंसा धर्म की जय-जयकार के उदघोष के साथ विहार यात्रा प्रारंभ की। अजमेर के समस्त श्री संघ, भीलवाड़ा, सादड़ी, मुम्बई, मसूदा, जयपुर, ब्यावर, पुष्कर, हैदराबाद, बस्सी, मकराना, विजयनगर आदि क्षेत्रों से गणमान्य श्री संघों के पदाधिकारीगण, ट्रस्ट मण्डल एवं धर्मनिष्ठ श्रावक-श्राविकाओं ने सात्विक हर्षपूर्वक पावन वर्षावास की अनुमोदना की।शोभा यात्रा मणिपुंज में पहुंचकर धर्म सभा में परिवर्तित हुई।

उपप्रवर्तिनी सदगुरूवर्या डॉ श्री राजमती जी म.सा. ने फरमाया कि चातुर्मास आध्यात्मिक जीवन जीने की राह दिखाता है। इसके पीछे असंख्य जीवों के प्रति रक्षा और करुणा का भाव जाग्रत करने का भाव निहित है। जप-तप, विनय वैयावच्च, स्वाध्याय आदि की प्रेरणा महासती जी ने प्रदान करते हुए संघ के प्रत्येक सदस्य को धर्म के लिए समर्पित रहने का सन्देश दिया। साध्वी डॉ राजरश्मि जी म सा ने फरमाया कि अजमेर की पुण्य धरा पर पूज्या गुरूवर्या श्री का आठवां चातुमार्स होने जा रहा है। अध्यात्म एवं पवित्र गुणों से इस क्षेत्र को लाभान्वित करने का हर संभव प्रयास किया जायेगा। श्रावक-श्राविकाएं राग-द्वेष की परतों को उखाड़ते हुए आगम वाणी का श्रवण करने का लक्ष्य रखावें। साध्वी डॉ. राजऋद्धि जी म.सा. ने विभिन्न क्षेत्रों के इतिहास एवं गुरूवर्या श्री के चातुर्मास की विशेषताओं का उल्लेख किया। मंच संचालन करते हुए उन्होंने त्याग-तप की प्रेरणा भी प्रदान की।

NAME CHANGE

I Kusumalata Mother's of Army No.18000829W, HAV, Chandra Kant Chaurasiya Residing at Umari, Bhind, M.P. 477331 have change my Name from Kushum Lata Chaurasiya to Kusumalata at court campus Nasirabad

काँवलास में निशुल्क नेत्र लेंस प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन

आसींद, (निसं)। शनिवार को आसींद कावलास में जिला स्वास्थ्य समिति की प्रशासनिक अनुमति एवं आर्थिक सहयोग से तथा पूर्व प्रधान पंचायत समिति आसींद भाग चंद गुर्जर के सौजन्य से गोमाबाई नेत्रालय भीलवाड़ा द्वारा निशुल्क मोतियाबिंद जांच के नेत्र लेंस प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर आयोजन करता सीमा माधव गुर्जर ने जानकारी देते हुए बताया कि शिविर में 142 मरीज आए जिसमें से 22 मरीज का भीलवाड़ा ऑपरेशन होगा शिविर में सभी नेत्र रोगियों की नजर चश्मा काला पानी मोतियाबिंद, नासूर,पर्दे की बीमारी आदि जांच निशुल्क की गई तथा प्रशिक्षण के पश्चात विभिन्न प्रकार के ऑपरेशन योग्य मरीज को चिन्हित के ऑपरेशन की सलाह दी गई तथा काँवलास सरपंच सीमा माधव गुर्जर ने बताया कि आपरेशन योग्य मरीजों को नेत्रालय में लाने में छोड़ने की व्यवस्था नि:शुल्क रहेगी।

कांग्रेस की वापसी होगी : गोविंद सिंह डोटासरा

ब्यावर (निसं)राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और नेता विपक्ष टीकाराम जूली का टोल नाके पर ऐतिहासिक स्वागत और अभिनंदन हुआ। शनिवार को प्रातः कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा और टीकाराम जूली जोधपुर में आयोजित संविधान बचाओ सभा में सम्मिलित होने जयपुर से जोधपुर जाते वक्त ब्यावर पहुँचे। कांग्रेस जिला प्रवक्ता अजय शर्मा ने बताया कि इस अवसर पर आज प्रातः से ही टोल नाके पर उत्सव का माहौल था। कांग्रेस कार्यकर्ताओं और महिलाओं का हुजूम कांग्रेस नेताओं के स्वागत में उमड़ पड़ा। महिलाओं ने नेताओं के आगमन पर तेजल सुपर डुपर गाने पर जमकर नृत्य भी किया और उत्साहवर्धक लोकगीत भी गाए। ज़िला प्रवक्ता अजय शर्मा ने बताया कि इस अवसर पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं के उत्साह को देखकर प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा ने कहा कि कांग्रेस राज की ज़बरदस्त वापसी होगी क्योंकि राजस्थान की जनता बीजेपी की पर्ची सरकार से बुरी तरह हताश और निराश हो चुकी है। जनता अब कांग्रेस के जनहितकारी कार्यक्रमों को याद कर रही है। उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर आगामी निकाय चुनावों की तैयारियों में जुट जाने को कहा।इस अवसर पर कपासन विधानसभा प्रभारी आशीषपाल पदावत, पूर्व सभापति मुकेश सोलंकी, शान्ति डाबला, पूर्व पार्षद शोभा चौधरी, जवाजा ब्लॉक अध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह लोटियाना, जिला महासचिव अज़मत काठात, ज़िला सचिव अभिषेक जैन, रवि डंडायत, महिला ज़िलाध्यक्ष इशिका जैन, मण्डल अध्यक्ष महेन्द्र सामरिया, हुसैन मोहम्मद, पृथ्वीराज गहलोत, राम यादव, हिमान्शु शर्मा, सिकन्दर काठात, हरिराम मेघवाल, प्रहलाद गुर्जर, सुमित बंसल, खरवा सरपंच दिनेशपाल पदावत, देवपुरा सरपंच शमीम, भरत जसोलपुरा, राजेश व्यास, समंदर सिंह, हीरालाल तेली, अजीत पठान, अशरफ़ काठात, दरियाव ठीकराना, बृजवल्लभ पाराशर, मोहन लाल पाटोदिया, रोहित गोयल, अजय मूंदड़ा, गोपाल डाणी, अनिल शर्मा स्वास्तिक, वृतंजय आर्य, प्रहलाद सेन, दीपक सामरिया, ब्रजराज बोहरा, अशोक पंवार, दिलीप सोलीवाल, ललित सोनी, कमल शर्मा, गोपाल शर्मा, योगेश पंचोली, पंकज बोहरा, राहुल सामरिया, मदनमोहन त्रिपाठी, श्याम यादव, मेघराज बोहरा, महबूब काठात, बशीर भाई, बलबीर चीता, भैरूभाई राव, संजय शर्मा, चिराग़ राय शर्मा, महेन्द्र चौधरी देलवाड़ा, शहाबुद्दीन, विनीत शर्मा, चेतन वैष्णव, ज़ाकिर पठान, रज़्ज़ाक़ भाई, याकूब काठात, बाबू खान सहित सैकड़ों कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।

कार्यालय अजमेर विकास प्राधिकरण,अजमेर
मूल आवंटी/अन्तरिति की मृत्यु पर उत्तराधिकारियों द्वारा निष्पादित पंजीकृत हक त्याग पत्र के आधार पर नामान्तण हेतु आम सूचना का प्रारूप
आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की ग्राम घूघरा योजना के आवासीय भूखण्ड संख्या 15 खसरा नं. 327 क्षेत्रफल 237.50 वर्गगज के आवंटी/अन्तरिति स्व. श्रीमती जसबीर कौर पत्नि स्व. अमरजीत सिंह छाबड़ा निवासी 986/32 अलवर गेट अजमेर की मृत्यु दिनांक 21/4/2022 को होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र व सजरा रिपोर्ट सलंग्न कर मृतक के वारिसों क्रमश: 1. पायल छाबड़ा पुत्री स्व. अमरजीत सिंह छाबड़ा पत्नि पीयूष दीप सिंह(इन्दौर) 2.हरमीत सिंह छाबड़ा पुत्र स्व. अमरजीत सिंह छाबड़ा निवासी 986/32 अलवर गेट अजमेर द्वारा अपने सहहिस्सेदार 1.हरमीत सिंह छाबड़ा पुत्र स्व. अमरजीत सिंह छाबड़ा निवासी 986/32 अलवर गेट अजमेर के पक्ष में निष्पादित पंजीकृत हक त्याग पत्र दिनांक 17/05/2022 के आधार पर नामान्तरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है उक्त नामान्तरण किये जाने के संबंध में किसी को आपत्ति होतो सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर आपत्ति प्राधिकरण में दर्ज करावें। उक्त नियत अवधि पश्चात कोई स्वीकार आपत्ति स्वीकार योग्य नहीं होगी व आवेदकों के नाम नामान्तरण की कार्यवाही की जा सकेगी।

योजना प्रभारी अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

प्राधिकृत अधिकारी का कार्यालय- नगर परिषद केकड़ी-राजस्थान
क्रमांक-नपके/कृ.भू.रू./2025-26/1228 **लोक सूचना** दिनांक : 28.06.2025

श्री कन्हैया लाल भगतानी पुत्र श्री खूबचंद भगतानी, कमल भगतानी पुत्र देवन कुमार, श्रीमती कविता भगतानी पत्नी चेतन भगतानी, देवन कुमार भगतानी पुत्र श्री खूबचंद भगतानी, पुरूषोत्तम दास भगतानी पुत्र श्री खूबचंद भगतानी, मुकेश भगतानी पुत्र श्री देवन कुमार भगतानी समस्त जाति सिंधी निवासीगण केकड़ी जिला अजमेर ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर-कृषि(अकृषि) प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है-

जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा सं.	क्षेत्रफल
अजमेर-केकड़ी	राजस्व ग्राम केकड़ी	10617/4261, 10618/4261	4090 व.मी. में से 2801.52 व.मी. 510 व.मी.
			कुल 3311.52 व.मी.

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 10 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जावेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जावेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 28.06.2025 को जारी की गयी ।

प्राधिकृत अधिकारी

मंत्री सुरेश सिंह रावत ने तबीजी स्थित पशु आहार संयंत्र का निरीक्षण किया

- पौधारोपण कर दी हरित संदेश की सौगात

अजमेर, । राजस्थान सरकार के जल संसाधन मंत्री एवं पुष्कर विधायक सुरेश सिंह रावत ने शनिवार को अपने विधानसभा क्षेत्र के ग्राम तबीजी, अजमेर में स्थित पशु आहार संयंत्र का दौरा किया। उन्होंने संयंत्र परिसर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा संयंत्र के कार्यों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान मंत्री रावत ने संयंत्र से तैयार हो रहे पशु आहार की गुणवत्ता और समयबद्ध आपूर्ति के संबंध में अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि - किसानों और पशुपालकों को गुणवत्तायुक्त पशु आहार उनकी आवश्यकतानुसार समय पर मिले। यह सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस दिशा में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।' मंत्री रावत ने कहा कि प्रदेश सरकार गांव, किसान और पशुपालक के समग्र विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। पशु आहार संयंत्र जैसे संस्थान ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और इनकी सक्रियता से ही दुग्ध उत्पादन और पशुधन की गुणवत्ता में सुधार संभव है। इस दौरान केटल फीड प्लांट की एमडी डॉ निधिका जोशी ने सुरेश रावत को प्लांट की जानकारी दी। केटल फीड प्लांट की व्यवस्थाओं से रावत सतुष्ठ नजर आए। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष राजेश शर्मा, भोलाराम गुर्जर, अरविंद शर्मा, सरपंच राजेंद्र गैना, हरिकिशन जाट, जगदीश सिंह रावत, राजेश परोड़ा, रामसरूप चौधरी सहित अधिकारी एवं किसान बंधुजन उपस्थित रहे।

समाजसेवा का गौरव

अजमेर, (कासं)। राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान को सामाजिक सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए 29 वें राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह में सम्मानित किया गया।यह सम्मान प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा प्रदान किया गया। संस्था विगत 33 वर्षों से शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, सतत आजीविका तथा पर्यावरण संरक्षण जैसे विविध क्षेत्रों में सक्रिय रूप से कार्य कर रही है। समाज के वंचित वर्गों के लिए किए गए इनके सतत प्रयासों ने संस्था को यह राज्य स्तरीय मान्यता दिलाई है। समारोह में संस्थान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. एस. एन. शर्मा ने पुरस्कार ग्रहण किया। और इसे संस्था के लिए गौरवपूर्ण क्षण बताया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान संस्था के समर्पित कार्यकर्ताओं, सहयोगियों और समाज के प्रति हमारी निरंतर प्रतिबद्धता का प्रतीक है। राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान निरंतर समाज सेवा के पथ पर अग्रसर है और भविष्य में भी अपनी सेवाएं और दायित्वों को और अधिक प्रभावी रूप से निभाने के लिए प्रतिबद्ध है।

कार्यालय आवासीय अभियन्ता, राजस्थान आवासन मण्डल, अजमेर
क्रमांक: 535 **जाहिर आम सूचना** दिनांक: 27/06/2025

राजस्थान आवासन मण्डल आवास संख्या 3/86, पंचशील शहर, अजमेर में श्रीमती कलावती माथुर पत्नी श्री कपिल माथुर को आवंटित कर दिनांक 15.07.2009 को आवास का भौतिक कब्जा सौंपा गया था। श्रीमती कलावती माथुर पत्नि श्री कपिल माथुर द्वारा दिनांक 16.11.2009 को उप पंजीयक कार्यालय द्वारा उक्त आवास का पंजीयन करवा लिया गया। उक्त आवास संख्या 3/86, पंचशील शहर, अजमेर को केनेरा बैंक द्वारा सरफेसी एक्ट के तहत कब्जा प्राप्त कर जरिये नीलामी के श्री आशीष जोशी पुत्र श्री हरीशचन्द जोशी को दिनांक 16.05.2003 को जरिये पंजीकृत विक्रय पत्र के वेचान करते हुये कब्जा सुपुर्द कर दिया गया। जो कि पंजीयन विभाग की पुस्तक संख्या 01 जिल्द संख्या 2192 में पृष्ठ संख्या 122 क्रम संख्या 202303001104441 पर पंजीबद्ध किया गया। तथा अतिरिक्त पुस्तक संख्या 01 जिल्द संख्या 5762 के पृष्ठ संख्या 398 से 407 पर दिनांक 16.05.2023 को चस्पा किया गया है। अब श्री आशीष जोशी पुत्र श्री हरीशचन्द जोशी ने उक्त आवास से संबंधित विक्रय चैनल प्रस्तुत कर स्वयं के नाम दोहरा पंजीयन उपरांत नाम हस्तान्तरण करने हेतु प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है। श्री आशीष जोशी पुत्र श्री हरीशचन्द जोशी का नाम मण्डल रिकॉर्ड में प्रतिस्थापन की कार्यवाही विचाराधीन है। अतः उक्त कार्यवाही से किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो इस जाहिर आम सूचना की विज्ञप्ति के प्रकाशन के 10 दिवस में अपनी उजरदारी/आपत्ति मय सबूत एवं पहचान के दस्तावेज के साथ इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद मियाद गुजरने पश्चात कोई आपत्ति स्वीकार नहीं होगी, नाम प्रतिस्थापन की अग्रिम कार्यवाही सम्पादित कर दी जावेगी।

सहायक प्रशासनिक अधिकारी,राजस्थान आवासन मण्डल, खण्ड-अजमेर

कार्यालय ग्राम पंचायत बडु पंचायत समिति परबतरसर(डीडवाना-कुचामन)
क्रमांक -ग्रा.पं./2025-26/26 दिनांक: 18.06.2025

ई-निविदा सूचना संख्या 01/2025-26

ग्राम पंचायत बडु पंचायत समिति परबतसर के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 में मनरेगा में ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग की अन्य योजनाओं में कराये जाने वाले निर्माण कार्यों के लिए निर्माण सामग्री की आपूर्ति हेतु सक्षम श्रेणी के संवेदकों को विनिर्माताओं से ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबपोर्टल www.sppp.rajasthan.gov.in व www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। निविदाएं निर्धारित दिनांक को उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष क्रय समिति द्वारा खोजी जायेगी।

NIB NO:- ZNR2526A0484
UBN NO:-ZNR2526GLRC00574

ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत बडु, पं.स. परबतसर
सरपंच, ग्राम पंचायत बडु, पं.स. परबतसर

अजमेर सांख्यिकी दिवस पर जिला स्तरीय सेमिनार आज

अजमेर, (कासं)। प्रोफेसर प्रशांतचन्द्र महालनोबिस द्वारा सांख्यिकी क्षेत्र में दिये गये महत्वपूर्ण योगदान के उपलक्ष्य में उनकी जयंती पर 19वां सांख्यिकी दिवस समारोह कार्यशाला के रूप में रविवार को सुबह 9.30 बजे से होटल विवान पीनेकल, जिला कलेक्ट्रेट के पीछे,अजमेर में आयोजित किया जायेगा।

आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के संयुक्त निदेशक फूल सिंह ने बताया किइस वर्ष का सांख्यिकी दिवस '75 वर्ष नेशनल सेम्पल सर्वे विषय पर आयोजित किया जायेगा, जिले एवं ब्लाक के प्रकाशनों का विमोचन किया जायेगा।

रावत राजपूत महासभा की प्रदेश कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह

ब्यावर (निसं) राजस्थान रावत राजपूत महासभा की नव निर्वाचित और नवनियुक्त प्रदेश कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह 29 जून को प्रात: 11 बजे आनंद जन परमार्थ संस्थान भीम में रखा गया है।प्रदेश वरिष्ठ महामंत्री डॉ वीपी सिंह काछ्बली ने बताया कि नवगठित प्रदेश कार्यकारिणी का रजिस्ट्रेशन सहकारिता विभाग में करवाया जा चुका है। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भीम विधायक हरि सिंह रावत होंगे जबकि अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट लक्ष्मण सिंह पंवार करेंगे। सभी पूर्व अध्यक्ष विशिष्ट अतिथि के रूप मे शामिल होंगे। इसमे देश के सभी राज्यों में स्तिथ विभिन्न शाखाओं जयपुर, उदयपुर, भीलवाड़ा, पाली, दिल्ली, जोधपुर,अजमेर, अहमदाबाद, गांधीनगर, गांधीधाम, बड़ौदा, सूरत,पाटन, पालमपुर, हैदराबाद, चेन्नई ,बंगलुरु, मुंबई, गोवा सहित मगरा,मारवार,मेवाड़ की 200 से अधिक शाखा सभा और सर्कल सभा के अध्यक्ष और प्रतिनिधि भाग लेंगे। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए कार्यक्रम संयोजक और प्रदेश सलाहकार फतेह, ठाकुरसिंह कलालिया, महासभा प्रदेश संयोजक छितरसिंह सूजावत, प्रदेश मंत्री महेंद्रसिंह,भीम संभाग अध्यक्ष डाउसिंह सूजावत,नवयुवक मंडल प्रदेश संयोजक भगवत, युवा प्रदेश उपाध्यक्ष लोकेश, घनश्याम, गोपाल, आदि की टीम तैयारी में जुटी है।

विकास ही हमारा संकल्प है : भदेल

- 3 करोड़ 98 लाख की लागत से अविनाश माहेश्वरी स्कूल से सांसी बस्ती तक नाले के निर्माण कार्य किया शिलान्यास

अजमेर, (कासं)। अजमेर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में विकास की गति को निरंतर बनाए रखते हुए विधायक श्रीमती अनिता भदेल ने शनिवार को वार्ड नं. 23 एवं 25 में रेगर बस्ती भेरु जी मंदिर के पास, भगवानगंज मध्य स्थित अविनाश माहेश्वरी स्कूल के पीछे से लेकर सांसी बस्ती की पुलिया तक प्रस्तावित आरसीसी नाले के निर्माण कार्य का विधिवत पूजा-अर्चना कर शिलान्यास किया। इसकी लागत 3 करोड़ 98 लाख है, जो क्षेत्र की वर्षों पुरानी जलभराव की गंभीर समस्या का स्थायी समाधान करेगी। यहाँ कुछ समय पहले ही लोगो की सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए सामुदायिक भवन का निर्माण किया गया था।

शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान विधायक भदेल ने कहा कि यह क्षेत्र पिछले कई वर्षों से वर्षा ऋतु में जलभराव की समस्या से त्रस्त रहा है। पक्के नाले की व्यवस्था नहीं होने के कारण हर मानसून में क्षेत्रवासियों के घरों में पानी भर जाता था, जिससे जनजीवन अस्त-व्यस्त हो जाता था। गंदगी, दुर्गंध, बीमारियाँ और आवाजाही की समस्याएं इस क्षेत्र के निवासियों के लिए आम बात हो गई थीं। उन्होंने बताया कि जनता की इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने राजस्थान के मुख्यमंत्री से आग्रह कर दक्षिण विधानसभा के लिए कुल 44 करोड़ की नाला निर्माण योजना को बजट में सम्मिलित करवाया। भदेल ने कहा कि हमारा संकल्प है, जनता को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना और समस्याओं का स्थायी समाधान करना। इस नाले के निर्माण से ना केवल जलभराव की समस्या से निजात मिलेगी, बल्कि आसपास की सड़कों और गलियों की सफाई, स्वच्छता और सुलभता भी सुनिश्चित होगी। अपने उद्बोधन में विधायक भदेल ने बताया कि दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न वार्डों में लगातार विकास कार्य किए जा रहे हैं। हाल ही में सीता गौशाला से गंगा माता मंन्दिर तक सड़क का निर्माण कार्य एवं 64 लाख रुपये की लागत से शहीद भगत सिंह मार्ग से चन्द्रवरदाई नगर सी ब्लॉक से सोमपुर रोड तक सडक नवीनीकरण का शिलान्यास किया गया। भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन वाली सरकार, केंद्र और राज्य दोनों स्तरों पर मिलकर विकास कार्यों को प्राथमिकता दे रही है।

अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर
टोडरमल लेन, सिविल लाईन्स, अजमेर, Email :- ajmerada@gmail.com, Website :- www.rajasthan.gov.in/ada, Tel.No. :- 0145-2627748-2627749

ई-नीलामी में अमानत राशि जमा एवं बोली दिनांक 27.06.2025 से से लगाई जा सकती है।
भूखण्डों की ई-नीलामी दिनांक 02.07.2025 से 31.07.2025

121 आवासीय,व्यावसायिक, आवासीय मय व्यावसायिक एवं रिसोर्ट भूखण्ड
पूर्ण भुगतान के लिए 180 दिवस का समय, 15 दिवस में पूर्ण राशि जमा कराने पर 2 प्रतिशत की छूट देय है।

02 इन्द्रा कॉम्पलेक्स शॉप्स	02 बकरा मण्डी व्यावसायिक भूखण्ड	15 जे, पी, नगर, आवासीय भूखण्ड
02 कोटडा आवासीय भूखण्ड	28 महाराणा प्रताप नगर आवासीय भूखण्ड	33 चन्द्रवरदाई नगर आवासीय भूखण्ड
02 हरिभाऊ उपाध्याय नगर मुख्य आवासीय भूखण्ड	06 हरिभाऊ उपाध्याय नगर मुख्य आवासीय मय व्यावसायिक भूखण्ड	01 हरिभाऊ उपाध्याय नगर विस्तार आवासीय भूखण्ड
22 पृथ्वीराज नगर आवासीय भूखण्ड	03 पृथ्वीराज नगर व्यावसायिक भूखण्ड	01 ट्रांसपोर्ट नगर व्यावसायिक भूखण्ड
01 गणेश गुवाडी आवासीय भूखण्ड	02 सूरजकुण्ड रिसोर्ट भूखण्ड	01 हरिभाऊ उपाध्याय नगर मुख्य व्यावसायिक भूखण्ड

भूखण्डों की अधिक जानकारी के लिए कॉल करे:- 6378528215
ऑनलाईन नीलामी के प्रक्रिया के बारे में कॉल करे:- 9571622903/9269681471
टोडरमल लेन, सिविल लाईन्स, अजमेर- 305001
राज.संवाद/सी/25/5165

शराब ठेकेदार के हत्यारों को पकड़ने के लिये पुलिस ने फायरिंग की, चार बदमाश घायल

शराब ठेकेदार सुनील उर्फ टूल्ली की गोली मारकर हत्या मामले का पर्दाफाश, चार बदमाशों को गिरफ्तार किया

- पुलिस मुठभेड़ में बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग की, जवाबी कार्रवाई में चारों बदमाश घायल हो गये
- गत मंगलवार को दो बाइकों पर सवार होकर आए चार बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया था, मुख्य आरोपी कृष्ण पहलवान फरार
- पुलिस ने 27 जिंदा राउंड 9 एमएम, एक खाली मैगजीन मेड इन अमेरिका पिस्टल भी बरामद की
- घटना के मुख्य आरोपी कृष्ण पहलवान ने क्षेत्र में दहशत फैलाने के इरादे से घटना की जिम्मेदारी लेने का वीडियो वायरल किया था

चारों बदमाशों का पुलिस मजूदगी में जिला अस्पताल में उपचार जारी है।

कोटपूतली, (निसं)। कस्बे के अलवर बायपास रोड पर बदमाशों द्वारा दिनदहाड़े गोली मारकर शराब ठेकदार सुनील उर्फ टूल्ली की हत्या करने के मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से विदेशी हथियार भी बरामद किए हैं।

जिला पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यंत ने जानकारी देते हुए बताया कि कृष्ण पहलवान ने अपने साथियों के साथ मिलकर घटना को अंजाम दिया था। हत्या के आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर पुलिस टीमों का गठन किया गया। शुक्रवार रात को मुखबीर से सूचना मिली कि कृष्ण पहलवान अपने साथियों के साथ कार में सवार होकर बानसूर की तरफ आ रहा है, जिसमें मनीष गुर्जर, मनोज मीणा, पवन सैनी और अखिल सैनी साथ है। सूचना पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और हमीरपुर के पास बिजलीघर के सामने कार से बदमाश जंगल की तरफ भागते हुए दिखाई दिए। पुलिस ने इनके पीछे गाड़ी लगाई और जंगल में सर्च किया। इस दौरान आरोपियों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। पुलिस द्वारा जवाबी फायरिंग कार्रवाई करते हुए चार आरोपी मनीष गुर्जर, मनोज मीणा, पवन सैनी, अखिल सैनी को डिटेन किया जिनके पास से 27 जिंदा राउंड 9 एमएम, एक खाली मैगजीन मेड इन अमेरिका पिस्टल भी बरामद की गई है। मुठभेड़ में मनीष गुर्जर, मनोज मीणा, पवन सैनी और अखिल सैनी घायल हो गए, जिसमें दो आरोपियों के पैरों में गोली लग गई और एक आरोपी के पैर को छूकर गोली निकल गई। जिससे तीनों आरोपी घायल हैं, जिनका इलाज जिला अस्पताल कोटपुतली बीडीएम में पुलिस की मौजूदगी में जारी है। सुरक्षा को मध्यनजर रखते हुए अस्पताल में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। हालांकि घटना का मुख्य आरोपी कृष्ण पहलवान अभी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं। एसपी राजन दुष्यंत ने दावा किया है कि पुलिस मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी के काफी करीब हैं जल्द ही उसे भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

जानकारी के अनुसार मंगलवार की दोपहर करीब 12 बजे बालावास के रहने वाले शराब ठेकेदार सुनील यादव उर्फ टूल्ली बानसूर के अलवर बायपास पर टेलर की दुकान पर कपड़े लेने गया था। इसी दौरान बाइक पर सवार होकर आए बदमाशों ने सुनील यादव पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी और मौके से फरार हो गए, जिसमें सुनील यादव की कोटपुतली जिला अस्पताल में मौत हो गई थी। घटना के कुछ देर बाद ही बालावास के रहने वाले कृष्ण पहलवान ने सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट कर सुनील यादव की हत्या की जिम्मेदारी ली थी। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस सतर्क हो गई और एएसपी वैभव शर्मा, डीएसपी कोटपुतली राजेंद्र बुरड़क डीएसपी बानसूर दशरथ सिंह व 6 थाना प्रभारी के नेतृत्व में 4 टीमों का गठन किया गया। जिसमें पुलिस को शुक्रवार रात सफलता मिली है। एक दिन पहले ही शुक्रवार को जयपुर रेंज आईजी अजयपाल लाम्बा ने घटना को लेकर चार बदमाशों पर 50-50 हजार रूपये का इनाम घोषित किया था, मुख्य आरोपी कृष्ण पहलवान पकड़ से दूर है। जिला एसपी राजन दुष्यंत ने बताया कि डीएसटी टीम जिला कोटपूतली बहरोड के कांस्टेबल धर्मेंद्र सिंह व कांस्टेबल मनिंद्र सिंह की अहम भूमिका रही।

संविदाकर्मी ने फांसी लगाकर आत्महत्या की

- भाई ने आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरित करने की रिपोर्ट दी, एयरपोर्ट पर एयर इंडिया में संविदा कर्मचारी के तौर पर कार्य करता था
- आरोप है कि एयर इंडिया के कर्मचारियों और अधिकारियों ने कामकाज के लिए प्रताड़ित कर स्टाफ के सामने खरी-खोटी सुनाई थी

जोधपुर, (कासं)। शहर में एयर इंडिया सर्विसेज लिमिटेड में कार्यरत एक संविदा कर्मचारी ने अपने अधिकारियों और कर्मचारियों की प्रताड़ना से दुखी होकर फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। घटना 24 जून की है और इस बारे में अब एयरपोर्ट थाने में नामजद रिपोर्ट दी गई है। मृतक के भाई ने आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरित किए जाने का आरोप लगाया है। मृतक को अपशब्दों से अपमानित किए जाने का भी आरोप है। पुलिस ने एससीएसटी एक्ट और आत्महत्या दुष्प्रेरण में केस दर्ज किया है। शव को कार्रवाई के बाद परिजन के सुपुर्द कर दिया गया था। इसमें अब अग्रिम जांच की जा रही है।

एयरपोर्ट थानाधिकारी सुरेश चौधरी ने बताया कि सांसी कॉलोनी पांच बत्ती निवासी 24 साल का विजय पुत्र दौलतराम यहां एयरपोर्ट पर एयर इंडिया में संविदा कर्मचारी के तौर पर कार्य करता था। उसने 24 जून को अपने घर में फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली थी। तब शव को कार्रवाई के बाद परिजन के सुपुर्द कर दिया गया था।

थानाधिकारी चौधरी ने बताया कि इसमें अब मृतक के भाई दीपक ने आरोप लगाया कि एयर इंडिया के कर्मचारियों और अधिकारियों जिनमें मदनसिंह राजपुरोहित, कुलदीप भाटी, सोनाराम एवं एक महिला कर्मचारी ने उसे भाई को कामकाज के लिए प्रताड़ित करते हुए स्टाफ के सामने खरी खोटी सुनाई थी। उससे अपशब्दों में बोला गया और नौकरी से तीन माह तक के लिए निलंबित कर दिया गया। स्टाफ के सामने उसे नौकरी से निकाल दिया गया था। इन लोगों की प्रताड़ना से दुखी होकर उसके भाई विजय ने 24 जून को फंदा लगाकर अपनी जान दे दी। प्रकरण दर्ज कर अब जांच की जा रही है। जांच एसीपी पूर्व हेमंत कलाल की तरफ से की जा रही है।

जानलेवा हमले के आरोपी गिरफ्तार

बांसवाड़ा, (निसं)। जमीनी विवाद में जानलेवा हमले के आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। कलिंजरा थानाधिकारी विक्रम सिंह ने बताया कि गत 23 जून को नरेश चन्द्र पुत्र चंपालाल परमार निवासी नौगामा हाल सरपंच ग्राम पंचायत नौगामा ने रिपोर्ट दी कि गांव चौरड़ा तलाई में उसके शामलात खाते की एवं स्वयं की खाताबंदी का खेत है जिस पर वह वर्षों से खेती करते हुए आ रहा है। प्रात: 11 बजे वह अपनी पत्नी संतोष परमार व राजेन्द्र परमार खेत में मक्का के बीज बो रहे थे कि आरोपी दीपक पुत्र सुलेमान, रीशम पत्नी सुलेमान निवासी चौरड़ी तलाई गालियां देते हुए आये और खेती करने से रोकने लगे। विरोध करने पर आरोपी दीपक ने प्रार्थी की पत्नी संतोष के गले में तथा बाबा के लड़के राजेन्द्र के पेट में चाकू से वार कर दिया वहीं रीशम ने प्रार्थी के सिर पर पत्थर मारकर घायल कर दिया। थानाधिकारी ने घटना से तत्काल उच्चाधिकारियों को अवगत कराया एवं पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला के निर्देश पर त्वरित कार्यवाही करते हुए हत्या के प्रयास की धाराओं में मामला दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया गया। इलाज के दौरान राजेन्द्र की मौत होने पर मामले में हत्या की धारा जोड़ दी गयी। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. राजेश भारद्वाज व बागीदौरा वृताधिकारी संदीप सिंह शक्तावत के निकट पर्यवेक्षण में दोनों पक्षों के बीच में होने वाले संभावित विवाद व कानून व्यवस्था बिगड़ने की संभावनाओं को लेकर मामले में पूर्ण निगरानी रखते हुए मृतक राजेन्द्र का पोस्टमार्टम करवाकर सामूहिक प्रयासों से अभियुक्त दीपक पुत्र सुलेमान व रीशम पत्नी सुलेमान को गिरफ्तार किया गया। घटना में प्रयुक्त हथियार बरामद किये गये।

केमिकल से भरा टैंकर पलटा, बड़ा हादसा टला

क्रेन की मदद से पलटे हुये टैंकर को सीधा करवाया।

- टैंकर पलटने से जयपुर-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर तीन घंटे तक यातायात पूरी तरह बाधित रहा
- सूचना पर प्रशासन सहित चार दमकल गाड़ियां, सात हाइड्रो क्रेन, चार एंबुलेंस, सिविल डिफेंस टीम और अन्य राहत दल पहुंचे
- ट्रैफिक को दोसा मोड़ से डायवर्ट किया गया, जबकि कुछ गाड़ियों को मनोहरपुर थाने के सामने से सर्विस रोड की ओर भेजा

मनोहरपुर, (निसं)। थाना क्षेत्र के खोजावाला मोड़ पर शनिवार को एक केमिकल से भरा टैंकर अचानक पलट गया, जिससे बड़ा हादसा होते-होते टल गया। टैंकर पलटने से जयपुर-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर तीन घंटे तक यातायात पूरी तरह बाधित रहा।

घटना की सूचना मिलते ही मनोहरपुर थाना प्रभारी भगवान सहाय मीणा तुरंत मौके पर पहुंचे और मुस्तैदी दिखाते हुए यातायात को रोककर उसे डायवर्ट कराया। सूचना पर प्रशासन सक्रिय हुआ और मौके पर चार दमकल गाड़ियां, सात हाइड्रो क्रेन, चार एंबुलेंस, सिविल डिफेंस टीम और अन्य राहत दल पहुंचे। टैंकर को सीधा करने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया, जो करीब तीन घंटे तक चला। अंतत: टैंकर को खड़ा कर ट्रैफिक को पुन: बहाल किया गया। मौके पर एसडीएम संजीव खेदड़, डीएसपी मुकेश चौधरी, पटवारी राजेन्द्र गुर्जर सहित प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद रहे और हालात पर नजर बनाए रखी।

थाना प्रभारी भगवान सहाय मीणा ने बताया कि ट्रैफिक को दोसा मोड़ से डायवर्ट किया गया, जबकि कुछ गाड़ियों को मनोहरपुर थाने के सामने से सर्विस रोड की ओर भेजा गया। तीन घंटे तक हाइवे पर जाम की स्थिति बनी रही, जाम की कतार लखेर तक पहुंच गई थी। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि एनएचआई द्वारा सड़क की समय पर मरम्मत नहीं करवाने और सड़क के धंसने की वजह से यह हादसा हुआ। टैंकर सड़क किनारे धंसी जगह पर असंतुलित होकर पलट गया। समय पर राहत और बचाव कार्य शुरू होने से किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। हालांकि, केमिकल लीक होने की आशंका को देखते हुए दमकल दल पूरी तरह सतर्क रहा।

स्विफ्ट कार से स्मैक बरामद, तीन युवक गिरफ्तार

हमीरगढ़ पुलिस ने स्मैक बरामद कर तीन युवकों को गिरफ्तार किया।

- यह स्मैक भीलवाड़ा शहर और गुलाबपुरा में बैची जानी थी

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले की हमीरगढ़ थाना पुलिस ने स्विफ्ट कार से 21 ग्राम स्मैक बरामद कर तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। यह स्मैक भीलवाड़ा शहर और गुलाबपुरा में बैची जानी थी।

जानकारी के अनुसार, पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह के आदेश से हमीरगढ़ थाना प्रभारी संजय गुर्जर लोकल स्पेशल एक्ट की कार्रवाई के लिए एनएच 48 चित्तौड़गढ़-भीलवाड़ा हाइवे स्थित होटल एसके प्लाजा के सामने पहुंचे और नाकाबंदी की। इस दौरान चित्तौड़गढ़ की ओर से आई एक स्वीफ्ट कार की फाटक के शीशों पर काली फिल्म चढ़ी थी। चालक ने पुलिस नाकाबंदी देखकर कार को पुन: उसी दिशा में ले जाने की कोशिश की, जिसे थाना प्रभारी ने जाब्ते के साथ बेरिकेड लगाकर रुकवा लिया। पुलिस ने कार चालक से पूछताछ की तो उसने खुद को वार्ड नंबर नौ, लेबर कॉलोनी निवासी अरबाज खान (21) पुत्र हबीब खान, खलासी सीट पर बैठे व्यक्ति ने खुद को मोतीनगर कॉलोनी, गुलाबपुरा निवासी अपसर अली (23) पुत्र इदरीस खान और पीछली सीट पर बैठे व्यक्ति ने खुद को भोपाल माइनिंग के सामने, जवाहर नगर निवासी परवेज खान (20) पुत्र नजीर खान होना बताया। इन तीनों से पुलिस ने जब कार को पुन: घूमाकर भागने का प्रयास करने का कारण पूछा तो वे संतोषप्रद जवाब नहीं दे पाए। पुलिस ने कार की तलाशी ली तो डेसबोर्ड में एक प्लास्टिक की थैली में स्मैक पाउडर मिला। स्मैक का वजन करवाने पर 21 ग्राम पाया गया। पुलिस ने स्मैक सहित कार जब्त कर तीनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपितों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच मंगरोप थाना प्रभारी विजय मीणा को सौंपी गई। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपितों ने कबूल किया कि पकड़ी गई स्मैक वे भीलवाड़ा शहर के साथ ही डिमांड के अनुसार गुलाबपुरा में बैचने वाले थे।

युवक ने आत्महत्या की

- आत्महत्या करने के कारणों का पता नहीं चल पाया

उदयपुर, (निसं)। शहर के सविना थाना क्षेत्र में युवक ने फांसी लगा आत्महत्या कर ली। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार नवाडेरा डूंगरपुर हाल विजयसिंह पथिक नगर सविना निवासी जयेश (22) पुत्र हरिश कटारा ने शुक्रवार रात में अपने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पड़ोसी की सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर उसे फंदे से निचे उतार चिकित्सालय पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस पर एएसआई चतरसिंह ने मृतक का पोस्टमर्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। जयेश पेट्रोल पंप पर नौकरी करता था। आत्महत्या करने के कारणों का पता नहीं चल पाया।

युवक की मौत

उदयपुर, (निसं)। सुखेर थाना क्षेत्र में तालाब पर नहाते समय पानी में डूबने से युवक की मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार को गणेश पुत्र उमाजी गमेती निवासी लखावली भीलवाड़ा फला अपने बच्चे को लेकर लखावली तालाब पर नहाने गया था, जहां नहाते समय गहरे पानी में डूबने वह डूब गया। इसको देख दौड़कर आए बच्चे ने परिजनों को घटना बताई।

जंगली जानवर के हमले में 35 भेड़ों की मौत

- बाड़े में करीब 80-85 भेडें थीं, चारों तरफ तारबंदी होने के बावजूद जंगली जानवर अंदर घुस गया

गंगापुर सिटी, (निसं)। कोतवाली थाना क्षेत्र के चकछाबा गांव में शक्रवार रात एक जंगली जानवर ने बाड़े में घुसकर भेड़ों पर हमला कर दिया। हमले में 35 भेड़ों की मौत हो गई और छह भेड़ें घायल हो गई।

घटना में अमरसिंह गुर्जर और मुंशी माली की भेड़ें शिकार बनीं। बाड़े में करीब 80-85 भेडें थीं। चारों तरफ तारबंदी होने के बावजूद जंगली जानवर अंदर घुस गया। घटना की जानकारी सुबह ग्रामीणों को मिली। सरपंच महेश सिंह जादौन और छुट्टन लाल बैरवा ने वेटरनरी डॉक्टर और वन विभाग को सूचना दी। वन विभाग की अधिकारी मुकेशी मीना ने बताया कि मृत भेड़ों का पंचनामा तैयार कर लिया गया है। मुआवजे के लिए थाने में मामला दर्ज कराया गया है। उन्होंने क्षेत्र में जंगली जानवरों की बढ़ती संख्या पर चिंता जताई। पटवारी राजाराम गुर्जर के अनुसार एक मृत भेड़ की कीमत 12 हजार और घायल भेड़ की 6 हजार रुपए तय की गई है। कुल नुकसान 4 लाख 56 हजार रुपए का आंका गया है। मुआवजे के लिए रिपोर्ट सरकार को भेजी जा रही है। मौके से जंगली जानवर के पदचिह्न मिले हैं, जिनके फोटो और वीडियो लिए गए हैं।

प्रदेश की पहली "बाइक ऑन रेंट सेवा" का उदयपुर से शुभारंभ

को.ऑप राइड बाइक ऑन रेंट सेवा शहरवासियों एवं पर्यटकों के लिए एक किफायती परिवहन विकल्प प्रदान करेगी : सहकारिता मंत्री गौतम कुमार दक

सहकारिता मंत्री गौतम कुमार दक ने बाइक ऑन रेंट सेवा का शुभारंभ किया।

उदयपुर, (निसं)। उदयपुर में पर्यटन विकास में सहयोग तथा पर्यटकों को विश्वसनीय सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सहकारिता विभाग की ओर से बाइक ऑन रेंट सेवा को.ऑप राइड की शुरूआत की। सहकारिता मंत्री गौतम कुमार दक ने शनिवार को सेक्टर 14 में प्रदेश में सहकारिता की ओर से प्रदेश की पहली बाइक ऑन रेंट सेवा का शुभारंभ किया।

को.ऑप राइड बाइक ऑन रेंट सेवा को हरी झण्डी दिखाते हुए सहकारिता मंत्री दक ने कहा कि को.ऑप राइड बाइक ऑन रेंट सेवा शहरवासियों एवं पर्यटकों के लिए एक किफायती परिवहन विकल्प प्रदान करेगी। यह सेवा खासकर युवाओं, छात्रों, पर्यटकों और दैनिक यात्रियों के लिए लाभकारी होगी। नवाचार के रूप में यह सेवा राजस्थान में सहकारिता क्षेत्र में प्रथम बार उदयपुर भण्डार द्वारा प्रारम्भ की गई है। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि जिला प्रमुख ममता कुंवर, उप जिला प्रमुख पुष्कर तेली, समाजसेवी प्रमोद सामर, गजपाल सिंह राठौड़, दी उदयपुर महिला समृद्धि अरबन को ऑपरेटिव बैंक अध्यक्ष किरण जैन, उदयपुर दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ अध्यक्ष डांल चंद डांगी, पार्षद संतोष मेनारिया सहित अन्य जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। मंत्री दक ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण भी किया। मंत्री दक ने हिरण मगरी सेक्टर 14 में उदयपुर सहकारी उपभोक्ता थोक भण्डार लिमिटेड के नवीन सहकारी सुपर मार्केट का भी लोकार्पण किया।

इस दौरान उन्होंने कहा कि उपभोक्ता भण्डार का मुख्य उद्धेश्य आम उपभोक्ताओं को उचित मूल्य पर गुणवत्ता युक्त खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना है, यह कार्य उदयपुर भण्डार द्वारा विभिन्न क्षेत्रों के अपने नवीन सुपर मार्केट प्रारम्भ कर किया जा रहा है। उन्होंने उदयपुर भण्डार को सहकारिता के माध्यम से लाभदायिकता के साथ उपभोक्ताओं के हितों को ध्यान में रखकर कार्य करने के लिए कहा।

भण्डार प्रशासक एवं अतिरिक्त रजिस्ट्रार गुंजन चौबे ने अतिथियों का स्वागत करते हुए भण्डार में उपभोक्ताओं के लिए चल रही विभिन्न सुविधाओं एवं स्कीमों की जानकारी प्रदान की। भण्डार महाप्रबन्धक डॉ. प्रमोद कुमार ने बताया कि नवीन सहकारी सुपरमार्केट सेक्टर नम्बर 14 का शुभारम्भ आम जनता को उचित दर पर गुणवत्तायुक्त सामग्री उपलब्ध कराने के लिए किया गया है एवं को.ऑप राइड बाइक ऑन रेंट सेवा पर्यटकों एवं आम जन को किफायती दर पर उपलब्ध करवायी जायेगी।

75 लाख रुपये का अवैध डोडा-पोस्त सहित कार जब्त

जालोर जिले के सायला पुलिस ने अवैध डोडा पोस्त बरामद किया।

जालोर, (कासं)। जालोर जिले के सायला पुलिस ने शनिवार का 477.500 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा-पोस्त जब्त कर तस्करी में प्रयुक्त वाहन स्कॉर्पियों को जब्त किया। बरामद अवैध डोडा पोस्त की अनुमानित बाजार कीमत 75 लाख रूपये आंकी गई है। वहीं पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त जब्त वाहन स्कोर्पियों की कीमत 20 लाख रूपये की गाड़ी को भी जब्त किया है।

जालोर जिले के सायला पुलिय थानाधिकारी सुरेन्द्र सिंह निरीक्षक के नेतृत्व में महिपालसिंह उप निरीक्षक मय टीम ने शनिवार सुबह थाने के सामने नाकाबंदी के दौरान जिला पुलिस कंट्रोल रूम व डीएसटी टीम से दो संदिग्ध स्कोर्पियों के आने की सूचना अनुसार थाने के सामने नाकाबंदी में जालोर की तरफ से एक ब्लेक स्कॉर्पियो बिना नम्बरी जो प्रथम नाकाबंदी को तोड़कर आगे जाने पर द्वितीय नाकाबंदी टीम को देखकर पुन: रिवर्स लेकर जालोर की तरफ भगाने लगा। इतने में पीछे से एक सफेद रंग की स्कॉर्पियो आई जो पुलिस नाकाबंदी को देखकर रिवर्स लेकर भगाने का प्रयास करने पर पुलिस वाहन को सामने भिड़ाकर रोका गया। इतने में गाडी में बैठे चालक व पास की सीट पर बैठा व्यक्ति अंधेरे का फायदा उठाकर गाड़ी से भागकर दूसरी ब्लेक स्कॉर्पियो के साईड में लटककर भागने में सफल हो गये। दस्तयाबशुदा वाहन की तलाशी ली गयी तो वाहन में डोडा-पोस्त से भरे 24 कट्टों में 477.500 कि.ग्रा. डोडा बरामद किया और वाहन में मिले मोबाइल व अलग-अलग नम्बर की नम्बर प्लेट्स एवं प्रयुक्त वाहन को जब्त कर अज्ञात मुलजिमानों के विरूद्ध प्रकरण दर्ज किया गया।

भाजपा एकमात्र ऐसी पार्टी है जहां, सत्ता और संगठन के बीच स्पष्ट समन्वय : प्रदेश प्रभारी

भाजपा प्रदेश प्रभारी डॉ. राधा मोहनदास अग्रवाल और प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने ली संगठनात्मक बैठक

जयपुर। भाजपा प्रदेश प्रभारी डॉ राधा मोहनदास अग्रवाल और प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने एवं जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता को दोहराने के उद्देश्य से जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक की। राजधानी जयपुर में आयोजित बैठक में भाजपा के पूर्व सांसद, पूर्व विधायक, सांसद एवं विधायक प्रत्याशी सहित पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने भाग लिया। बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश प्रभारी डॉ. राधा मोहन दास अग्रवाल ने कहा कि भाजपा एकमात्र ऐसी पार्टी है जहां सत्ता और संगठन के बीच समन्वय स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है।

भाजपा प्रदेश प्रभारी डॉ. राधा मोहनदास अग्रवाल और प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने के उद्देश्य से शनिवार को जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक की।

पार्टी में कार्यकर्ताओं को सदैव प्राथमिकता दी जाती है और उन्हीं के माध्यम से जनता की समस्याओं को चिन्हित कर सरकार द्वारा त्वरित समाधान किया जाता है। डॉ अग्रवाल ने बताया कि कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद कर उनकी बातों को सुनना और जनता तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना ही भाजपा की कार्यशैली का मूल आधार है।

भाजपा प्रदेश प्रभारी डॉ. राधा मोहन दास अग्रवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी सोच और अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक योजनाओं को पहुंचाने की नीति की सराहना करते हुए कहा कि देशभर में भाजपा सरकार का ग्राफ इसलिए निरंतर ऊंचा हो रहा है क्योंकि पार्टी जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। उन्होंने कहा कि संगठन को और अधिक सक्रिय बनाकर आगामी समय में पार्टी की उपस्थिति को प्रत्येक गांव, शहर और कस्बे तक सशक्त किया जाएगा। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं-जैसे आयुष्मान भारत, उज्ज्वला योजना, पीएम किसान सम्मान निधि योजना और जल जीवन मिशन- का लाभ हर जरूरतमंद तक पहुंचाया जाएगा। इसके साथ ही लाभार्थियों से सीधा संवाद कर योजनाओं की प्रगति का मूल्यांकन भी किया जाएगा।

भाजपा की संगठनात्मक बैठक के दौरान प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड ने जनप्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए स्पष्ट किया कि अब समय आ गया है जब सत्ता और संगठन मिलकर राजस्थान की परंपरागत राजनीतिक सोच को तोडें। उन्होंने कहा कि भाजपा की डबल इंजन सरकार राज्य के समग्र विकास और जनकल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है, और हमें यह सुनिश्चित करना है कि पांच साल बाद एक बार फिर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में भाजपा की सरकार राजस्थान में दोबारा बने।

राठौड ने घोषणा की कि संगठन और सत्ता के बीच प्रभावी समन्वय के लिए भाजपा एक महामंत्री की नियुक्ति करेगी, जो कार्यकर्ताओं द्वारा सुझाए गए जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता के आधार पर सरकार तक पहुंचाएंगे और उनका त्वरित समाधान सुनिश्चित करवाएंगे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बताया कि विधानसभा चुनावों के दौरान भाजपा द्वारा जारी संकल्प पत्र में जनता से जो वादे किए गए थे, उनमें से 50 प्रतिशत से अधिक वादों को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने पहले ही कार्यकाल वर्ष में पूरा कर दिखाया है।

यह दर्शाता है कि भाजपा केवल वादे नहीं करती, बल्कि उन पर अमल भी करती है। राठौड ने कहा कि संगठन और कार्यकर्ताओं की भूमिका केवल चुनाव तक सीमित नहीं है, बल्कि सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने में उनकी अहम भूमिका है।

उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं से आ ान किया कि वे सरकार के जनहितैषी कार्यों को गांव-गांव, गली-गली तक ले जाएं ताकि हर नागरिक को भाजपा सरकार की नीतियों का लाभ मिल सके। उन्होंने कार्यकर्ताओं को संगठन की रीढ बताते हुए कहा कि भाजपा का लक्ष्य केवल सत्ता प्राप्त करना नहीं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा पहुंचाना है।

पायलट बेटे की मौत के बाद मां ने भी दम तोड़ा

केदारनाथ हेलिकॉप्टर क्रैश में मारे गए जयपुर के पायलट राजवीर सिंह चौहान की मां विजय लक्ष्मी चौहान की शनिवार को हार्ट अटैक से मौत हो गई। गमगीन माहौल में शनिवार को उनका अंतिम संस्कार हुआ।

जयपुर। केदारनाथ हेलिकॉप्टर क्रैश में मारे गए जयपुर के पायलट राजवीर सिंह चौहान की मां विजय लक्ष्मी चौहान की शनिवार को हार्ट अटैक से मौत हो गई। गमगीन माहौल में उनका अंतिम संस्कार किया गया।

श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए सैकड़ों लोग उनकी अंतिम यात्रा में शामिल हुए। बताया जा रहा है कि शुक्रवार को ही राजवीर की मौत के 12 दिन पूरे हुए थे। दरअसल, 15 जून को केदारनाथ हेलिकॉप्टर क्रैश में पायलट राजवीर सिंह चौहान समेत 7 लोगों की मौत हो गई थी। राजवीर आर्मी से लेफ्टिनेंट कर्नल पद से रिटायर थे। सेना से रिटायर होने के बाद राजवीर एक प्राइवेट एविएशन कंपनी के लिए हेलिकॉप्टर फ्लाइंग कर रहे थे।

राजवीर सिंह 4 महीने पहले ही जुड़वा बेटों के पिता बने थे। शनिवार सुबह शास्त्रीनगर राणा कॉलोनी में घर के बाहर परिवार और कॉलोनी के लोग बैठे हुए थे। इस दौरान विजय लक्ष्मी चौहान (58) पत्नी गोविंद सिंह चौहान के सीने में दर्द होने लगा। परिवार और कॉलोनी के लोग उन्हें लेकर कांवटिया अस्पताल ले गए। यहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।ज्ञात रहे कि राजवीर सिंह चौहान के सम्मान में सर्व समाज की ओर से रविवार को मां भारती के वीर सपूत के नाम पर एक विशेष कार्यक्रम प्रस्तावित था।

इसमें नंदी बाबा मंदिर के चौक और सड़क का नाम ले. कर्नल राजवीर सिंह चौहान करने, वीर तिरंगा यात्रा निकालने, सामूहिक श्रद्धांजलि सभा और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ रखा गया था। इसी कार्यक्रम की चर्चा के लिए सोना कंवर अपने रिश्तेदारों और कॉलोनी के लोगों से बातचीत कर रही थी।

नाक से अलगोजा बजाकर रचा इतिहास

लोक कलाकार रामनाथ चौधरी की प्रतिभा को मिलेगा राज्य एवं राष्ट्रीय सम्मान

जयपुर। राजस्थान की लोकधुनों को दुनिया भर में पहचान दिलाने वाले चाकसू क्षेत्र के गांव बाडा पदमपुरा निवासी अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त अलगोजा वादक रामनाथ चौधरी ने आज सचिवालय में राज्य की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी से भेंट की।

अपनी कला, उपलब्धियों और जीवन संघर्ष से अवगत कराते हुए उन्होंने आग्रह किया कि केंद्र सरकार द्वारा उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया जाए।

- **लोक कलाकार रामनाथ चौधरी से मुलाकात के दौरान उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने दिए संकेत**

अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त अलगोजा वादक रामनाथ चौधरी ने शानिवार को सचिवालय में राज्य की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी से भेंट की।

रामनाथ चौधरी कोई साधारण कलाकार नहीं हैं - वे दुनिया के पहले ऐसे कलाकार हैं जो नाक से अलगोजा बजाने की दुर्लभ कला में निपुण हैं, और उनका नाम वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स एवं इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज है। अपनी 12 फीट लंबी ऐतिहासिक मूंछों,कच्ची घोडी नृत्य,परंपरागत वेशभूषा और अनूठे वादन से वे देश-विदेश में राजस्थान की सांस्कृतिक पहचान बन चुके हैं। उन्होंने अपने कार्यों के दस्तावेज, पुरस्कारों की सूची और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय मंचों पर दिए गए योगदान की जानकारी उपमुख्यमंत्री को सौंपी। इस पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि "राजस्थान की लोककलाएं हमारी आत्मा हैं, और रामनाथजी जैसे कलाकार हमारी पहचान। सरकार उनकी कला को देश के सर्वोच्च मंच तक पहुंचाने के लिए हर संभव प्रयास करेगी।"उन्होंने आश्वासन दिया कि राज्य सरकार केंद्र को सिफारिश भेजेगी, जिससे उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर लोककला क्षेत्र में पदक/सम्मान दिलाया जा सके। साथ ही, उन्होंने यह भी संकेत दिया कि रामनाथ चौधरी को राजस्थान सरकार द्वारा भी विशेष राज्य सम्मान दिया जाएगा। उनकी इस अद्भुत लोक कला और दस्तावेजों को देखकर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि रामनाथ चौधरी सिर्फ एक कलाकार नहीं, बल्कि राजस्थान की आत्मा के वाहक हैं। उनकी नाक से फूंक कर बजाई गई धुनों में राजस्थान की मिट्टी की गूंज सुनाई देती है। उनकी मुलाकात और सरकार का सकारात्मक रुख निश्चित तौर पर लोककलाओं को मुख्यधारा में स्थापित करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

कोल्ड ड्रिंक की बोतल में फंगस, उपभोक्ता आयोग ने लगाया हर्जाना

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। जिला उपभोक्ता आयोग क्रम-1, महानगर प्रथम ने गंदगी और फंगस वाली मिरंडा ब्रांड की कोल्ड ड्रिंक का बेचान करने को विक्रेता और निर्माता का सेवा दोष माना है।

इसके साथ ही आयोग ने बोतल विक्रेता श्रीजी एंटरप्राइजेज और निर्माण वरुण ब्रेवरेज लि. पर पन्द्रह हजार रुपए का हर्जाना लगाया है। इसके साथ ही आयोग से बोतल के मूल्य के तौर पर वसूले गए 55 रुपए भी ब्याज सहित लौटाने के आदेश दिए हैं। आयोग अध्यक्ष सूबे सिंह यादव और सदस्य हेमलता अग्रवाल व आशुतोष चौधरी ने यह आदेश महेश कुमार गुप्ता के परिवाद पर सुनवाई करते हुए दिए।

परिवाद में अधिवक्ता सत्यपाल ने आयोग को बताया कि घर पर मेहमान आने पर उसने 28 मई, 2016 को विपक्षी दुकानदार से मिरंडा की 1.25 लीटर की बोलत 55 रुपए में खरीदी थी।

परिवादी ने मेहमानों को परोसने के लिए जैसे ही बोतल खोलनी चाही, एक मेहमान की नजर बोतल में पडे कचरे पर गई। मेहमान के टोकने पर परिवादी ने बिना खोले ही बोतल का निरीक्षण किया तो उसमें कचरे के साथ-साथ फंगस भी मिला। ऐसे में उसे क्षति राशि दिलाई जाए।

इसका विरोध करते हुए दुकानदार ने कहा कि वह बोतल के पेय का निर्माता नहीं है। वह दूसरे विपक्षी की ओर से निर्मित पेय को सिर्फ बेचने का काम ही करता है। ऐसे में यदि बोलत में फंगस है तो इसके लिए निर्माता की जिम्मेदारी है।

दूसरी ओर निर्माता वरुण ब्रेवरेज की ओर से कहा गया कि परिवादी ने बोतल की जांच के लिए उसे निर्माता की प्रयोगशाला में नहीं भेजा। ऐसा लगता है कि बोतल में एंटरपोल्यूषन कर कचरा डाला होगा। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद उपभोक्ता आयोग ने विक्रेता और निर्माता पर 15 हजार रुपये का हर्जाना लगाया है।

आपातकाल भारतीय लोकतंत्र का सबसे अंधकारमय काल : मदन राठौड़

आपातकाल का काला अध्याय आज की पीढ़ी को जानना और समझना अत्यंत आवश्यक : अंकित चेची

जयपुर। भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के प्रदेशाध्यक्ष अंकित चेची के नेतृत्व में शनिवार को जयपुर ग्रेटर नगर निगम के सभागार में "आपातकाल" की 50वीं बरसी के अवसर पर एक विशेष मॉक पार्लियामेंट का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड ने की। राठौड ने आपातकाल को भारतीय लोकतंत्र का सबसे अंधकारमय काल बताया और युवाओं से अपील की कि वे लोकतांत्रिक संस्थाओं की मर्यादा को बनाए रखने के लिए सजग रहें। उन्होंने कहा कि आज की युवा पीढ़ी को 25 जून 1975 का काला दिवस के बार में जानना चाहिए। कांग्रेसी नेताओं ने निरंकुश होकर जनता के मौलिक अधिकारों का हनन किया और जनता के साथ लोकतंत्र के चौथे स्तंभ प्रेस की आजादी तक छीन ली। भाजयुमो द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम एक प्रेरणास्पद पहल के रूप में उभरा, जो भविष्य में युवाओं को जागरूक और सक्रिय नागरिक बनने की दिशा में मार्गदर्शन करता रहेगा।

- **आपातकाल की 50वीं बरसी पर भाजयुमो द्वारा मॉक पार्लियामेंट का आयोजन**
- **भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने स्पीकर का पद संभाल शुरू की कार्यवाही**

भाजयुमो प्रदेशाध्यक्ष अंकित चेची ने कहा कि आपातकाल भारतीय संविधान और जनता की स्वतंत्रता पर किया गया कुठाराघात था, जिसे आज की पीढ़ी को जानना और समझना अत्यंत आवश्यक है। मॉक पार्लियामेंट का यह आयोजन उसी कड़ी में एक प्रयास है। इस आयोजन का उद्देश्य आपातकाल के काले अध्याय को स्मरण कर युवाओं को भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के प्रति जागरूक करना था। इस आयोजन ने न केवल युवाओं को राजनीतिक चेतना से जोड़ा, बल्कि उन्हें लोकतांत्रिक प्रणाली की बारीकियों को समझने का अवसर भी प्रदान किया। मॉक पार्लियामेंट के माध्यम से युवाओं ने अपने विचारों को अभिव्यक्त किया और भारतीय लोकतंत्र की मजबूती में अपने दायित्व को पहचाना। चेची ने बताया कि मॉक पार्लियामेंट विभिन्न सत्रों में आयोजित की गई, जिनकी अध्यक्षता क्रमश: विधायक गोपाल शर्मा, भाजयुमो प्रदेशाध्यक्ष अंकित चेची, राजेंद्र शेखावत और प्रमोद वशिष्ठ ने की। प्रतिभागियों ने संसद की कार्यवाही का जीवंत चित्रण करते हुए उस समय की परिस्थितियों, विरोधों एवं नागरिक अधिकारों के हनन पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम में 300 से अधिक प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया, जिनमें से चार प्रमुख वक्ताओं को विशिष्ट सम्मान से नवाजा गया। इसके अतिरिक्त सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान कर उनके योगदान को सराहा गया। कार्यक्रम के सफल संचालन में निर्णायक मंडल की भूमिका भी सराहनीय रही। इसमें जीएस राजपुरोहित, सौरभ सारस्वत, भाग्य श्री सैनी एवं बीडी रावत शामिल रहे। कार्यक्रम में भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय मंत्री पूजा कपिल मिश्रा,जयपुर शहर जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह पुरूवंशी, कार्यक्रम के प्रदेश संयोजक नरपतदान चारण, कार्यक्रम के प्रदेश सह-संयोजक लोहित सिंह चौहान, दीपक शर्मा, अर्जुन सिंह धाबाई, अभिमन्यु सिंह राव, विशाल भारद्वाज, मानवेंद्र सिंह, दीपक मेहरा सहित अन्य कई वरिष्ठ कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

जयपुर में कोरोना के 3 नए मामले सामने आए

- **प्रदेश में एक्टिव मरीजों की संख्या हुई 120**
- **राज्य में कुल मरीजों की संख्या 718 पहुंची, जिसमें से जयपुर में 435 संक्रमित**

जयपुर। प्रदेश में कोरोना संक्रमण की रफ्तार धीमी होने के बावजूद अभी खतरा टला नहीं है। राज्य के विभिन्न हिस्सों से धीरे-धीरे नए मामलों की पुष्टि हो रही है। 28 जून को कोरोना के 3 नए मामले सामने आए हैं, जिससे इस वर्ष कुल मरीजों की संख्या 718 हो गई है।

चिकित्सा विभाग से मिली जानकारी के अनुसार जयपुर में सामने आए इन तीन मामलों में ईएचसीसी, महात्मा गांधी और बी-लाल लैब से एक-एक संक्रमित की पुष्टि हुई है। संक्रमितों में 84 वर्षीय पुरुष व 54 वर्षीय महिला जयपुर से तथा 71 वर्षीय महिला सवाई माधोपुर से शामिल हैं। वर्ष 2025 में अब तक 718 रिपोर्टेड मरीज है, जिसमें से 595 स्वस्थ हो चुके है जबकि 120 एक्टिव है और अब तक तीन की मौत हो चुकी है। इसी प्रकार जयपुर में सबसे अधिक 435, उदयपुर 86, जोधपुर 41, बीकानेर 29, चित्तौड़गढ 14, अजमेर, डीडवाना 10, दौसा, झालावाड 09, टोंक 7, सवाई माधोपुर 6, अलवर, डुंगरपुर, करौली 5-5, भरतपुर, भीलवाड़ा, नागौर, राजसमंद, सीकर 4-4, खैरथल-टिजारा, कोटपुतली 3-3, बांसवाड़ा, बालोतरा, चुरु, डेग, झुंझुनूं, हनुमानगढ, प्रतापगढ 2-2, बारमेर, बेवर, जालोर, कोटा, फालोडी, सिरोही, एमपी में 1-1 केस दर्ज किए गए है। स्वास्थ्य विभाग ने अपील की है कि सतर्कता जरूरी है। भीड़भाड़ वाले इलाकों में मास्क पहनें, हाथ धोते रहें और लक्षण दिखें तो तुरंत जांच कराएं। वहीं दूसरी ओर विशेषज्ञों का कहना है कि संक्रमण अब हल्के रूप में सामने आ रहा है, लेकिन बुजुर्गों व गंभीर बीमारियों से ग्रसित लोगों को विशेष सतर्कता बरतनी चाहिए।

रेलवे पटरी के पास मिला एक व्यक्ति का शव

जयपुर। झोटवाड़ा थाना इलाके में शनिवार सुबह रेलवे पटरी के पास एक व्यक्ति का शव मिलने से सनसनी फैल गई। किसी राहगीर ने पटरी किनारे लाश देख पुलिस को सूचना दी।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मौका मुआयना किया। वहीं घटनास्थल पर पुलिस ने शव की तलाशी ली,लेकिन मृतक के पास से कोई भी पहचान पत्र,दस्तावेज या कोई अन्य सामान नहीं मिला। जिससे उसकी शिनाख्त हो सके। फिलहाल शव को मोर्चरी में रखवा दिया गया है।

- **हादसा या हत्या,पुलिस हर एंगल से कर रही है जांच**

पुलिस के अनुसार प्रथम दृष्टया यह मामला हादसा या हत्या दोनों हो सकता है। यह आशंका जताई जा रही है कि यह व्यक्ति ट्रेन की चपेट में आकर मर गया हो या फिर किसी ने इसकी हत्या कर शव को पटरी के पास फेंका हो।

पुलिस टीम हर एंगल से जांच में जुटी है। घटनास्थल पर आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है और सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। पुलिस का मानना है कि यह घटना रात या अल सुबह की हो सकती है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने और मृतक की पहचान होने के बाद ही कार्रवाई की गई जाएगी। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मौखिक निर्देश की पालना में एपीओ करने के आदेश पर रोक

ट्रिब्यूनल ने चिकित्सा सचिव, स्वास्थ्य निदेशक और हनुमानगढ़ सीएमएचओ को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान सिविल सेवा अपीलीय अधिकरण ने मुख्य ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी को निदेशालय से दूरभाष से प्राप्त मौखिक आदेश से एपीओ करने पर रोक लगा दी है।

इसके साथ ही अधिकरण ने मामले में चिकित्सा सचिव, स्वास्थ्य निदेशक और हनुमानगढ़ सीएमएचओ को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। अधिकरण के सदस्य चेतनराम देवड़ा और लेखराज तोसावडा ने यह आदेश डॉ. प्रदीप कडवासरा की अपील पर दिए।

- **अधिकरण के सदस्य चेतनराम देवड़ा और लेखराज तोसावडा ने यह आदेश डॉ. प्रदीप कडवासरा की अपील पर दिए।**

अपील में अधिवक्ता सुनील कुमार सिंगोदिया ने अधिकरण को बताया कि अपीलार्थी हनुमानगढ के नोहर में मुख्य ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी के पद पर कार्यरत है। हनुमानगढ़ के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने स्वास्थ्य निदेशालय से दूरभाष पर प्राप्त मौखिक निर्देश पर गत 16 मई को अपीलार्थी को एपीओ कर दिया और उसे बीकानेर मुख्यालय में संयुक्त निदेशक के कार्यालय में उपस्थिति देने को कहा।

इस आदेश को चुनौती देते हुए कहा गया कि अपीलार्थी को राजस्थान सेवा नियम, 1951 के नियम 25क के प्रावधानों के विपरीत जाकर एपीओ किया गया है। अपीलार्थी को न तो मौखिक निर्देश की पालना में एपीओ किया जा सकता था और ना ही मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को उसे एपीओ करने का अधिकार है। अपील में बताया गया कि अपीलार्थी मुख्य ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी हैं। ऐसे में उसे एपीओ करने की शक्ति निदेशक स्तर के अधिकारी को ही प्राप्त है। इसलिए उसे एपीओ किए गए आदेश को रद्द किया जाए।

जिस पर सुनवाई करते हुए अधिकरण ने एपीओ आदेश की क्रियान्विति पर रोक लगाते हुए संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

तीन स्पा सेंटर संचालक गिरफ्तार

जयपुर। चित्रकूट थाना पुलिस ने स्पा सेन्टर के खिलाफ कार्रवाई करते हुए तीन पुरुषों सहित पांच महिलाओं को डिटेन कर तीन स्पा सेंटर संचालक को गिरफ्तार किया है।अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम आलोक सिंघल ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि चित्रकूट इलाके के एलिमेंट्स मॉल स्थित के 3 एम स्पा और चित्रकूट स्थित स्टार लाइन स्पा सेंटर व मसाज की आड़ में अवैध गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है। जिस पर पुलिस टीम का गठन कर संचालित के 3 एम स्पा और स्टार लाइन स्पा सेंटर में छापेमारी की गई तो स्पा एवं मसाज केन्द्र,निर्धारित मापदंडों पर खरा नहीं उतरा तथा उसमे नियमों का पालन सम्पूर्ण रूप से नहीं किया जा रहा था। जिस पर स्पा सेंटर के संचालक दिलखुश सिंह निवासी भीलवाड़ा हाल चित्रकूट जयपुर,सक्षम निवासी सीकर और बहादुर सिंह राठौड निवासी सीकर हाल झोटवाडा जयपुर को गिरफ्तार किया गया।

प्रदेश की पहली बाइक ऑन रेंट सेवा का उदयपुर से हुआ आगाज

सहकारिता मंत्री ने किया को-ऑप राइड का शुभारंभ

जयपुर। संयुक्त राष्ट्र की ओर से वर्ष 2025 को सहकारिता वर्ष घोषित किए जाने के उपलक्ष्य में सहकारिता विभाग सहकार से समृद्धि के ध्येय पर चलते हुए विभिन्न क्षेत्रों में अपनी उपयोगिता सिद्ध कर रहा है। इसी कड़ी में उदयपुर में पर्यटन विकास में सहयोग तथा पर्यटकों को विश्वसनीय सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सहकारिता विभाग की ओर से बाइक ऑन रेंट सेवा को-ऑप राइड की शुरूआत की।

सहकारिता मंत्री गौतम कुमार दक ने शनिवार को उदयपुर के सेक्टर 14 में प्रदेश में सहकारिता की ओर से पहली बाइक ऑन रेंट सेवा का शुभारंभ किया। को-ऑप राइड/बाइक ऑन रेंट सेवा को

- **सेक्टर 14 में सहकारी सुपरमार्केट का भी लोकार्पण**

हरी झण्डी दिखाते हुए सहकारिता मंत्री दक ने कहा कि को-ऑप राइड/बाइक ऑन रेंट सेवा शहरवासियों एवं पर्यटकों के लिए एक किफायती परिवहन विकल्प प्रदान करेगी। यह सेवा खासकर युवाओं, छात्रों, पर्यटकों और दैनिक यात्रियों के लिए लाभकारी होगी। नवाचार के रूप में यह सेवा राजस्थान में सहकारिता क्षेत्र में प्रथम बार उदयपुर भण्डार द्वारा प्रारम्भ की गई है।

मंत्री दक ने उदयपुर के हिरण मगरी सेक्टर 14 में उदयपुर सहकारी उपभोक्ता थोक भंडार लिमिटेड के नवीन सहकारी सुपरमार्केट का भी लोकार्पण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि उपभोक्ता भण्डार का मुख्य उद्देश्य आम उपभोक्ताओं को उचित मूल्य पर गुणवत्ता युक्त खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना है, यह कार्य उदयपुर भण्डार द्वारा विभिन्न क्षेत्रों के अपने नवीन सुपरमार्केट प्रारम्भ कर किया जा रहा है। उन्होंने उदयपुर भण्डार को सहकारिता के माध्यम से लाभदायिकता के साथ उपभोक्ताओं के हितों को ध्यान में रखकर कार्य करने के लिए कहा। भण्डार प्रशासक एवं अतिरिक्त रजिस्ट्रार गुंजन चौबे ने अतिथियों का स्वागत करते हुए भण्डार में उपभोक्ताओं के लिए चल रही विभिन्न सुविधाओं एवं स्कीमों की जानकारी प्रदान की गई। भण्डार महाप्रबंधक डॉ प्रमोद कुमार द्वारा बताया कि नवीन सहकारी सुपरमार्केट सेक्टर नंबर 14 का शुभारम्भ आम जनता को उचित दर पर गुणवत्तायुक्त सामग्री उपलब्ध कराने के लिए किया गया है एवं को-ऑप राइड/बाइक ऑन रेंट सेवा पर्यटकों एवं आम जन को किफायती दर पर उपलब्ध करवायी जावेगी। महाप्रबंधक ने बताया की राज्य सरकार की बजट घोषणा की पालना में उपभोक्ताओं को मोटा अनाज (मिलेट्स फुड) उपलब्ध कराने हेतु नवीन सुपरमार्केट में अलग से काउंटर लगाया गया है।

कांडला से आ रहे वेस्ट ऑयल में केमिकल मिलाकर बन रहा नकली डीजल

पेट्रोल पंपों पर डीजल 91.73 रुपए प्रति लीटर है, लेकिन केमिकल मिला नकली डीजल 70-75 रुपए में ही मिल रहा है

बीकानेर, (निसं)। गुजरात के कांडला पोर्ट पर विदेशों से आने वाले वेस्ट ऑयल में केमिकल मिलाकर डीजल के रूप में बेचा जा रहा है। पेट्रोल पंपों पर डीजल 91.73 रुपए प्रति लीटर है, लेकिन केमिकल मिला नकली डीजल 70-75 रुपए में ही मिल रहा है और लोग धड़ल्ले से खरीद रहे हैं।

जानकारी के अनुसार विदेशों से गुजरात के कांडला पोर्ट पर बड़ी मात्रा में वेस्ट ऑयल आता है जो बड़े बॉयलर, क्रशर, फैक्ट्रियों, भट्टियों में फ्यूल के रूप में काम में लिया जाता है। यह ऑयल अधिकृत लाइसेंसधारकों को ही मिलता है, लेकिन, लाइसेंसधारक इस ऑयल को

- **यह गोरखधंधा पड़े पैमाने पर चल रहा है, कांडला से रोजाना 25 से ज्यादा टैंकर राजस्थान के जिलों में पहुंच रहे हैं**

मुनाफा कमाकर आगे सबलेट कर रहे हैं और खरीदार इसमें केमिकल मिलाकर डीजल के रूप में बेच रहे हैं। पेट्रोल पंपों पर डीजल 91.73 रुपए प्रति ली. है, लेकिन, केमिकल युक्त नकली डीजल 70 से 75 रुपए लीटर में आसानी से मिल जाता है। डीजल से 25-30 रुपए सस्ता मिलने के कारण ट्रक-बसों के ड्राइवर और भट्टियों-फैक्ट्रियों में फ्यूल के रूप में काम लेने वाले लोग इसे बड़े पैमाने पर खरीद रहे हैं। इससे पेट्रोल पंपों पर डीजल की खपत कम होने लगी है और सरकार को भी टैक्स का नुकसान हो रहा है। नोखा में 19 जून की रात को और हनुमानगढ़ के पल्लू में पुलिस ने केमिकल युक्त ऑयल के टैंकर पकड़े और अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनसे पूछताछ की तो खुलासा हुआ कि यह गोरखधंधा पड़े पैमाने पर चल रहा है। कांडला से रोजाना 25 से ज्यादा टैंकर राजस्थान के जिलों में पहुंच रहे हैं।

टैंकर चालकों के पास बिल्टी हरियाणा, दिल्ली की मिली, लेकिन केमिकल युक्त ऑयल बीकानेर-हनुमानगढ़ में बेचा गया। बीकानेर रेंज के चारों जिलों के पुलिस थानों का रिकॉर्ड खंगाला तो सामने आया कि तीन सालों में अवैध डीजल, पेट्रोल, केमिकल ऑयल के 39 मुकदमे दर्ज हुए जिनमें 43 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इस दौरान लाखों लीटर केमिकल युक्त ऑयल, नकली डीजल-पेट्रोल पकड़ा गया। पुलिस ने 30 से ज्यादा वाहन पकड़े।

बीकानेर के नोखा में माडिया गांव में गुजरात के कांडला से केमिकल युक्त ऑयल से भरा टैंकर पहुंचा, जिससे नकली डीजल बनाया जा रहा था। पुलिस ने 19 जून को 4000 लीटर नकली डीजल बरामद कर बाड़मेर निवासी जस्साराम जाट और चिक विजयसिंहपुरा निवासी श्यामसुन्दर बिश्नोई को गिरफ्तार किया। मौके पर दो पिकअप गाड़ियों में बनी टंकियों में नकली डीजल भरा जा रहा था। दोनों गाड़ियां और टैंकर जब्त किया गया। इसी तरह हनुमानगढ़ के पल्लू में बीकानेर रेंज के स्पेशल टीम ने एएसपी विजिलेंस पवन कुमार भदौरिया के नेतृत्व में महादेव होटल की आड़ में चल रही अवैध डीजल बनाने की फैक्ट्री पकड़ी। मौके से 40,200 लीटर केमिकल युक्त डीजल बरामद किया। मौके से जयपुर निवासी बनवारीलाल, श्रीगंगानगर निवासी नेतराम और हनुमानगढ़ निवासी प्रदीप को गिरफ्तार किया गया।

मूसलाधार बरसात में जनता को जैसलमेर दुर्ग से खतरा

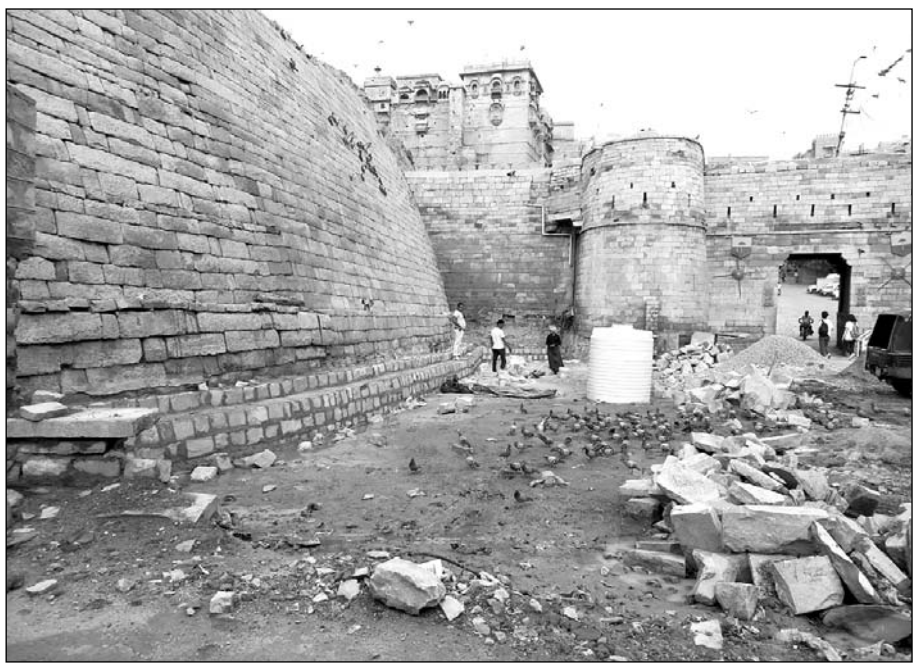

जैसलमेर दुर्ग की दीवार से नगरपरिषद आयुक्त लजपालसिंह द्वारा छेड़छाड़ करवाई जा रही है

जैसलमेर, (निसं)। जैसलमेरशहर में गुरुवार व शुक्रवार को 115 मिमी हुई मूसलाधार बरसात से जनता को किले की दीवार गिर जाने एवं उससे जानमाल का खतरा लग रहा है।

गौरतलब है कि नगरपरिषद आयुक्त लजपालसिंह सोढा अपनी जिद में बिना पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग की अनुमती के लक्ष्मीनाथ मंदिर के मुख्य मार्ग पर किले की दीवार से छेड़छाड़ करवा रहे हैं। किले की नीव सामने नजर आ रही है। किला घिया पत्थर के पहाड़ पर टिका हुआ है। नींव में पानी जाने से

- **नगरपरिषद आयुक्त लजपालसिंह सोढा लक्ष्मीनाथ मंदिर के मुख्य मार्ग पर किले की दीवार से छेड़छाड़ करवा रहे हैं**

घिया पत्थर फूल जाता है। उससे दीवार गिरने का पूरा खतरा है। पूर्व में पुरातत्व दिल्ली की सर्वेक्षण टीम ने भी चेतावनी दे रखी है।

शहर के वरिष्ठ नागरिक चम्पालाल ने बताया कि मंदिर के भक्तों की स्थिति खतरे में है। उन्होंने बताया कि नगर परिषद आयुक्त लजपालसिंह सोढा अपनी जिद में अड़े हुए हैं। कलेक्टर प्रतापसिंह द्वारा कार्य बंद करवाने का कहने के बाद भी नहीं मान रहे हैं। पूरे प्रकरण की जानकारी एक रहवासी ने सूचना के अंतर्गत मांगी है। शहरवासी एवं पूर्व पार्षद मगन सैन ने लिखा है कि आयुक्त लजपालसिंह को रोकने वाला कोई नही वो कुछ भी करवा सकते है। वर्तमान पार्षद नारायणसिंह ने भी आयुक्त के इस कार्य की भर्त्सना की है।

युवक ने आत्महत्या की

भीलवाड़ा, (निसं)। पण्डेर थाना क्षेत्र के सावर चौराहे के पास खेल स्टेडियम के टीनशेड पर रस्सी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। वहीं घटना की सूचना पर पण्डेर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक युवक के शव को लोगों की सहायता से फंदे से नीचे उतरवाकर पण्डेर मोर्चरी में रखवाया। पण्डेर थाने के दीवान जगदीश जाट ने जानकारी देते हुए बताया कि थाना क्षेत्र सावर चौराहे के खेल स्टेडियम के टीनशेड पर युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जिसकी सूचना पर मौके पर पहुंचे और मृतक युवक के शव को लोगों की सहायता से फंदे से नीचे उतरवा कर पण्डेर अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया, जहां मृतक की जानकारी करने पर कुसायता (सावर) निवासी शक्तिमान पुत्र महावीर खारोल के रूप में जानकारी हुई।

वीर तेजाजी धाम सुरसुरा में पैनोरमा का निर्माण जल्द होगा : केंद्रीय मंत्री चौधरी

अजमेर, (कासं)। वीर तेजाजी महाराज के बलिदान स्थल सुरसुरा में अभी हाल ही राजस्थान सरकार के बजट 2025-26 में वीर तेजाजी पैनोरमा निर्माण की स्वीकृति मिली थी, यह स्वीकृति केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री और स्थानीय अजमेर सांसद भागीरथ चौधरी के अथक प्रयासों से हुई। केंद्रीय राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने ग्रामीणजनों और श्रद्धालुओं की आस्था को देखते हुए राजस्थान सरकार को पत्र लिखकर बजट सत्र में घोषणा हेतु मांग रखी, जिस पर राजस्थान सरकार ने अविलंब वीर तेजाजी पैनोरमा की स्वीकृति दी थी। पैनोरमा स्वीकृति के बाद शनिवार को केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी

- **केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी सुरसुरा पहुंचे और पैनोरमा स्थल का निरीक्षण कर पैनोरमा से संबंधित चर्चा की**
- **केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी के प्रयासों से हाल ही राजस्थान सरकार के बजट 2025-26 में वीर तेजाजी पैनोरमा निर्माण की स्वीकृति मिली थी**

सुरसुरा पहुंचे, उन्होंने वहां पहुंचकर पैनोरमा स्थल का निरीक्षण कर पैनोरमा से संबंधित आवश्यक चर्चा की।

केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री चौधरी ने पैनोरमा स्थल का निरीक्षण करते हुए कहा कि जल्द ही भव्य पैनोरमा का निर्माण होगा, यह पैनोरमा न केवल वीर तेजाजी धाम सुरसुरा को एक नई पहचान और स्वरूप देगा बल्कि आने वाली पीढ़ियों को वीर तेजाजी के त्याग और बलिदान से भी परिचित कराएगा एवं इसके बनने से आमजन व श्रद्धालुओं की आस्था भी प्रबल होगी। केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने कहा कि यह पैनोरमा वीर तेजाजी के शौर्य, बलिदान और लोक आस्था को संजोकर रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और राजस्थान में भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश सरकार आस्था स्थलों के संरक्षण और विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है। केंद्रीय राज्य मंत्री चौधरी ने कहा कि वीर तेजाजी महाराज किसान वर्ग सहित आमजन के आराध्य लोक देवता हैं, जिन्होंने लाछा गूजरी की गायों की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। उनके बलिदान स्थल सुरसुरा में ऐतिहासिक और भव्य पैनोरमा का जल्द निर्माण होगा इसके लिए लगातार प्रयासरत है।

नागौर। राजस्थान की ऐतिहासिक धरोहर को संरक्षित और प्रदर्शित करने के उद्देश्य से आर्टिस्ट प्रेमचंद साँखला के सान्निध्य में आर्ट एरा के बाल एवं युवा कलाकारों ने एक अनोखी पहल की है। कलाकारों ने अमरसिंह राठौड़ की छतरियों को अपने केनवास पर उकेरकर अपनी कला का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर कलाकार इलाहीबक्स ख़िलजी ने ऐतिहासिक स्थलों के चित्रण की बारीकियां समझाई।

कोटा केन्द्रीय कारागृह का निरीक्षण

कोटा, (निसं)। जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को केन्द्रीय कारागृह का औचक निरीक्षण किया गया। शहर पुलिस अधीक्षक डॉ.अमृता दुहन ने बताया कि यह औचक निरीक्षण आई.ए.एस (प्रशिक्षु) आराधना चौहान एवं शहर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिलीप सैनी के निर्देशन में किया गया। केन्द्रीय कारागृह में किये गये औचक निरीक्षण में पुलिस उपअधीक्षक वृत प्रथम योगेश शर्मा, पुलिस उपअधीक्षक वृत द्वितीय गंगा सहाय शर्मा, पुलिस उप अधीक्षक वृत चतुर्थ मनीष शर्मा, पुलिस उपअधीक्षक वृत पंचम लोकेन्द्र पालीवाल, साईबर सेल के पुलिस उपअधीक्षक विनोद कुमार सहित 20 थानों के थानाधिकारी और 170 जवान शामिल हुए। निरीक्षण के दौरान टीम ने केन्द्रीय कारागृह का एक-एक कोने की जांच की।

व्याख्याताओं ने निदेशालय पर सांकेतिक धरना दिया

वाइस प्रिंसिपल पदों की डीपीसी से पहले वरिष्ठता को लेकर विवाद

बीकानेर, (निसं)। व्याख्याता से वाइस प्रिंसिपल पदों की वर्ष 2023-24 और 2024-25 की डीपीसी से पहले वरिष्ठता को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। राजस्थान लोक सेवा आयोग की स्कूल व्याख्याता भर्ती-2015 के चयनितों में जिस विषय की पोस्टिंग पहले हुई, उसको वरिष्ठ माना जा रहा है, जबकि इस भर्ती में सभी 19 विषयों की पोस्टिंग का काम पूरा होने में लगभग एक साल लग गया था।

इससे जिन 9 विषयों की पोस्टिंग सबसे बाद में हुई उनकी पदोन्नति अटकने की संभावना है। इससे ना केवल पदोन्नति से वंचित व्याख्याता प्रभावित हो रहे हैं, बल्कि जिन विषयों के व्याख्याता पदोन्नत नहीं होंगे, उन विषयों के पद खाली नहीं होंगे। ऐसे में उन विषयों पर नई भर्ती भी नहीं आएगी। इस विसंगति को दूर करने के लिए व्याख्याता ने कॉमन सीनियरिटी बनाकर पदोन्नति करने की मांग की है। इस मांग को लेकर प्राध्यापक स्कूल शिक्षा कॉमन सीनियरिटी संघर्ष समिति के बैनर तले प्रदेशभर के व्याख्याता ने शिक्षा निदेशालय के सामने एक दिवसीय सांकेतिक धरना देकर अपनी बात को राज्य सरकार तक पहुंचाने का प्रयास किया।

व्याख्याताओं ने कहा कि यदि कॉमन सीनियरिटी नहीं बनाई गई तो नौ विषयों के अनेक व्याख्याता पदोन्नति से वंचित रह जाएंगे। धरने को संजय मुद्गल, विकास प्रजापत, रविंद्र सिंह आदि ने संबोधित किया। पदोन्नति की इस विसंगति को दूर करना जरूरी है, ताकि सभी को पदोन्नति के समान अवसर उपलब्ध हो सके। इसके लिए या तो विभाग को सभी की कॉमन सीनियरिटी बनाकर पदोन्नति देनी चाहिए, या फिर सभी विषयों के व्याख्याताओं की समान रूप संख्या लेते पदोन्नति की जाए, ताकि सभी को समान अवसर उपलब्ध हो सके।

जोधपुर रेल मंडल ने स्वदेशी सॉफ्टवेयर विकसित किया

जोधपुर, (कासं)। भारतीय रेलवे में तकनीकी नवाचार की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए, उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल ने पूरी तरह से इन हाउस (स्वदेशी) रूप से एक उन्नत वेब आधारित स्पीडो मीटर विश्लेषण सॉफ्टवेयर का सफल विकास किया है।

मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी ने बताया कि यह सॉफ्टवेयर ट्रेन संचालन के दौरान उत्पन्न स्पीडो मीटर डेटा का विश्लेषण कर, लोको पायलट की ड्राइविंग तकनीक और गति प्रतिबंधों के अनुपालन की निगरानी करता है। इस नवाचार की पहल जोधपुर मंडल के यांत्रिक विभाग के वरिष्ठ इंजीनियर, जोगेन्द्र मीणा के नेतृत्व में पूर्णत: मंडल स्तर पर विकसित की गई है।

डीआरएम त्रिपाठी ने बताया कि इस सॉफ्टवेयर को 21 जून को जयपुर में आयोजित प्रतिष्ठित 65वीं इलेक्ट्रिकल स्टैंडर्ड्स कमेटी बैठक में वरिष्ठ मण्डल यांत्रिक अभियंता (शक्ति) जोगेंद्र मीना द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर रेलवे बोर्ड के सदस्य (कर्षण एवं रोलिंग स्टॉक) बी.एम. अग्रवाल, महाप्रबंधक उत्तर-पश्चिम रेलवे अमिताभ तथा पूरे भारतीय रेलवे से आए वरिष्ठ विभागाध्यक्ष की

- **उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल ने पूरी तरह से इन हाउस (स्वदेशी) रूप से एक उन्नत वेब आधारित स्पीडो मीटर विश्लेषण सॉफ्टवेयर का सफल विकास किया**

उपस्थिति रही। इस प्रस्तुति को व्यापक सराहना प्राप्त हुई। यह सॉफ्टवेयर मुख्य लोको निरीक्षक को अब मैन्युअल डेटा विश्लेषण की आवश्यकता के बिना, कुछ ही मिनटों में सटीक, विस्तृत एवं ग्राफिकल रिपोर्ट प्रदान करता है। इस प्रणाली से ड्राइविंग पैटर्न, ब्रेकिंग तकनीक एवं गति प्रतिबंधों के पालन की वास्तविक समय में निगरानी संभव हो पाई है।जहां पूर्व में इस प्रक्रिया में घंटों का समय और भारी मानव संसाधन लगते थे, अब यह कार्य पूर्णत: डिजिटल, तेज और प्रभावी हो गया है। यह नवाचार परिचालन दक्षता, सुरक्षा और निगरानी प्रणाली को सशक्त बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

सीकर सोलर प्रोजेक्ट के लिए एग्रीमेंट

जयपुर/सीकर। एसीएमई सोलर होल्डिंग्स लिमिटेड की सहायक कंपनी, एसीएमई सीकर सोलर प्राइवेट लिमिटेड ने राजस्थान में 300 मेगावाट के सोलर प्रोजेक्ट के लिए सोलर एनर्जी कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एसईसीआई) के साथ 25 वर्षों का पॉवर परचेस एग्रीमेंट (पीपीए) साइन किया है। इस समझौते में 3.05 रुपए प्रति यूनिट की तय दर पर बिजली देने का करार हुआ है। यह समझौता एसीएमई सीकर द्वारा 300 मेगावाट का प्रोजेक्ट शुरू करने के बाद किया गया है। यह निविदा पहले सोलर एनर्जी कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एसईसीआई) की आईएसटीएस अठारहवीं ट्रेंच के तहत प्राप्त की गई थी और इसकी तय टैरिफ दर को केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग ने 30 मई, 2025 को औपचारिक मंजूरी दी थी। समझौते के अनुसार, इस प्रोजेक्ट से बिजली आपूर्ति 30 जून 2025 या उससे पहले शुरू होनी चाहिए। इस प्रोजेक्ट को इंटर-स्टेट ट्रांसमिशन सिस्टम शुल्क से छूट भी प्राप्त है, क्योंकि इसकी निर्धारित वाणिज्यिक संचालन तिथि जून 2025 की सरकारी समयसीमा से पहले की है।

अपर मंडल रेल प्रबंधक ने जोधपुर-बीकानेर रेलखंड का निरीक्षण किया

जोधपुर, (कासं)। उत्तर-पश्चिम रेलवे के जोधपुर अपर मंडल रेल प्रबंधक राकेश कुमार ने शनिवार को मंडल के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ जोधपुर-मेड़ता रोड-बीकानेर रेल खंड के विभिन्न रेलवे स्टेशनों का निरीक्षण कर मूलभूत यात्री सुविधाओं और चल रही विकास परियोजनाओं की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने जोधपुर मेड़ता रोड रेलखंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया तथा मंडल के मेड़ता रोड, मारवाड़ मुंडवा, नागौर, बदवासी और नोखा रेलवे स्टेशनों पर उपलब्ध मूलभूत यात्री सुविधाओं का जायजा लिया और उनके संरक्षण और उन्नयन के निर्देश दिए।

इस दौरान राकेश कुमार ने मेड़ता रोड डेमू शेड का निरीक्षण किया तथा ट्रेनों के रखरखाव और कार्मिकों की दक्षता की जानकारी ली। बाद में उन्होंने मेड़ता रोड, नागौर व नोखा रेलवे स्टेशनों के अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत कराए जा रहे पुनर्विकास कार्यों का अवलोकन किया और कार्य के गुणवत्ता मानकों को ध्यान में रखते हुए कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने मानसून सीजन के मद्देनजर अंडरपासों से जल निकासी की व्यवस्था भी जांची। निरीक्षण दौरे के दौरान अपर मंडल रेल प्रबंधक ने रेल मार्ग पर परिचालन क्षमता, सुरक्षा व संरक्षा और यात्री सेवाओं में वृद्धि तथा फीडबैक के लिए वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मौके पर चर्चा की।

मानसिक प्रताड़ना से परेशान एक युवक जहरीला पदार्थ खाकर थाने पहुंचा

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के मांडल थाना क्षेत्र में सात वर्ष से बेरोजगारी और लगातार मानसिक प्रताड़ना से परेशान एक युवक ने शनिवार को जहरीला पदार्थ खा लिया और और मांडल थाने पहुंच गया। मामला मांडल थाना क्षेत्र के सूरास गांव का है, जहां के निवासी किशन गुर्जर (35) पुत्र गोवर्धन गुर्जर ने भाजपा मंडल अध्यक्ष भैरूलाल गाडरी सहित अन्य कुछ लोगों पर नौकरी से निकलवाने और धमकियां देने के आरोप लगाए हैं।

जानकारी के अनुसार किशन गुर्जर पहले जिंदल प्लांट में केजुअल ठेकेदार भैरूलाल गाडरी के अधीन माइनिंग हेल्पर के पद पर कार्यरत था। करीब तीन वर्षों तक कार्य करने के बाद राजनीतिक द्वेष के चलते उसे काम से निकलवा दिया गया। पीड़ित के अनुसार उसने इस अन्याय के खिलाफ न्यायालय में मुकदमा भी दायर किया, जो वर्तमान में जोधपुर हाईकोर्ट में विचाराधीन है। किशन का आरोप है कि जब उसने न्यायालय में रिपोर्ट दर्ज कराई तो रिपोर्ट वापस लेने के लिए पैसों का लालच और धमकियां दी गईं। मना करने पर उसके साथ मारपीट की गई और जान से मारने की धमकियां भी दी जाती रही हैं। किशन ने आरोप लगाया कि वह वर्ष 2018 से लगातार

जहरीला पदार्थ खाकर युवक मांडल थाने पहुंच गया।

मानसिक रूप से प्रताड़ित हो रहा है और इन परिस्थितियों ने उसे डिप्रेशन में धकेल दिया। शनिवार को किशन ने जहरीला पदार्थ खाया और मांडल थाने पहुंचकर पुलिस से कहा कि पहले मेरी रिपोर्ट दर्ज करो, फिर जो करना हो कर लेना। पुलिस ने मामले की गंभीरता को समझते हुए तत्काल उसे उपजिला अस्पताल मांडल भिजवाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत बिगड़ने पर जिला अस्पताल भीलवाड़ा रेफर किया गया।

पीड़ित द्वारा लिखे सुसाइड नोट और पत्रों में भाजपा मंडल अध्यक्ष भैरूलाल गाडरी सहित अन्य पर संगीन आरोप लगाए गए हैं। किशन ने यह भी लिखा है कि वह लंबे समय से मानसिक रूप से परेशान है और न्याय न मिलने की स्थिति में जीवनलीला समाप्त करने को मजबूर है। फिलहाल उसका इलाज जिला अस्पताल में जारी है। देर शाम तक इस

- **युवक ने भाजपा मंडल अध्यक्ष भैरूलाल गाडरी सहित अन्य कुछ लोगों पर नौकरी से निकलवाने और धमकियां देने के आरोप लगाए**
- **युवक किशन गुर्जर पहले जिंदल प्लांट में केजुअल ठेकेदार भैरूलाल गाडरी के अधीन माइनिंग हेल्पर के पद पर कार्यरत था**
- **करीब तीन वर्षों तक कार्य करने के बाद राजनीतिक द्वेष के चलते उसे काम से निकलवा दिया गया था**

मामले में पुलिस द्वारा कोई औपचारिक प्रकरण दर्ज नहीं किया गया था।

जहर खाकर पहुंचा थाने :- युवक किशन ने आहत होकर जहर का सेवन कर लिया था, जिसकी जानकारी जैसे ही उसके पिता गोवर्धन गुर्जर को हुई तो वे जल्दी उसको मांडल अस्पताल लेकर पहुंचने लगे किंतु उसने कहा अगर थाने में ले जाकर मेरी रिपोर्ट दर्ज नहीं को तक में अस्पताल नहीं जाऊंगा। तब तक उसको जहर का ज्यादा असर नहीं हुआ था।उसके पिता उसे थाने ले गए, जहां पुलिस के कहने पर वह शीघ्र पहले उसे अस्पताल ले गए जहां से उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

भैरूलाल गाडरी, भाजपा मंडल अध्यक्ष, मांडल का कहना है कि जब किशन गुर्जर जिंदल प्लांट में काम करता था तब उसके विरुद्ध महिला के साथ छेड़छाड़ का एवं चोरी का आरोप लगा था और उसका गेट बंद दिया गया। इसको हाईकोर्ट से जमानत हुई थी और जिस कारण पुलिस वेरिफिकेशन नहीं बन पाई और उसके बिना नहीं लगाया जाता है। कुछ कारणों से जिंदल का काम बंद है इसके चलते कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा षड्यंत्र रचने के प्रयास किए जा रहे हैं। मैंने इसको कभी प्रताड़ित नहीं किया है किंतु दो दिन पूर्व जानकारी हुई कि उसने किसी व्यक्ति को मुझे जिंदल में भैरू गाडरी ने नहीं लगवाया तो गोली से मार दूंगा तब मैने उसके विरुद्ध थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी, आरोप निराधार है, जांच में सब सामने आ जाएगा।

तहसीलदार की कार पर पथराव और लूट के पांच आरोपी गिरफ्तार

चितरी पुलिस ने तहसीलदार की कार पर पथराव करने वाले आरोपियों को बापर्दा गिरफ्तार किया।

डूंगरपुर, (निसं)। चितरी थाना पुलिस ने तहसीलदार सुंदरलाल मीणा की कार पर पथराव करने वाले पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। साथ ही चार नाबालिगों को डिटेन किया गया है। घटना 25 जून की रात की है। तहसीलदार सुंदरलाल मीणा अपने परिवार के साथ सागवाडा से लौट रहे थे। राजवेडा घाटी के पास तीन बाइक पर सवार नौ युवकों ने उनकी कार का पीछा किया। नादियां में आरोपियों ने कार को ओवरटेक कर रोक लिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आरोपियों ने तहसीलदार के साथ गाली-गलौच की और हाथापाई की। उनकी शर्ट की जेब से रुपए और मोबाइल छीनने का प्रयास किया। तहसीलदार किसी तरह वहां से निकले, लेकिन आरोपियों ने कार पर पत्थर फेंके जिससे कार के कांच टूट गए। पुलिस ने जांच के बाद राजवेडा निवासी राहुल पारगी, रामसौर निवासी अजेश ताबियाड, मोदरा छोटा निवासी प्रकाशचंद्र कटारा, राकेश डामोर और मोरडी निवासी विपिन डामोर को गिरफ्तार किया। घटना में इस्तेमाल की गई तीनों बाइक भी जब्त की गई हैं। पांचों आरोपियों को कोर्ट में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। चार नाबालिगों को बाल सम्प्रेषण गृह डूंगरपुर भेजा गया है। जांच में पाया गया कि सभी आरोपियों का इरादा लूटपाट का था।

चिखली तहसीलदार की गाड़ी पर पथराव करवाने वाले आरोपियों का पुलिस की ओर से जुलूस भी निकला गया। पुलिस ने बापर्दा चितरी कस्बे और आस पास के क्षेत्र में जुलूस निकाला। पहली बार आरोपियों को सड़कों पर लेकर जुलूस के बाद लोगों में भी चर्चा का विषय बन गया। लोगों ने पुलिस के इस पहल की तारीफ की। वहीं बदमाश इस दौरान हाथ जोड़कर कभी पत्थर नहीं मारेंगे के लिए मिन्नतें करते रहे।

अगर टीम इंडिया एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पाती है तो गौतम गंभीर पर सवालिया निशान लग सकते हैं। गंभीर ने याचिकाकर्ताओं से जो भी मांग कि उन्हें वह सब कुछ दिया गया है और अब उन पर रिजल्ट देने का भारी दबाव है। **- आकाश चोपड़ा**

पूर्व भारतीय बल्लेबाज, गौतम गंभीर के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

नजमुल शांतो

बंगलादेश क्रिकेट टीम के कप्तान नजमुल शांतो ने शनिवार को श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज हारने के बाद कप्तानी से इस्तीफा दे दिया। शांतो मेहदी हसन मिराज को एकदिवसीय टीम का कप्तान बनाये जाने से नाराज चल रहे थे। आज यहां संवाददाता सम्मेलन में शांतो ने अपने इस्तीफे की घोषणा की। श्रीलंका के खिलाफ पारी और 78 रन से कोलंबो टेस्ट में हारने के बाद शांतो ने कहा, मैं अब टेस्ट की कप्तानी जारी नहीं रखूंगा। उन्होंने कहा, यह मेरा कोई व्यक्तिगत मामला नहीं है। टीम की बेहतरी के लिए मैंने यह फैसला किया है।

क्या आप जानते हैं ?... डिफेंडर गोस्था पॉल भारत के राष्ट्रीय टीम के पहले कप्तान थे। उन्होंने 1920 और 1930 के दशक में भारतीय टीम का नेतृत्व किया था।

आयुष और तन्वी यूएस ओपन के सेमीफाइनल में

आयोवा (अमेरिका), 28 जून। आयुष शेट्टी और तन्वी शर्मा ने शुक्रवार को अपने-अपने क्वार्टरफाइनल मैच जीतकर यूएस ओपन 2025 बैडमिंटन के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। आज यहां खेले गये पुरुष एकल बैडमिंटन मुकाबले में रैंकिंग में 34वें स्थान पर मौजूद चौथे वरीय आयुष शेट्टी ने क्वार्टरफाइनल में चीनी ताइपे के पूर्व जूनियर विश्व चैंपियन कुओ कुआन-लिन को 22-20, 21-9 से हराकर डब्ल्यूएफ सुपर 300 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। 38 मिनट तक चले मुकाबले में पहले गेम में 19-16 से पिछड़ने के बाद आयुष शेट्टी ने वापसी करते हुए पहला गेम टाई-ब्रेक में जीता और फिर दूसरे गेम 21-9 जीतकर मुकाबला अपने नाम किया। शनिवार को होने वाले सेमीफाइनल में आयुष शेट्टी का मुकाबला शीर्ष वरीय और दुनिया के छठे नंबर के चीनी ताइपे के चोउ टिएन-चेन से होगा। इससे पहले उन्होंने मार्च में ऑरलियन्स मास्टर्स में अंतिम चार में जगह बनाई थी। इस बीच दुनिया की 66वें नंबर की खिलाड़ी तन्वी शर्मा ने भी क्वार्टरफाइनल में बैडमिंटन रैंकिंग में 50वें स्थान पर काबिज मलेशिया की कारूपाथेवन लेतशाना को 21-13, 21-16 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई तन्वी का सेमीफाइनल में दुनिया की 40वें नंबर की खिलाड़ी और यूक्रेन की सातवीं वरीयता प्राप्त पोलिना बुहरोवा से भिड़ंगी।

जूनियर पुरुष हॉकी विश्वकप में 24 टीमें लेगी भाग, भारत-पाकिस्तान पूल-बी में

लुसाने, (स्विटजरलैंड), 28 जून। तमिलनाडु के चेन्नई और मुदैरे में होने वाले एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्वकप में 24 टीमें लेंगी भाग। शनिवार को हुए ड्रा में इन टीमों को छह पूलों में विभाजित किया है। भारत और चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को पूल 'बी' में रखा गया है। आज यहां स्विटजरलैंड के लुसाने में आयोजित हॉकी पुरुष जूनियर विश्वकप के ड्रा समारोह में एफआईएच अध्यक्ष तैयब इकराम ने हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह और हॉकी इंडिया के महानिदेशक कमांडर आरके श्रीवास्तव के साथ ड्रा समारोह में भाग लिया। इस अवसर तैयब इकराम ने कहा, मेरे लिए यह बहुत खुशी की बात है कि हम इस महत्वपूर्ण क्षण से पहले यहाँ आए हैं, क्योंकि हम पहली बार 24 टीमों वाले एफआईएच जूनियर हॉकी विश्वकप का आयोजन करने जा रहे हैं। यह उभरते देशों सहित सभी देशों के युवाओं को सशक्त बनाने और उन्हें शामिल करने की एफआईएच रणनीति का एक हिस्सा है, और यह आयोजन ऐसा करने की दिशा में पहला कदम होगा।

टूर्नामेंट में 24 टीमें भाग लेंगी और उन्हें छह पूलों में विभाजित किया गया है।

पूल ए: जर्मनी, दक्षिण अफ्रीका, कनाडा और आयरलैंड

पूल बी: भारत, पाकिस्तान, चिली और स्विटजरलैंड

पूल सी: अर्जेंटीना, न्यूजीलैंड, जापान और चीन

पूल डी: स्पेन, बेल्जियम, मिस्त्र और नामीबिया

पूल ई: नीदरलैंड, मलेशिया, इंग्लैंड और ऑस्ट्रिया

पूल एफ: फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया, कोरिया और बंगलादेश

शाहपुरा में सब जूनियर तैराकी प्रतियोगिता, पहले दिन 7 नये रिकॉर्ड बने

शाहपुरा (भीलवाड़ा), 28 जून। राजस्थान तैराकी संघ के तत्वावधान में सब जूनियर राज्य स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता का आयोजन स्थानीय नगर परिषद तरणताल पर शनिवार से प्रांरभ हुई। प्रात:कालीन सत्र में स्विमिंग फैडरेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अनिल व्यास की मौजूदगी में प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। प्रतियोगिता के पहले दिन 7 नये रिकार्ड बने है। राजस्थान तैराकी संघ के अध्यक्ष अनिल व्यास ने बताया कि आज पहले दिन 400 मीटर फ्री स्टाईल में प्रात्येक कुरिया जयपुर ने 4.46.10 का समय लेकर नया रिकार्ड बनाकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। दूसरे स्थान पर हर्षादित्य सिंह उदयपुर (4.52.09) व राजवीर दहिया भीलवाड़ा(5.03.00) तृतीय स्थान पर रहे। 100 मीटर बेक स्ट्रोक में हर्षादित्य सिंह उदयपुर ने 1.14.65 का समय लेकर नया रिकार्ड बनाकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। अमन सामोता सीकर ने 1.25.32 के समय से दूसरा व समर पूनिया श्रीगंगानगर ने 1.22.10 के समय से तीसरा स्थान प्राप्त किया। 100 मीटर ब्रेस्ट स्ट्रोक में सीकर के अमन समोता ने 1.26.17 का समय लेकर पहला, लक्की निठरवाल ने 1.27.78 का समय लेकर दूसरा व श्री गंगानगर के समय पूनिया ने 1.28.52 का समय लेकर तीसरा स्थान प्राप्त किया। 100 मीटर फ्री स्टाईल में उदयपुर के हर्षादित्य सिंह ने 1.01.50 का समय लेकर पहला स्थान प्राप्त किया व नया रिकार्ड बनाया। प्रात्येक कुरिया जयपुर ने 1.02.86 का समय लेकर दूसरा व भीलवाड़ा के राजवीर दहिया ने 1.04.88 का समय लेकर तीसरा स्थान प्राप्त किया। बालिका वर्ग में 400 मीटर फ्री स्टाईल में चित्तौड़ की अंशिका धाकड़ ने 5.24.38 का समय लेकर नया रिकार्ड बनाकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। दूसरे स्थान प्राप्त पर भीलवाड़ा की आराध्या व्यास ने 5.35.69 का समय लिया व तीसरे स्थान पर जयपुर की अंशिका चोधरी ने 5.35.88 का समय लिया। 100 मीटर ब्रेस्ट स्ट्रोक में भीलवाड़ा की आराध्या व्यास ने 1.35.02 का समय लेकर नया रिकार्ड बनाकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। जयपुर की यस्शवी अग्रवाल ने 1.41.53 का समय लेकर दूसरा व जयपुर की सशस्वी तिवारी ने 1.42.57 का समय लेकर तीसरा स्थान प्राप्त किया। 100 मीटर बेक स्ट्रोक में जयपुर की अश्विका चोधरी ने 1.25.65 का समय लेकर नया रिकार्ड बनाया व प्रथम स्थान प्राप्त किया। भीलवाड़ा की निकिता चोधरी ने 1.31.16 का समय लेकर दूसरा व जयपुर की सिद्विक्षा कावड़िया ने 1.38.80 का समय लेकर तीसरा स्थान प्राप्त किया। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले तैराक को गोल्ड मेडल, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले को सिल्वर व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले तैराक को कांस्य पदक व प्रमाण पत्र राजस्थान तैराकी संघ की ओर से दिया गया। प्रतियोगिता का समापन 29 जून को शाहपुरा तरण ताल पर होगा।

स्मृति मंधाना का आतिशी शतक, भारतीय महिला टीम ने इंग्लैंड को दिया 211 रनों का लक्ष्य

नॉटिंघम, 28 जून। कप्तान स्मृति मंधाना (112) और हरलीन देओल (43) की शानदार बल्लेबाजी के दम पर भारतीय महिला टीम ने शनिवार को पहले टी-20 मुकाबले में इंग्लैंड को जीत के लिए 211 रनों का लक्ष्य दिया। आज यहां इंग्लैंड की महिला टीम ने टॉस जीतकर भारत को पहले बल्लेबाजी का न्यौता दिया। बल्लेबाजी करने उतरी भारत की शेफाली वर्मा और कप्तान स्मृति मंधाना की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट लिए 77 रन जोड़े। नौवें ओवर में एमिली आरलट ने शेफाली वर्मा (20) को आउटकर इंग्लैंड को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी हरलीन देओल ने मंधाना का बखूबी साथ निभाया। दोनों बल्लेबाजों ने आतिशी बल्लेबाजी का मुजाहिरा करते हुए दूसरे विकेट के लिए 94रनों की साझेदारी की।

16वें ओवर की आखिरी गेंद पर लॉरेन बेल ने हरलीन देओल को आउटकर इंग्लैंड के लिए दूसरा विकेट लिया। हरलीन देओल ने 23 गेंदों में सात चौकों की मदद से (43) रन बनाये। ऋचा घोष (तीन) और जेमिमाह रॉड्रिग्स (शून्य) लॉरेन बेल का शिकार बनी। 20वें ओवर में भारत का पांचवां विकेट स्मृति मंधाना के रूप में गिरा। मंधाना ने 62 गेदों में 15 चौके और तीन छक्कों की मदद से (112) रनों की पारी खेली। भारतीय महिला टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में पांच विकेट पर 210 रन का स्कोर खड़ा किया। इंग्लैंड की ओर से लॉरेन बेल ने तीन विकेट लिये। सोफी एकल्सटन और एमिली आरलट ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

प्रसिद्ध ने ली इंग्लैंड के खिलाफ खराब गेंदबाजी की जिम्मेदारी

नई दिल्ली, 28 जून। भारतीय गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में खराब प्रदर्शन पर चुप्पी तोड़ते हुए जिम्मेदारी ली है। उन्होंने कहा कि वह हर समय अपनी गेंदबाजी में संयम बरतने की कोशिश कर रहे थे। लीड्स में सीरीज के पहले मैच में 200 से ज्यादा लुटाने के बाद कई पूर्व खिलाड़ियों ने प्रसिद्ध कृष्णा की आलोचना की। भारत ये मैच पांच विकेट से हार गया था। प्रसिद्ध कृष्णा ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि, लीड्स टेस्ट की पहली पारी में मैंने जरूरत से ज्यादा शॉट गेंद डाली। दूसरी पारी में ये थोड़ा बेहतर रहा और विकेट थोड़ा धीमा था। उन्होंने कहा कि, मैंने निश्चित रूप से उस लंबाई पर गेंदबाजी नहीं की जो मैं करना चाहता था। मुझे सही लंबाई में सामंजस्य बिठाने में कुछ समय लगा। मुझे हालांकि, एक पेशेवर के रूप में ऐसा करने में सक्षम होना चाहिए। मैं इसकी पूरी जिम्मेदारी लेता हूं और शायद अगली बार इसे बेहतर तरीके से कर पाऊं। प्रसिद्ध ने पहली पारी में 20 ओवरों में 6.40 की इकॉनमी से 128 रन दिए, जो एक पारी में कम से कम 20 ओवर गेंदबाजी करने वाले किसी भारतीय गेंदबाज द्वारा सबसे खराब आंकड़ों में से एक है। उन्होंने इस दौरान ओली पोप, हैरी ब्रूक और जेमी स्मिथ के विकेट चटकाए।

प्रसिद्ध ने कहा कि, मैं जब भी गेंदबाजी के लिए आता हूं तो मेरी कोशिश मेडल ओवर डालने की होती है। मैं वास्तव में बल्लेबाजों को आसानी से रन बनाने का मौका देने से बचना चाहता हूं। उस मैदान की आउटफील्ड तेज थी। ईमानदारी से कहूं तो मैंने जिस लंबाई और दिशा में गेंदबाजी की वह ज्यादातर समय सही नहीं थी। इसमें से कुछ ऐसे रन भी थे जो बल्ले के बाहर या अंदरुनी किनारे से लग कर आए थे।

आरसीए के क्रिकेट पिच पर राज्य सरकार ने बदली राजनीति की बिसात

जयदीप बिहाणी को हटाकर दीनदयाल कुमावत को तदर्थ समिति संयोजक बनाया

जयपुर, 28 जून। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन में चुनाव करवाने को लेकर चल रही खींचतान के बीच अब मंजू राजपाल, रजिस्ट्रार सहकारी समितियां राजस्थान ने 27 जून 2025 को नया आदेश जारी कर नई एडहॉक कमेटी का गठन कर दिया जिसमें भाजपा विधायक जयदीप बिहाणी की जगह सवाई माधोपुर क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष दीनदयाल कुमावत को आरसीए की एडहॉक कमेटी का संयोजक बनाया गया है। वहीं चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह के पुत्र एवं जोधपुर जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष धनंजय सिंह को कमेटी का सदस्य बनाया गया है। इसके अलावा प्रतापगढ़ जिला क्रिकेट संघ के सचिव पिंकेश कुमार जैन को सदस्य, सीकर जिला क्रिकेट संघ के कोषाध्यक्ष आशीष तिवाड़ी को सदस्य एवं अलवर जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष मोहित यादव को सदस्य बनाया गया है। मंजू राजपाल, रजिस्ट्रार सहकारी समितियां की ओर से जारी आदेश में बताया गया है कि विभाग के आदेश दिनांक 28.03.2024 के द्वारा राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की कार्यकारिणी समिति का तीन माह की अवधि में निर्वाचन कराए जाने हेतु तदर्थ कार्यकारी समिति नियुक्त की गई थी। इसके बाद भी कई बार कार्यकाल बढ़ाने के बाद भी चुनाव नहीं हो पाए। तदर्थ कार्यकारी समिति, राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा अपरिहार्य कारणों से निर्धारित समय सीमा में चुनाव नहीं करा पाने के कारण अब राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की तदर्थ कार्यकारी समिति का फिर से कार्यकाल बढ़ाया गया है। वहीं इसमें बदलाव भी किया गया है।

डीडी कुमावत का संक्षिप्त परिचय : आरएसएस की छात्र ईकाई एबीवीपी राजस्थान विश्वविद्यालय में सक्रिय छात्र नेता रहते हुए कई आंदोलनों में सक्रिय रूप से भाग लिया। इसके बाद भाजयुमो के प्रदेशाध्यक्ष रहते हुए जुझारू रूप से अग्रणी भूमिका निभाई। जयपुर जिला ग्रामीण भाजपा देहात के जिला अध्यक्ष रहते हुए भाजपा की सदस्यता में विस्तार किया और ग्रामीण क्षेत्र में भाजपा संगठन को खड़ा किया। गत विधानसभा चुनाव के दौरान भरतपुर में पार्टी का संयोजक बनाया गया।

धनंजय पर राज्य सरकार ने एक बार फिर भरोसा जताया

जयपुर, 28 जून। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन एडहॉक कमेटी में शामिल हुए धनंजय सिंह पर राज्य सरकार ने एक बार फिर भरोसा जताया है। धनंजय सिंह को एडहॉक कमेटी सदस्य बनाया गया है। इस पर धनंजय सिंह ने कहा कि राजस्थान क्रिकेट संघ की एडहॉक समिति में मुझे पुन: ज़िम्मेदारी सौंपा जाना मेरे लिए केवल एक दायित्व नहीं, बल्कि सरकार और नेतृत्व के प्रति विश्वास एवं स्नेह का प्रतीक है। धनंजय सिंह ने आभार जताते हुए कहा कि इस महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व हेतु मैं अपनी ओर से विनम्र कृतज्ञता व्यक्त करता हूँ। राजस्थान के मुख्यमंत्री एवं भजनलाल शर्मा , खेल क्षेत्र में भारत का गौरव बढ़ाने वाले खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ तथा भारतीय जनता पार्टी राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ का मुझ पर राजस्थान क्रिकेट को नवदिशा और नई ऊर्जा देने के इस प्रयास में मैं अपनी सम्पूर्ण क्षमता से सहभागी रहूँगा।

चुनाव कराने में फेल रही थी बिहाणी वाली कमेटी : राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की कार्यकारिणी को भंग कर सरकार ने पिछले साल 28 मार्च के दिन एडहॉक कमेटी का गठन किया था। इसे 3 महीने में राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के चुनाव कराने की जिम्मेदारी दी गई थी। लेकिन 5 बार सरकार द्वारा गठित की गई एडहॉक कमेटी एसोसिएशन के चुनाव नहीं करा पाई। बिहाणी कमेटी में कुल 6 लोग थे। नई बनी कमेटी में कन्वीनर सहित 5 मेंबर हैं। इस कमेटी को सितंबर तक इलेक्शन कराने होंगे।

एडहॉक कमेटी के पिछले कार्यकाल में जयदीप बिहाणी ने कमेटी के सदस्यों धर्मवीर सिंह और रतन सिंह के खिलाफ मोर्चा खोल दिया था। वहीं, धनंजय सिंह, धर्मवीर सिंह और रतन सिंह ने जयदीप बिहाणी को तानाशाह बताया था। इस बीच एडहॉक कमेटी पर बीसीसीआई के फंड का दुरुपयोग करने के भी आरोप लगे थे। उसके बाद से ही माना जा रहा था कि राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की नई एडहॉक कमेटी में बदलाव हो सकता है।

नेता-पुत्रों की फिर से एंट्री

नवगठित कमेटी में जिन तीन नए चेहरों को शामिल किया गया है, वे सभी जिला क्रिकेट संघों से जुड़े हैं और सत्तारूढ़ दल से सीधा नाता रखते हैं।

आशीष तिवाड़ी - सीकर जिला क्रिकेट संघ के कोषाध्यक्ष और राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी के बेटे।

मोहित यादव - अलवर जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष और विधायक जसवंत यादव के पुत्र।

पिंकेश कुमार जैन - प्रतापगढ़ जिला क्रिकेट संघ के सचिव, जो भाजपा के मीडिया सेल से भी सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं।

धनंजय सिंह खींवसर बरकरार, पुरानी एडहॉक कमेटी के सदस्य धनंजय सिंह खींवसर को इस बार भी शामिल किया गया है। वे जोधपुर जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष और मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर के बेटे हैं।

कप्तान रनंजय की हैट्रिक की मदद से जयपुर ने डूंगरपुर को 6-1 से रौंदा

जयपुर, 28 जून। आज खेले गए प्रीक्वार्टर फाइनल मैच में जयपुर ने एक तरफा मुकाबले में डूंगरपुर को 6 -1 से पराजित किया और क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। जयपुर जिला फुटबॉल चयन समिति के वरिष्ठ सदस्य अब्दुल जब्बार ने बताया कि मैच की शुरुआत से ही जयपुर ने आक्रामक खेल से विपक्षी टीम को दबाव में बनाए रखा और खेल के दूसरे ही मिनट में कप्तान रनंजय भाटी को मिडफील्डर अक्षत ने पास दिया जिस पर कप्तान ने 22 यार्ड से शानदार शूट लेकर गोल डूंगरपुर के पोस्ट में डाल दी।

मैच की शुरुआत में ही हुए इस गोल से डूंगरपुर की टीम भारी दबाव में आ गई और 5 मिनट बाद ही रिबाउंड पर जयपुर टीम के विंगर आयुष मीणा ने शानदार गोलकर टीम का स्कोर 2 - 0 कर दिया। 15 वे मिनट में कप्तान रनंजय भाटी ने फिर बाल अपने कब्जे में लेकर 18 यार्ड से ही शूट कर अपना दूसरा और टीम का तीसरा गोल किया।

इसके बाद जयपुर की टीम लगातार हमले करती रही लेकिन डूंगरपुर की टीम ने कुछ हद तक अपने आप को संभाल कर जयपुर की टीम को अगले 20 मिनट

तक रोके रखा। हाफ टाइम खत्म होने से पहले कप्तान रनंजय भाटी ने फिर अपने खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए पेनल्टी बॉक्स के बाहर से ही सीधे शूट कर अपना तीसरा और टीम का चौथा गोल किया। हाफ टाइम तक गोल स्कोर 4 - 0 से जयपुर के पक्ष में रहा।

हाफ टाइम के बाद भी मैच की पकड़ जयपुर के पक्ष में ही रही और जयपुर की टीम लगातार हमला करती रही। मैच के 58 वे मिनट में डूंगरपुर के गोलकीपर से रिबॉन्ड पर मिली बॉल पर मध्य पंक्ति के खिलाड़ी जयपुर के उप कप्तान अक्षित शर्मा ने शानदार गोल कर टीम का स्कोर 5 - 0 कर दिया। मैच के आखिरी 10 मिनट में डूंगरपुर की टीम ने एकजुट होकर कुछ शानदार मूव बनाएं और जिसके फलस्वरूप डूंगरपुर के फॉरवर्ड ने जयपुर की रक्षा पंक्ति को भेदते हुए अपनी टीम का एकमात्र गोल किया।

मैच खत्म होने से 4 मिनट पहले जयपुर की टीम को कॉर्नर मिला जिस पर जयपुर के फारवर्ड समर प्रताप सिंह न डाई लगाकर सिर से शानदार गोल किया। आखिर में जयपुर ने मैच 6 - 0 के स्कोर से जीत लिया जयपुर जिला फुटबॉल चयन समिति के सदस्य श्री अब्दुल जब्बार, हेड कोच हितेश शर्मा, सदस्य श्री मनोज शर्मा, डॉक्टर दिलीप सिंह चुंडावत और सेबी फिलिप्स ने टीम को शानदार जीत के लिए बधाई दी है। टीम कल अपना क्वार्टर फाइनल मैच सीकर के खिलाफ खेलेगी।

राजस्थान की हैप्पी कुमारी व कौशल्या चौधरी एनसीए सेंटर फॉर एक्सीलेंस अंडर-23 वीमेन इमर्जिंग प्लेयर प्रतियोगिता के लिए चयनित

जयपुर, 28 जून। बीसीसीआई की राष्ट्रिय वीमेन प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन करने वाली राजस्थान की हैप्पी कुमारी व कौशल्या चौधरी को बीसीसीआई महिला चयन कमेटी ने आगामी 12 व 27 जुलाई 2025 के दौरान बेंगलोरएनसीएसेंटर फॉर एक्सीलेंस द्वारा आयोजित होने वाली इमर्जिंगवीमेन प्लेयर प्रतियोगिता की विभिन्न टीमों के लिए किया है। राजस्थान की हैप्पी कुमारी व कौशल्या चौधरी को बेंगलोर के स्थित एनसीए सेंटर फॉर एक्सीलेंस, बंगलौर में दिनांक 11 जुलाई को रिपोर्ट करना होगा।

नारायणा क्रिकेट अकादमी जीती

जयपुर, 28 जून। अंडर-16 अरावली कप में नारायणाक्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 40 ओवर में 215 रन 9 विकेट के नुकसान पर बनाए। प्रणव चौधरी ने 65 और रवि कश्यप ने 46 रनों का योगदान दिया। देवेंद्र सिंह शेखावत क्रिकेट अकादमी की ओर से रौनक सिंह और तनवीर अहमद ने दो- दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी देवेंद्र सिंह शेखावत क्रिकेट अकादमी 40 ओवर में 194 रन 7 विकेट के नुकसान पर बना सकी! आराध्या अग्रवाल ने 85 और प्रिंस सोनी ने 50 रनों का योगदान दिया। नारायणाक्रिकेट अकादमी की ओर से सत्यम पांडे ने तीन और गौरव सैनी ने दो विकेट लिए। मैन ऑफ़ द मैच गौरव सैनी को चुना गया।

श्रीलंका ने बांग्लादेश को पारी और 78 रनों से हराया

कोलंबो, 28 जून। प्रभात जयसूर्या (पांच विकेट) की शानदार गेंदबाजी के दम पर श्रीलंका ने दूसरे टेस्ट के चौथे दिन शनिवार को बंगलादेश को पारी और 78 रनों से हराकर दो मैचों की सीरीज 1-0 से अपने नाम कर ली है। आज यहां एसएससी ग्राउंड पर बंगलादेश ने छह विकेट पर 117 रन से आगे खेलना शुरू किया और उस समय वह श्रीलंका के दूसरी पारी में बनाये गये स्कोर से 94 रनों से पीछे थी। आज के दिन का पहला शिकार जयसूर्या ने लिटन कुमार दास (14) को विकेटकीपर कुसल मेंडिस के हाथों कैच आउट कराकर की। इसके बाद जयसूर्या ने नईम हसन (पांच) को विकेटकीपर के हाथों स्टंप करा दिया। कंधे में दर्द के कारण तीसरे दिन मैदान से बाहर रहने के बाद विकेटकीपर मेंडिस ने स्टंप के पीछे सहायक भूमिका निभाई। तैजुल इस्लाम (छह) और इबादत हुसैन (छह) रन बनाकर आउट हुये। बंगलादेश ने सुबह के सत्र में मात्र 16 रन जोड़कर अपने चार विकेट गवां दिये। श्रीलंकाई गेंदबाजों ने बंगलादेश की पूरी टीम 44.2 ओवर में 133 रन पर ढ़ेर कर मुकाबला पारी और 78 रनों से जीत लिया। इस जीत ने टेस्ट इतिहास में बंगलादेश पर श्रीलंका की नौवीं पारी की जीत दर्ज की और उन्हें विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के बहुमूल्य अंक दिलाए। इसी के साथ श्रीलंका ने दो मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है। श्रीलंका के बाएं हाथ के स्पिनर प्रभात जयसूर्या ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने दूसरी पारी में 56 रन देकर पांच विकेट झटके। टेस्ट क्रिकेट में उन्होंने 12वीं बार पांच विकेट लेने का कारनाम किया है। धनंजय डिसिल्वा और थरिंडु रत्नायके ने दो-दो विकेट लिये। श्रीलंका की एक और बड़ी उपलब्धि यह रही कि उसने दूसरी पारी में कोई भी अतिरिक्त नहीं दिया। श्रीलंका ने पहली पारी में पथुम निसांका 158 की शतकीय, दिनेश चांदीमल 93, कुसल मेंडिस 84 रनों की अर्द्धशतकीय पारियों की बदौलत 458 रनों का स्कोर खड़ा किया था। इसके बाद बंगलादेश की टीम अपनी पहली पारी में 247 रन तथा दूसरी पारी में 133 रन पर सिमट गई थी।

नीरज चोपड़ा भाला फेंक रैंकिंग में फिर शीर्ष पर

लुसाने, (स्विट्जरलैंड) 28 जून। भारतीय एथलीट नीरज चोपड़ा एक बार फिर से भाला फेंक रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच गये है। विश्व एथलेटिक्स द्वारा जारी नवीनतम रैंकिंग में नीरज एक बार फिर दुनिया के नंबर वन भाला फेंक खिलाड़ी बन गये है। सितंबर 2024 में ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स ने नीरज को पछाड़ कर पहला स्थान हासिल कर लिया था। इस सप्ताह की शुरुआत में जारी रैंकिंग में नीरज के पास एंडरसन पीटर्स के 1431 की तुलना में 1445 रैंकिंग अंक हैं। जर्मनी के जूलियन वेबर रैंकिंग में तीसरे स्थान पर हैं, जबकि पेरिस ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता पाकिस्तान के अरशद नदीम 1370 अंकों के साथ चौथे स्थान पर हैं और चेक गणराज्य के जैकब वडलेज शीर्ष पांच की सूची में शामिल हैं। नीरज के इस वर्ष लगातार अच्छे प्रदर्शन ने उन्हें फिर शीर्ष पर पहुंचा दिया है। नीरज ने अप्रैल में दक्षिण अफ्रीका के पोटचेफस्ट्रूम में पोच इनविटेशनल जीता और मई में दोहा डायमंड लीग में दूसरा स्थान हासिल किया। उन्होंने दोहा में 90.23 मीटर का नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया और प्रतिष्ठित 90 मीटर क्लब में प्रवेश किया। पोलैंड में जानुस कुसोसिन्स्की मेमोरियल में वह फिर दूसरे स्थान पर रहे, लेकिन जून में पेरिस डायमंड लीग में जीत की राह पर लौट आए। उन्होंने पेरिस में 88.16 मीटर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। नीरज ने इस सप्ताह की शुरुआत में ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक का खिताब भी अपने नाम किया। इस साल अपने सभी चार मुकाबलों में नीरज ने एंडरसन पीटर्स को पछाड़ दिया है। दोनों शीर्ष एथलीट पांच जुलाई को बेंगलुरु में एनसी क्लासिक 2025 में फिर से आमने-सामने होंगे।

हेजलवुड के पंजे ने वेस्टइंडीज को 159 रनों से हराया

ब्रिजटाउन (बारबाडोस), 28 जून। जॉश हेजलवुड (पांच विकेट) और नेथन लायन (दो विकेट) की शानदार गेंदबाजी के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने पहले टेस्ट मैच के तीसरे दिन वेस्टइंडीज को दूसरी पारी में 141 रन पर ढ़ेर कर मैच 159 रनों से जीत लिया। इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया तीन मैचों की सीरीज में 1-0 से आगे हो गया है। ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में चार विकेट पर 92 रन के स्कोर पर से आगे खेलना शुरु किया। ट्रैविस हेड और बो वेब्स्टर जोड़ी ने शानदार बल्लेबाजी का मुजाहिरा करते हुए पांचवें विकेट के लिए 102 रनों की साझेदारी कर ऑस्ट्रेलिया को संकट से निकला। शमार जोसेफ ने ट्रैविस हेड (61) को आउटकर इस साझेदारी का अंत किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये एलेक्स कैरी ने बो वेब्स्टर का बखूबी साथ निभाया। बो वेब्स्टर (63) रन को शमार जोसेफ ने विकेटकीपर शाई होप के हाथों कैच आउट कराया। पैट कमिंस (पांच), मिचेल स्टार्क (16) और जॉश हेजलवुड (13) को शमार जोसेफ ने ही आउट किया। एलेक्स कैरी (65) का शिकार रॉस्टन चेज ने किया। ऑस्ट्रेलिया की टीम दूसरी पारी में 310 रन का स्कोर खड़ाकर वेस्टइंडीज को जीत के लिए 301 रनों का लक्ष्य दिया। वेस्टइंडीज की ओर से शमार जोसेफ ने 25.5 ओवर में 87 रन देकर पांच विकेट लिये। अल्जारी जोसेफ को दो विकेट मिले। जेडेन सील्स, जस्टिन ग्रीव्स और रॉस्टन चेज ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने अपना पहला ही विकेट चार रन के स्कोर पर गवां दिया। जॉन कैंपबेल के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। इन दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट लिये 43 रनों की साझेदारी हुई। दोनों बल्लेबाज जॉश हेजलवुड का शिकार बने। केसी कार्टी (20) और जॉन कैंपबेल (23) रन बनाकर आउट हुये। ब्रैंडन किंग (शून्य) और रॉस्टन चेज (दो) को भी हेजलवुड ने आउट किया। इसके बाद नियमित अंतराल पर वेस्टइंडीज के विकेट गिरते रहे। एक समय जस्टिन ग्रीव्स और शमार जोसेफ ने नौवें विकेट के लिए 55 रनों की साझेदारी कर उम्मीद जगाई थी, लेकिन नेथन लायन ने शमार जोसेफ (44) को आउटकर वेस्टइंडीज की उम्मीदों पर पूरी तरह पानी फेर दिया।

मुख्यमंत्री ने शिक्षा के क्षेत्र में 135 भामाशाहों को सम्मानित किया

भजनलाल ने कहा कि भामाशाह केवल इमारतें नहीं बनवा रहे, बच्चों के सपनों को उड़ान दे रहे हैं

- मुख्यमंत्री ने शिक्षा के क्षेत्र में एक करोड़ रूपए से अधिक सहयोग राशि देने वाले 35 भामाशाहों को ''शिक्षा विभूषण'' व 36 लाख से 1 करोड़ रूपए का सहयोग करने वाले 100 भामाशाहों को ''शिक्षा भूषण'' सम्मान प्रदान किया।
- स्कूल शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि भामाशाहों ने करोड़ों रूपए देकर विद्यार्थियों के लिए शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण सुविधाएं उपलब्ध कराई हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को माहेश्वरी पब्लिक स्कूल में आयोजित 29 वें राज्यस्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह में शिक्षा के क्षेत्र में 1 करोड़ रुपये से अधिक की राशि का सहयोग देने वाले 35 भामाशाहों को शिक्षा विभूषण सम्मान एवं 30 लाख से 1 करोड़ रुपये तक का सहयोग देने वाले 100 भामाशाहों को शिक्षा भूषण सम्मान प्रदान किया।

जयपुर, 28 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश को शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी बनाने में भामाशाहों, शिक्षाविदों एवं प्रेरकों की त्रिवेणी अहम भूमिका निभा रही है। इनसे प्रेरणा लेकर समाज के अन्य लोग भी शिक्षा के क्षेत्र में योगदान देने के लिए प्रेरित होंगे।

शर्मा शनिवार को माहेश्वरी पब्लिक स्कूल के तक्षशिला सभागार में आयोजित 29वें राज्यस्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मेवाड़ की रक्षा के लिए अपनी समस्त संपत्ति महाराणा प्रताप को समर्पित करने वाले भामाशाह का नाम हमारे हृदय में गर्व और सम्मान का भाव जगाता है। आज भी आवश्यकता पडने पर समाज के लिए भामाशाह आगे आते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी भामाशाह शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग का नेक एवं सराहनीय कार्य कर रहे हैं। भामाशाह केवल इमारतें नहीं बनवा रहे, बल्कि हमारे बच्चों के सपनों को भी एक नई उड़ान दे रहे हैं। भामाशाह स्वयं से ऊपर उठकर अपने समाज, क्षेत्र और राष्ट्र के विकास की सोच के साथ कार्य कर रहे हैं। उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि आज के दानदाता आधुनिक युग के भामाशाह हैं जिन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में अमूल्य योगदान दिया है। स्कूल शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि भामाशाहों ने करोड़ों रुपये का दान देकर विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण सुविधाएं उपलब्ध करवाई हैं। समारोह में मुख्यमंत्री ने शिक्षा के क्षेत्र में 1 करोड़ रुपये से अधिक की राशि का सहयोग देने वाले 35 भामाशाहों को शिक्षा विभूषण सम्मान एवं 30 लाख से 1 करोड़ रुपये तक का सहयोग देने वाले 100 भामाशाहों को शिक्षा भूषण सम्मान प्रदान किया।

इससे पहले, मुख्यमंत्री शर्मा ने आरटीई के तहत कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों की फीस पुनर्भरण व ट्रांसपोर्ट वाउचर की एक हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि रिमोट का बटन दबाकर डीबीटी की।

अहमदाबाद विमान हादसाः 260 मृतकों की पहचान हुई

अहमदाबाद, 28 जून। अहमदाबाद में हुए भीषण विमान हादसे को दो हफ्ते से ज्यादा समय बीत चुका है। अब अधिकारियों ने बताया है कि डीएनए जांच के जरिए हादसे के आखिरी पीड़ित की पहचान कर ली गई है। इसके साथ ही, अब तक 260 मृतकों की पहचान हो गई है। मामले में स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि

- अधिकारियों ने कहा कि डीएनए जाँच से हादसे के आखिरी पीड़ित की भी पहचान हो गई है। सभी 260 शव परिजनों को सौंप दिए गए हैं।

अंतिम पीड़ित के पार्थिव शरीर को उसके परिजनों को सौंप दिया गया है। इससे पहले, मेडिकल अधिकारियों ने मृतकों की संख्या 270 बताई थी। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, मृतकों में 200 भारतीय (181 यात्री और 19 जमीन पर मौजूद लोग), 52 ब्रिटिश नागरिक, सात पुर्तगाली नागरिक, एक कैनडाई नागरिक शामिल हैं। इस हादसे में बहुत से शव पूरी तरह से जल चुके थे, जिससे उनकी पहचान मुश्किल हो गई थी।

ई-वोटिंग कराने वाला पहला राज्य बना बिहार

बिहार के 26 जिलों की 42 नगरपालिकाओं के उपचुनाव में मोबाइल ऐप के जरिए वोटिंग कराई गई

- मतदान के लिए दो ऐप लॉंच की गईं। पहली ऐप सैंटर फॉर डवलपमैंट ऑफ एडवांस्ड कम्प्यूटिंग ने व दूसरी बिहार चुनाव आयोग ने बनाई थी। ये ऐप्स एण्ड्रॉयड फोन पर ही काम कर सकती हैं।

पटना, 28 जून। बिहार ने आज मोबाइल ऐप के माध्यम से मतदान कराकर भारतीय लोकतंत्र में इतिहास रच दिया है। देश में पहली बार बिहार के 26 जिलों की 42 नगरपालिकाओं के उपचुनाव में मोबाइल ऐप के जरिए मतदान कराया गया। इस उपचुनाव में छह नगरपालिकाओं में पायलट परियोजना के तौर पर मोबाइल ऐप के जरिए ई-वोटिंग हुई। उपचुनाव में कुल 62.41 प्रतिशत मतदान हुआ। इसमें बूथ वोटिंग की तुलना में ई वोटिंग का प्रतिशत 16 अधिक रहा। ई-वोटिंग का प्रतिशत जहां 70.20 रहा, वहीं मतदान केन्द्रों पर वोटिंग 54 प्रतिशत ही हुई।

राज्य निर्वाचन आयुक्त दीपक प्रसाद ने यहां बताया कि यह एक बहुत ही एतिहासिक दिन है और बिहार के लिए गर्व की भी बात है कि देश में आज पहली बार यहां सफलतापूर्वक ई-वोटिंग कराया गया। उन्होंने कहा कि यह प्रोजेक्ट मतदान केन्द्रों तक पहुंचने में असमर्थ लोगों को आसानी से वोटिंग कराने के लिए शुरू किया गया है। प्रसाद ने बताया कि ई-वोटिंग के जरिए प्रवासी श्रमिक, दिव्यांग, बुजुर्ग, गर्भवती महिलाओं और गंभीर रूप से बीमार लोगों ने अपना वोट दिया है। इस सुविधा के लिए पहले से रजिस्ट्रेशन कराना था। चुनाव आयोग के अनुसार ई-वोटिंग के लिए 50 हजार से ज्यादा मतदाताओं ने रजिस्ट्रेशन कराया था और उनमें से 70.20 प्रतिशत ने वोट किया। मोतिहारी की विभा ने ऐप से पहला वोट डाला, जिससे वे देश की पहली ई-वोटर बन गई हैं।

गौरतलब है कि मतदान के लिए दो ऐप लॉन्च किए गए थे। पहला ऐप सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कंप्यूटिंग (सी-डेक) ने बनाया है, वहीं दूसरा ऐप बिहार चुनाव आयोग ने तैयार कराया है। इसमें सेफ्टी के लिए फेस रिकग्निशन और लाइव फेस स्कैन जैसी एडवांस तकनीकों का इस्तेमाल किया गया है। यह ऐप अभी सिर्फ एंड्रॉयड फोन में ही काम करता है।

'चुनाव आयोग भाजपा का ''ब्राँच ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ओ' ब्रायन ने पूछा, ''क्या चुनाव आयोग वास्तव में चुनाव आयोग है या भाजपा का ब्रांच ऑफिस है''? उन्होंने कहा, ''2021 के बंगाल चुनावों से पहले सीएए लागू किया गया था, लेकिन भाजपा हारी। और अब 2026 से पहले, वे यही करने की कोशिश कर रहे हैं। राजनीतिक दल सर्वेक्षण कर सकते हैं, लेकिन पकड़े न जाएं।''

चुनाव आयोग ने चुनावाधीन बिहार में इस अभियान को आगे बढ़ाया है, और राज्य में तृणमूल और भाजपा विरोधी दलों को विश्वास है कि भाजपा के इस अभियान के पीछे उसका संदिग्ध मकसद है।

ओ' ब्रायन ने कहा, ''यह डर फैलाने की रणनीति है। पिछले एक साल में बंगाल में हुए 11 उपचुनावों में हमने सात सीटें बड़े अंतर से जीती हैं। उन सीटों पर, जो भाजपा ने जीती थीं या जिन पर वह आगे थी, हार-जीत का अन्तर बहुत कम था। हम ऐसी पार्टी नहीं हैं, जो चुनावों से पहले उड़ जाती हो।''

जब ममता ने बंगाल और अन्य उत्तर भारतीय राज्यों में डुप्लीकेट मतदाताओं का मुद्दा उठाया था, तो चुनाव आयोग ने अप्रैल 30 तक इस मुद्दे को सुलझाने की घोषणा की थी।

ओ' ब्रायन ने कहा, ''हम जानना चाहते हैं कि चुनाव आयोग ने क्या समाधान किया है। हमने मिलने का समय मांगा था, लेकिन मना कर दिया गया।''

तृणमूल ने आरोप लगाया कि विशेष सघन पुनरीक्षण 1935 में नाज़ी जर्मनी द्वारा जारी किए गए ''पूर्वज पास'' (एनसैस्टर पास) जैसा है।

उन्होंने पूछा, ''क्या यह नाज़ी पूर्वज पास का नया संस्करण है? अब हम यहाँ से कहाँ जाएं?''

नए आदेश के तहत, 1987 से पहले जन्मे लोगों को अपने जन्म प्रमाणपत्र देने होंगे। 1987 और 2004 के बीच जन्मे लोगों को अपने और अपने माता-पिता दोनों के जन्म प्रमाणपत्र देने होंगे।

राज्यसभा में तृणमूल की उपनेता सागरिका घोष ने कहा, ''क्या हम सबके पास अपने माता-पिता के जन्म प्रमाणपत्र हैं? गरीब और प्रवासी मजदूरों की तो बात ही क्या करें? वे इसे कैसे प्राप्त करेंगे? यह एक साजिश है। यह भाजपा के एजेंडा को आगे बढ़ाने का प्रयास है। भाजपा और चुनाव आयोग भारत के नागरिकों के मताधिकार छीन लेंगे। भाजपा विशेष सघन पुनरीक्षण के नाम पर बिहार में एनआरसी लागू करने के लिए पिछले दरवाजे का इस्तेमाल कर रही है।''

तृणमूल कांग्रेस ने कहा कि इंडिया ब्लॉक की पार्टियाँ संसद के अंदर और बाहर इस मुद्दे को उठाएंगी।

ओ' ब्रायन ने कहा, ''इस सरकार को संसद से डर लगता है। हम संसद सत्र का इंतजार नहीं कर सकते। इंडिया ब्लॉक के दलों के बीच अभी भी अच्छा समन्वय है।''

मोदी ने शुभांशु ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में भी शुभ है और आपकी यात्रा नहीं युग का शुभारंभ भी है। इस समय हम दोनों ही बात कर रहे हैं, लेकिन 140 करोड़ भारतीयों की भावनाएं भी मेरे साथ हैं। मेरी आवाज़ में सभी भारतीयों का उत्साह और उत्साह शामिल है। मैं अंतरिक्ष में अपना झंडा फहराने के लिए आपको अपनी हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। क्या वहाँ सब कुछ ठीक है? क्या आप ठीक हैं?

इस पर ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने कहा, आपकी इच्छाओं और 140 करोड़ भारतीयों की इच्छाओं के लिए प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद। मैं यहाँ ठीक हूँ और सुरक्षित हूँ। मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं, यह एक नया अनुभव है। यह यात्रा न केवल मेरी है बल्कि पूरे देश की यात्रा है। आपके नेतृत्व में, आज का भारत उनके सपनों को पूरा करने के लिए कई अवसर प्रदान करता है। मुझे यहां भारत का प्रतिनिधित्व करने पर बहुत गर्व महसूस हो रहा है।

क्या है युवा अभिनेत्री शेफाली...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नहीं हुई है, लेकिन विशेषज्ञ एपिलेप्सी से जुड़ी जटिलताओं की संभावना को नकार नहीं रहे हैं। कुछ रिपोर्ट्स में यह आशंका भी जताई जा रही है कि कहीं उन्होंने आत्म-हत्या तो नहीं की।

फिलहाल, मृत्यु का सटीक कारण केवल फॉरेंसिक रिपोर्ट और पोस्टमार्टम जांच के बाद ही पता चल पाएगा।

मुंबई पुलिस ने शनिवार को अंधेरी स्थित गोल्डन राइज़ में शेफाली ज़रीवाला के आवास पर फोरेंसिक विशेषज्ञों की एक टीम तैनात कर उनकी असमायिक मौत मामले की औपचारिक जांच शुरू कर दी।

यहां जारी एक आधिकारिक बयान में पुलिस ने कहा कि शेफाली ज़रीवाला (42) की मौत का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है, जांच और पोस्टमार्टम के नतीजे आने बाकी हैं। अधिकारियों के अनुसार जरीवाला अपने पति पराग त्यागी के साथ अंधेरी स्थित पते पर रहती थीं। उनके पति और परिवार के सदस्यों ने उन्हें एक वाहन में अस्पताल पहुंचाया, जिसके बारे में इमारत के सुरक्षा गार्ड ने बताया कि वे लगभग 10-10:15 बजे आपातकालीन परिस्थितियों में तेज गति से जा रहे थे। गार्ड ने कहा कि वाहन की रंगीन खिड़कियों के कारण कुछ स्पष्ट दिखाई नहीं पड़ा था, लेकिन उसने पुष्टि की कि उसने जरीवाला को उस शाम अपने पति के साथ घमूते हुए देखा था। वह उस समय स्वस्थ दिख रही थीं।

शेफाली शुरुआत से ही फिल्मी दुनिया का हिस्सा बनना चाहती थीं, इसलिए मौका मिलते ही वह अपने सपने पूरे करने के लिए गुजरात से मुंबई आ गईं। यहां आकर उन्होंने कई म्यूज़िक एल्बम और फिल्मों में काम भी किया। शेफाली ने वर्ष 2005 में 1982 में गुजरात में जन्मी शेफाली बहुत कम उम्र में मुम्बई आ गई थी और वर्ष 2005 में उन्होंने मुम्बई के सरदार पटेल कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग से सूचना प्रौद्योगिकी में मास्टर्स की डिग्री हासिल की। इंजीनियरिंग अध्ययन के दौरान वर्ष 2002 में उन्होंने रीमिक्स गाने 'कांटा लगा' के म्यूजिक वीडियो में काम किया और कांटा लगा गर्ल के नाम से प्रसिद्ध हो गईं। इसके बाद उन्होंने कई म्युजिक एल्बम शो व कुछेक फिल्मों में काम किया। इसी दौरान वर्ष 2004 में उन्होंने मीत ब्रदर्स वाले संगीत निर्देशक हरमीत सिंह से शादी की। लेकिन यह रिश्ता ज्यादा नहीं चला और 2009 में दोनों अलग हो गए। इसके बाद वर्ष 2014 में उन्होंने अभिनेता पराग त्यागी से शादी की।

शेफाली 'नच बलिए 5' और 'नच बलिए 7' बिग बॉस 13 में भी नज़र आईं। उनके अचानक निधन की खबर से उनके फैन्स सदमे में हैं।

कुख्यात आतंकवादी साकिब नाचन की दिल्ली में इलाज के दौरान मौत

मुंबई, 28 जून। कुख्यात आतंकवादी साकिब नाचन की दिल्ली में इलाज के दौरान मौत के बाद, महाराष्ट्र के बोरीवली और पडघा दोनों जगहों पर 200 से अधिक पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है और गांव में प्रवेश करने वाले हर वाहन की जांच की जा रही है।

भिवंडी तालुका में पडघा-बोरीवली नाचन का गृहनगर है। पुलिस ने कहा कि उसकी मौत की खबर के बाद बोरीवली और पडघा दोनों जगहों पर 200 से अधिक पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है। साकिब नाचन मुंबई सीरियल बम धमाकों का मुख्य आरोपी था। बाद में उसे इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएसआई) मॉड्यूल मामले में दिसंबर 2023 में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने फिर से गिरफ्तार किया था। उसे दिल्ली की तिहाड़ जेल में रखा गया था।

इटली में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और सभी समय की सबसे महान फिल्मों में से एक मानी जाएगा। नहीं, हमने कभी इसकी उम्मीद नहीं की थी। जी.पी. सिप्पी निर्मित और रमेश सिप्पी निर्देशित फिल्म शोले 15 अगस्त 1975 में रिलीज हुयी थी। यह फिल्म मुंबई के मिनर्वा थियेटर में पांच सालों तक चली थी।

कोलकाता गैंग ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भूमिका में परिसर में लौट आया। मनोजीत को 2021 में कॉलेज की तृणमूल कांग्रेस की छात्र शाखा से निष्कासित कर दिया गया था।

पंजाब कैडर के 1989...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पंजाब में उग्रवाद के चरम समय के दौरान सेवा में थे, जहां उन्होंने कई जिलों में सीनियर सुपरिन्टेन्डैन्ट ऑफ पुलिस (एसएसपी) और डिप्टी इन्स्पैक्टर जनरल (डीआईजी) जैसे पदों पर कार्य किया। आतंकवाद प्रभावित क्षेत्रों में उनके जमीनी पुलिसिंग अनुभव ने उसके बाद के खुफिया कार्य के लिए मजबूत नींव का कार्य किया।

जैन को श्रीलंका और कैनडा में भारतीय मिशनों में भी तैनात किया गया, जहां उन्होंने कूटनीतिक खुफिया ऑपरेशनों को संभाला। खास तौर से, कैनडा में अपने कार्यकाल के दौरान, उन्हें विदेशी जमीन से संचालित खालिस्तानी आतंकवादी मॉड्यूल्स का पता लगाने का कार्य सौंपा गया था। यह भूमिका उनकी वैश्विक आतंकवाद-रोधी समझ पर देश के भरोसे को रेखांकित करती है।

जैन की नियुक्ति ऐसे समय की जा रही है, जब भारत के विदेशी खुफिया ऑपरेशनों को जटिल चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जो सीमा पार आतंकवाद से लेकर चीन और पाकिस्तान के साथ भू-राजनीतिक तनावों तक फैली हुई हैं। उनके व्यापक ऑपरेशनल अनुभव और क्षेत्रीय विशेषज्ञता के चलते, जैन से उम्मीद की जा रही है कि वे रॉ की निगरानी और आतंकरोधी क्षमताओं को और तेज करेंगे।

गहलोत खुद...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एक करोड़ देकर चौथे को मुफ्त में ले जाओ। यह बहुत बड़ा दुर्भाग्य है। जिनकी सरकार होती है, वे जांच एजेंसियों का दुरुपयोग करते हैं। पहले केन्द्र में होता था, अब राज्य में हो रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल के खिलाफ जो भी बोलता है, उसे पकड़ा जा रहा है। वे उडऩ खटोले में घूम रहे हैं। पता नहीं, उनको दुबारा मौका मिलेगा या नहीं। उनके मंत्री भी नौसखिए हैं। प्रदेश के हालात बदतर हैं।

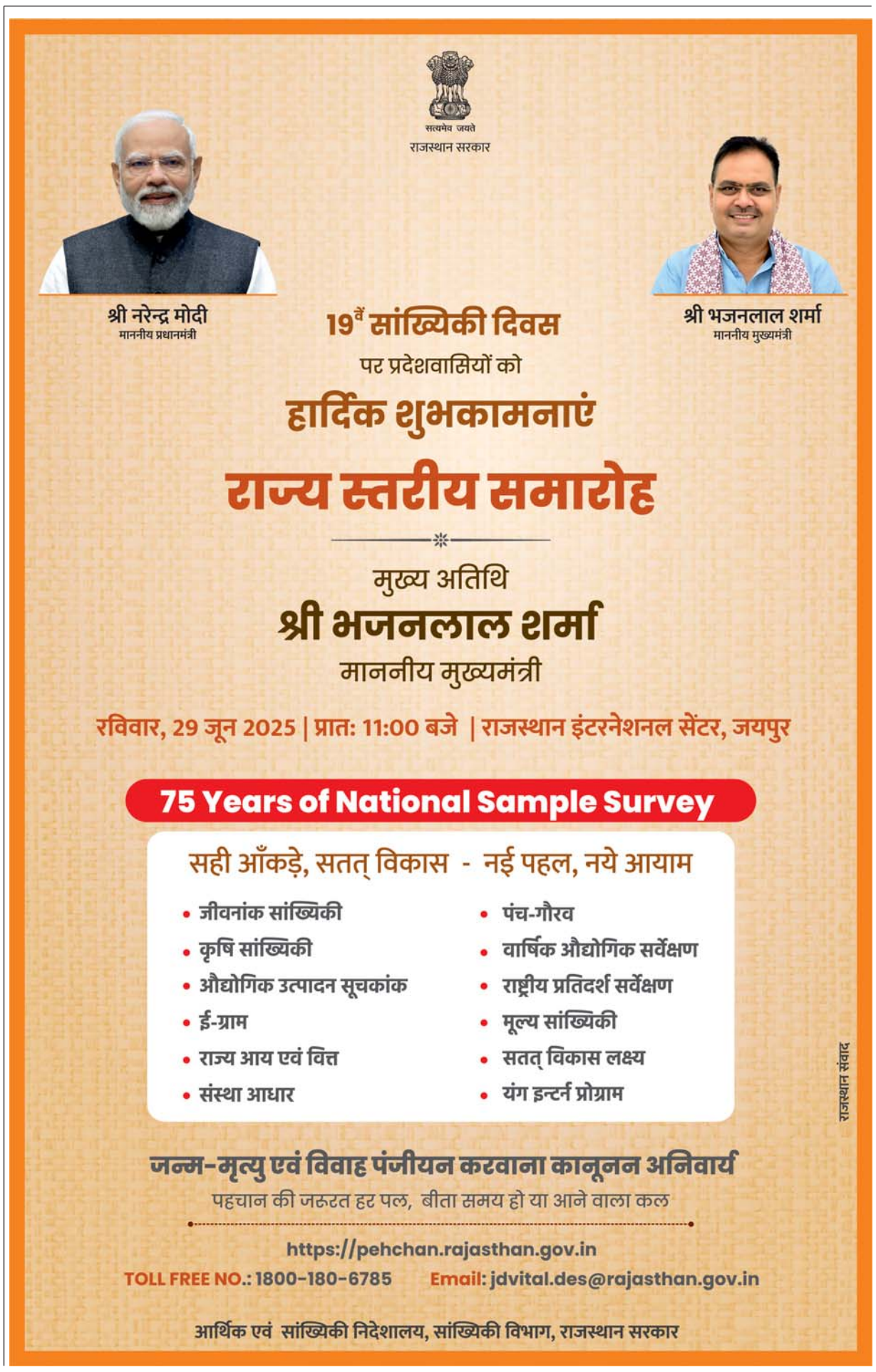

नीतीश ने 21,391 पुलिस कर्मियों को नियुक्ति पत्र दिया

नीतीश ने नियुक्ति कार्यक्रम में कहा कि 42,609 सिपाहियों की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरु हो गई है

- नीतीश ने कहा कि उनके कार्यकाल में राज्य में पुलिसबल की क्षमता 2.29 लाख तय की गई है जबकि उनसे पहले स्वीकृत क्षमता मात्र 51 हजार थी और मात्र 42,481 पुलिसकर्मी ही कार्य कर रहे थे।

पटना, 28 जून। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज नवनियुक्त 21391 पुलिसकर्मियों को नियुक्ति-पत्र प्रदान किया और कहा कि बचे हुए 22771 पदों पर भी बहाली का काम तेजी से हो। कुमार ने शनिवार को यहां बापू सभागार में नवनियुक्त 21 हजार 391 पुलिसकर्मियों को नियुक्ति-पत्र प्रदान करने के बाद कार्यक्रम को संबोधित किया और कहा 24 नवम्बर, 2005 को राज्य में नई सरकार बनने के समय बिहार पुलिस में कार्यरत बल की संख्या काफी कम थी। उस समय पुलिस में स्वीकृत बल की संख्या लगभग 51 हजार थी। इसके विरूद्ध मात्र 42 हजार 481 पुलिसकर्मी कार्यरत थे।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि उनका शुरू से कहना है कि राज्य में पुलिस बल की संख्या को और बढ़ाया जाये। इसके लिए वर्ष 2006 से ही पुलिस बल की संख्या में लगातार बढ़ोतरी की गयी। वर्ष 2022 में राज्य में पुलिस बल की संख्या बढ़ कर एक लाख 10 हजार हो गयी।

कुमार ने कहा कि वर्ष 2023 में पुलिस सप्ताह के कार्यक्रम में हमने राज्य में पुलिस बल की संख्या बढ़ाकर दो लाख 29 हजार तय कर दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें खुशी है कि 21 हजार 391 सिपाहियों की सीधी बहाली का काम पूरा हो गया है, जिन्हें आज नियुक्ति पत्र दिया जा रहा है। आज की बहाली के बाद बिहार पुलिस में महिलाओं की संख्या अब बढ़ कर लगभग 36 हजार हो गयी है जो देश के किसी भी राज्य से अधिक है।

'झूठे नियुक्ति पत्र बांट रहे हैं नीतीश'

राजगीर, 28 जून। जनसुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने आज मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर हमला बोला और कहा कि चुनाव से पहले कुमार झूठा नियुक्ति पत्र बांट रहे हैं। किशोर ने शनिवार को नालंदा जिले के एकंगसराय स्थित सुखदेव हाई स्कूल ग्राउंड में आयोजित बिहार बदलाव सभा को संबोधित करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए कुमार पर हमला बोला और कहा कि चुनाव से पहले मुख्यमंत्री झूठा नियुक्ति पत्र बांट रहे हैं, लेकिन अब बिहार की जनता बदलाव चाहती है, अफसरों के राज से मुक्ति चाहती है। इस बार नालंदा की जनता ने कुमार की विदाई की तैयारी कर ली है।

- जनसुराज पार्टी प्रमुख प्रशांत किशोर ने पुलिसकर्मियों को नीतीश द्वारा दिए गए नियुक्ति पत्र को लेकर टिप्पणी की।

जनसुराज के सूत्रधार ने नेता प्रतिपक्ष और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव पर बड़ा हमला करते हुए कहा कि तेजस्वी यादव का कलम बांटना वैसा ही है जैसे जंगल में शेर दूध बांटने लगे।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908